@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 12 जनवरी 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 69 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ में शौर्य यात्रा का किया नेतृत्व, वीरों को दी श्रद्धांजलि

'वीर हमीरजी गोहिल बर्बरता और हिंसा के दौर में साहस और दृढ़ संकल्प के प्रतीक बनकर खड़े रहे।'

एजेंसी

गिर सोमनाथ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को गुजरात के पावन सोमनाथ मंदिर परिसर में आयोजित शौर्य यात्रा का नेतृत्व किया और सोमनाथ की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह शौर्य यात्रा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत निकाली गई, जो 1026 ईस्वी में महमूद गजनवी के आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे होने तथा मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मनाया जा रहा है। शौर्य यात्रा में 108 घोड़ों की प्रतीकात्मक झांकी शामिल की गई, जो वीरता, पराक्रम और बलिदान का प्रतीक है। यात्रा शंख सर्कल से प्रारंभ होकर हमीरजी गोहिल सर्कल पर संपन्न हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए दो महान योद्धाओं हमीरजी गोहिल और वेगड़जी भील की

प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके साथ ही उन्होंने मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार के निकट स्थापित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए, जिनके प्रयासों से स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार संभव हो सका और वर्ष 1951 में इसे श्रद्धालुओं के लिए पुनः खोला गया।

शौर्य यात्रा के उपरांत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर तीन अलग-अलग पोस्ट के माध्यम से वीर हमीरजी गोहिल, वेगड़जी भील और सरदार वल्लभभाई पटेल का स्मरण किया। उन्होंने लिखा कि वीर हमीरजी गोहिल बर्बरता और हिंसा के दौर में साहस और दृढ़ संकल्प के प्रतीक बनकर खड़े रहे। उनकी वीरता हमारी सभ्यतागत स्मृति में युगों तक अंकित रहेगी। उनका साहस उन लोगों के लिए कालजयी उत्तर है जो यह मानते थे कि क्रूर बल से हमारी सभ्यता को कुचला जा सकता है।

'अनगिनत बलिदानों की यादों को समेटे हुए है सोमनाथ', पीएम मोदी ने शेयर की यात्री की झलकियां

सोमनाथ। गुजरात यात्रा के क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' और 'शौर्य यात्रा' में शामिल हुए। पीएम मोदी ने अपनी इस यात्रा से जुड़ीं कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। वीडियो शेयर कर प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ अनगिनत बलिदानों की यादों को समेटे हुए है, जो हमें हमेशा प्रेरित करती रहती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' आस्था और धैर्य का प्रतीक है। सोमनाथ अनगिनत बलिदानों की यादों को समेटे हुए है, जो हमें हमेशा प्रेरित करती रहती हैं। यह उतना ही दिव्यता और सभ्यता की महानता के बारे में भी है। पीएम मोदी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में वह यात्रा के दौरान डमरू वादन करते, भीड़ का अभिवादन करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के भी कुछ अंश हैं।

सबरीमाला खाजाना चोरी की जांच किसी निष्पक्ष एजेंसी से कराई जाए : अमित शाह

● 'केरल में एलडीएफ और यूडीएफ के बारी-बारी से शासन करने से भ्रष्टाचार में वृद्धि हुई है'

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। गृह मंत्री अमित शाह ने केरल के तिरुवनंतपुरम में केरल कौमुदी कॉन्क्लेव को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि केरल में एलडीएफ और यूडीएफ के बारी-बारी से शासन करने से भ्रष्टाचार में वृद्धि हुई है, क्योंकि दोनों दल अपने ही भ्रष्टाचार की जांच करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 343 करोड़ रुपए का सहकारी बैंक घोटाला, एआई कैमरा घोटाला, लाइफ मिशन घोटाला और पीपीई किट खरीद घोटाला जैसे बड़े घोटालों की ठीक से जांच नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ गठबंधन इन भ्रष्ट गतिविधियों के लिए एक-दूसरे को जवाबदेही से बचाते हैं। यदि केरल

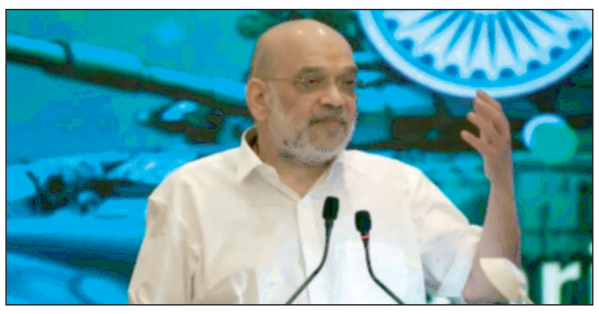

भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चाहता है, तो एनडीए को सत्ता में आने का अवसर देना आवश्यक है। अमित शाह ने कहा कि जब हमने पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया, तो एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ने या तो इस फैसले का समर्थन करने से इनकार कर दिया या खुले तौर पर इसका विरोध किया। एसडीपीआई जैसी पार्टियां केरल की रक्षा करने में सक्षम नहीं हैं। जो लोग सह-अस्तित्व में विश्वास नहीं करते, वे हमारे राज्य की रक्षा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार ही केरल को गवर्नेंस विदाउट करप्शन (भ्रष्टाचार मुक्त शासन), 'डिलीवरी विदाउट डिस्क्रिमिनेशन' (बिना किसी भेदभाव के सेवा वितरण), और विजन विदाउट वोट बैंक पॉलिटिक्स (बिना किसी विशेष समुदाय या समूह के तुष्टिकरण) दे सकती है। मैंने आज मुख्यमंत्री के सामने मांग रखी है कि सबरीमाला खजाने की चोरी के मामले की किसी निष्पक्ष एजेंसी से जांच करानी चाहिए। यह इसलिए जरूरी है कि हर एक को शासन में विश्वास होना चाहिए। हर एक को सरकार और सिस्टम में विश्वास होना चाहिए। सिस्टम में जनविश्वास बनाए रखने के लिए सबरीमाला खजाने की चोरी की जांच एक निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हम एक ऐसी राजनीति की भी कल्पना करते हैं जो राजनीति से ऊपर उठकर प्रदर्शन आधारित राजनीति की इस देश में प्रधानमंत्री मोदी ने शुरुआत की है... देश कितना भी विकसित होगा शिकायत होगी, लेकिन प्रतिबद्धता होनी चाहिए कि हम हर शिकायत का निराकरण करेंगे और तुष्टीकरण की जगह विकास होना चाहिए।

शिवसेना यूबीटी के पूर्व विधायक दगडू सकपाल शिंदे समूह की शिवसेना में शामिल

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के पूर्व विधायक दगडू सकपाल रविवार को शिंदे समूह की शिवसेना में शामिल हो गए। इससे दक्षिण मुंबई में शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को करारा झटका लगा है।

पूर्व विधायक दगडू सकपाल पिछले कई दशकों से शिवसेना यूबीटी में एक्टिव थे। दक्षिण मुंबई के लालबाग-परेल आदि इलाकों में उनकी पकड़ है। सकपाल ने अपनी बेटी के लिए शिवसेना यूबीटी से टिकट मांगा था, लेकिन टिकट न मिलने से सकपाल नाराज थे। उनकी नाराजगी को देखते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उनसे मुलाकात की और बातचीत की, जिसके बाद वह आज पार्टी में शामिल हो गए। दगडू सकपाल के पार्टी में शामिल होने के बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि दगडू सकपाल शिवसेना के पुराने और वफ़ादार कार्यकर्ता हैं।

मुंबई, खासकर साउथ मुंबई में शिवसेना को बढ़ाने और स्थापित करने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। उनके आने से शिवसेना को बहुत ताकत मिली है। आज हमें सच में लालबाग के राजा और मुंबई के राजा का आशीर्वाद मिला है।

इस मौके पर दगडू सकपाल ने कहा कि जिस पार्टी के लिए मैंने अपनी जिंदगी लगा दी, उसे छोड़ना वाकई बहुत दुख देता है। मैंने यह फ़ैसला बहुत भारी मन से लिया है।

बिहार विधानसभा चुनाव में 'लोक' हारा और 'तंत्र' जीता: तेजस्वी यादव

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम को लेकर सत्ता पक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने चुनाव परिणाम को लेकर कहा कि पूरा देश कह रहा है कि हालिया बिहार विधानसभा चुनाव में लोक हारा और तंत्र जीता। लंबे समय के बाद पटना पहुंचने के बाद तेजस्वी यादव ने कहा, 'जनतंत्र को धन-तंत्र और मशीनतंत्र बना दिया गया है। छल-कपट-प्रपंच और मशीनरी से प्राप्त जनादेश को जनता कितना स्वीकार कर रही है, यह सभी जानते हैं।' राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हम शुरू से ही सकारात्मक राजनीति करते आए हैं, इसलिए सरकार गठन के 100 दिन तक नई सरकार की नीतियों, निर्णयों और कार्यक्रमों पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन लोगों के साथ सरकार के कार्यों की विवेचना करते रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट लहजे में केंद्र और राज्य सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार में अपराध, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, पलायन, शिक्षा, चिकित्सा और विधि व्यवस्था का क्या हश्र है, यह किसी से छिपा नहीं है।

संघ बदल नहीं रहा, मूल्यों के साथ निरंतर विकसित हो रहा है : सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत

● 'डॉ. हेडगेवार में लोगों को जोड़ने की अद्भुत क्षमता थी'

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन ही संघ की आत्मा है और उसका मूलमंत्र भारत सर्वोपरि है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समय के साथ बदल नहीं रहा बल्कि अपने मूल विचार, संस्कार और मूल्यों के साथ निरंतर विकसित हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पर आधारित फिल्म 'शतक' का पहला गीत 'भगवा है अपनी पहचान' रविवार को दिल्ली के केशव कुंज में आयोजित विशेष समारोह में लॉन्च किया गया। आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गीत का औपचारिक लोकार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि फिल्म 'शतक' और इसका एंथम संघ की राष्ट्रनिष्ठा, आंतरिक शक्ति और सेवा-भाव को प्रभावी ढंग से

सामने लाते हैं। यह फिल्म संघ की उन कहानियों को भी उजागर करती है, जो अब तक आम जनमानस के सामने नहीं आ पाईं। डॉ. हेडगेवार में लोगों को जोड़ने की अद्भुत क्षमता थी। वे जीवन की कठिन चुनौतियों का भी समभाव से सामना करते थे और यही गुण संघ की कार्यप्रणाली में आज भी दिखाई देता है। संघ की विचारधारा स्थिर नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुसार निरंतर विकसित होने वाली है। उन्होंने कहा कि गीत 'भगवा है अपनी पहचान' में भगवा रंग को केवल प्रतीक के रूप में नहीं बल्कि भारत की सभ्यतागत चेतना और पहचान के रूप में प्रस्तुत किया गया है। गीत में भगवा को त्याग, तपस्या, अनुशासन, सेवा और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक बताया गया है। यह समाज को सामूहिक चेतना के साथ एकजुट होकर राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान करता है।

जाने-माने गायक सुखविंदर सिंह ने अपनी ऊर्जावान आवाज से गीत को प्रभावशाली बनाया है। संगीतकार सनी इंदर की सशक्त धुनों और गीतकार राकेश कुमार पाल के ओजपूर्ण शब्दों ने गीत को जोश और भावनात्मक गहराई प्रदान की है। इस अवसर पर सुखविंदर सिंह ने कहा कि उनका गीत मोहन भागवत द्वारा लॉन्च किया जाना उनके लिए गर्व और आशीर्वाद का क्षण है। यह गीत उनके लिए केवल एक पेशेवर कार्य नहीं बल्कि राष्ट्रसेवा है। उन्होंने इसे पूरे मन से गाया है और उम्मीद जताई कि यह हर भारतीय के दिल को छुएगा।

शक्ति केंद्रों की मजबूती से ही भाजपा को मिल रही चुनावी सफलता : नितिन नबीन

● द्रमुक को सत्ता से हटाने के लिए संगठित और प्रतिबद्ध प्रयास जरूरी

एजेंसी

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर ज़िले के मुत्तलीपालायम क्षेत्र स्थित एक निजी विवाह मंडप में रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शक्ति केंद्र प्रभारियों की सलाहकार बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने भाग लिया और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में नितिन नबीन ने कहा कि शक्ति केंद्र प्रशासन की सशक्त, संगठित और अनुशासित कार्यप्रणाली के कारण ही भाजपा देश के कई राज्यों में लगातार चुनावी सफलताएं हासिल कर रही है। उन्होंने कहा कि आठ जिलों से आए शक्ति केंद्र प्रभारियों में दिख रहा जोश, उत्साह और समर्पण इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आगामी चुनावों में भाजपा द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) को पराजित करने वाली एक बड़ी ताकत बनकर

उभरेगी। नितिन नबीन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पाकिस्तान को भारत द्वारा दिए गए सटीक और प्रभावी जवाब का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के दिखाए मार्ग पर चलकर सभी स्तरों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को द्रमुक को सत्ता से हटाने के लिए पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का विरोध करने वाली शक्तियों को पराजित किए बिना यह संघर्ष नहीं रुकना चाहिए। सनातन परंपरा और भगवान राम का अपमान करने वालों को करारा जवाब देने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।

आतिशी वीडियो विवाद: सीएम भगवंत मान का भाजपा पर गंभीर आरोप

कहा- फर्जी वीडियो से अशांति फैलाने की कोशिश

एजेंसी

चंडीगढ़। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के कथित अपमानजनक बयान से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा की ओर से लगातार यह मांग की जा रही है कि आतिशी माफी मांगे। इसी बीच, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को इस पूरे मामले पर भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए इसे धर्म के नाम पर नफरत फैलाने की साजिश करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जानबूझकर आतिशी के बयान की वीडियो को एडिट कर उसमें झूठे और भड़काऊ सबटाइटल जोड़कर सोशल मीडिया पर फैलाया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि दिल्ली विधानसभा में आतिशी का जो वीडियो वायरल किया गया है, वह पूरी तरह से एडिटेड और फर्जी है। उन्होंने कहा कि आतिशी का कोई भी बयान विधानसभा के आधिकारिक रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं है। अगर ऐसा कोई बयान दिया गया होता, तो विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) को इसकी पूरी जानकारी होती। फॉरेंसिक जांच में यह साफ हो चुका है कि आतिशी ने 'गुरु' शब्द का इस्तेमाल ही नहीं किया। इसके बावजूद भाजपा झूठी कहानी गढ़कर पंजाब में धार्मिक

भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है। सीएम मान ने कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर नफरत की राजनीति कर रही है। वे पूरी तेजी से यह सब कर रहे हैं। पंजाब में लोगों को भड़काने और धार्मिक आधार पर समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है। ऐसे शर्मनाक और गैर-कानूनी काम किए जा रहे हैं, जिनकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी ऐसी घटिया राजनीति की कड़ी निंदा करती है और इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगी। दरअसल, यह पूरा विवाद आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी से जुड़े एक वीडियो क्लिप को लेकर खड़ा हुआ है। यह वीडियो उस समय का बताया जा रहा है, जब दिल्ली विधानसभा में प्रदूषण जैसे मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर आप विधायकों ने जोरदार हंगामा किया था। इसी दौरान, माइक बंद होने के बावजूद आतिशी सदन में कुछ कहती नजर आ रही थीं। इसी वीडियो का एक छोटा-सा हिस्सा काटकर सोशल मीडिया पर शेयर किया गया और आरोप लगाया गया कि उन्होंने सिख गुरुओं के खिलाफ अपमानजनक और ईशनिंदा वाली टिप्पणियां की हैं।

पंजाब सरकार युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने के लिए ठोस प्रयास कर रही है: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

बठिंडा, 11 जनवरी। युवाओं को करियर निर्माण के लिए तैयार करने पर और अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को बठिंडा की जिला पुस्तकालय में मिशन प्रगति के तहत नामांकित अभ्यर्थियों एवं विद्यार्थियों से संवाद किया। इस पहल के अंतर्गत नौकरी तलाशने वालों को नौकरी देने वालों में बदलने के व्यापक प्रयासों के हिस्से के रूप में एसएसबी, पुलिस और सशस्त्र बलों सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं की तैयारी हेतु ग्रामीण और मेधावी विद्यार्थियों को मुफ्त अकादमिक एवं शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। बठिंडा जिला पुस्तकालय में मिशन प्रगति के अंतर्गत विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने ठंड के बावजूद उपस्थित लोगों का स्वागत किया और इस कार्यक्रम को पंजाब के बच्चों के लिए उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा, पंजाब सरकार ने जिला पुस्तकालय में मिशन प्रगति के तहत यह कोचिंग कार्यक्रम शुरू किया है, जहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुफ्त कोचिंग दी जा रही है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के मेधावी विद्यार्थियों को सुविधा प्रदान करना है, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण और किफायती कोचिंग सुविधाओं तक पहुंच नहीं मिल पाती। इस पहल के बारे में

जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले बैच में 40 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया है। उन्होंने आगे कहा, अकादमिक कोचिंग के साथ-साथ विद्यार्थियों को शारीरिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि वे पूरी तरह स्वस्थ रहें। यह शारीरिक प्रशिक्षण पंजाब पुलिस और सी-पाइट के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा सी-पाइट मैदान में दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को एसएसबी, पंजाब पुलिस, सीपीओ, सशस्त्र बलों तथा अन्य केंद्रीय और राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाएगा। प्रतिस्पर्धी माहौल में अभ्यर्थियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आवश्यक अध्ययन सामग्री और महंगी किताबें अक्सर विद्यार्थियों की पहुंच से बाहर होती हैं। उन्होंने कहा, विद्यार्थियों को पुस्तकालय के सदस्य के रूप में चुना जाएगा और आवश्यक पुस्तकें मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी। यह कार्यक्रम मौजूदा बुनियादी ढांचे और संसाधनों का उपयोग करके शुरू किया गया है, जिससे महत्वपूर्ण वित्तीय बचत होती है। इस ढांचे का वर्णन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षक-मार्गदर्शक मॉडल का अनुसरण करता है, जिसमें फैकल्टी सदस्य स्वयं वे अभ्यर्थी होते हैं जिन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लिया है।

शेष पृष्ठ 3 पर

चिकित्सक का सम्मान भारत का सम्मान: आरएसएस) के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार

एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने कहा कि चिकित्सा का सम्मान वास्तव में भारत का सम्मान है। भारतीय परंपरा में प्राचीनकाल में वैद्य कभी धन नहीं लेते थे, लेकिन वर्तमान परिस्थितियां भिन्न हो गई हैं। आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार और सामाजिक संस्थाओं को मिलकर कार्य करने की अधिक आवश्यकता है। सह सरकार्यवाह आलोक कुमार रविवार शाम को दून मेडिकल कालेज के प्रेक्षागृह में स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती पर स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी की ओर से आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले आलोक कुमार, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, अशोक कुमार विंदलस सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर एक वृतचित्र प्रस्तुति के अलावा सोसाइटी की 13 वर्षों के यात्रा का भी प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम में सोसाइटी के सेवा यात्रा की कॉफ़ी टेबल बुक व वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन भी किया गया। आलोक कुमार ने सभी से चिकित्सा क्षेत्र में अहम योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में विवेकानंद मिशन उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक ही स्वास्थ्य का आधार है और उनका सम्मान भारत का सम्मान है। आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार और सामाजिक संस्थाओं को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि मानव जीवन में यदि करुणा और उदारता न हो, तो वह जीवन अधूरा है। उन्होंने कहा कि जीवन की पहली कामना जिजीविषा होती है।

जम्मू-कश्मीर में ड्रोन से गिराई हथियारों की खेप, बीएसएफ ने की पाकिस्तानी साजिश नाकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से आए एक ड्रोन ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले की सीमा के नजदीक गांव में हथियार और गोला बारूद की खेप गिराई। खुफिया जानकारी मिलने पर बीएसएफ और जम्मू पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप की एक जॉइंट टीम ने इस साजिश को बेनकाब कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीम ने शुक्रवार रात को राजपुरा इलाके के पालूरा गांव में सर्च ऑपरेशन चलाया। मौके से एक पैकेट बरामद हुआ, जिसमें एक चीनी एचई ग्रेनेड, 9एमएम कार्ट्रिज के 16 राउंड, एक मैगजीन के साथ एक ग्लॉक पिस्टल और दो मैगजीन के साथ एक स्टार पिस्टल बरामद की। पुलिस ने बताया कि आने वाले गणतंत्र दिवस 26 जनवरी समारोह को बाधित करने के लिए आतंकवादियों की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह रिकवरी की गई है। इससे पहले 21 नवंबर को सांबा की घगवाल तहसील में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास एक गांव के ऊपर एक पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया था, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने नशीले पदार्थों, हथियारों या दूसरे सामान की एयरड्रॉपिंग के शक में सर्च ऑपरेशन चलाया था। बता दें इस ऑपरेशन को अंजाम देने से पहले 27 अक्टूबर को बीएसएफ ने जम्मू जिले के रणबीर सिंह पुरा में सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। पाकिस्तानी ड्रोन से गिराए गए दो बैग बरामद किए गए, जिनमें पांच किलोग्राम से ज्यादा हेरोइन थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 25 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

ओडिशा की भाजपा सरकार ने किसानों के साथ धोखा किया : नवीन पटनायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर किसानों के साथ धोखा करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में धान खरीद की व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है, जिससे किसान भारी संकट में हैं और खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी करते हुए कहा, कि किसानों को अपनी उपज सरकारी मंडियों में बेचने के लिए इन ठंडी रातों को खुले आसमान के नीचे बिताने को मजबूर होना पड़ रहा है। कड़ाके की ठंड में किसान अपनी मेहनत की फसल की रखवाली कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी सुध लेने को तैयार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि धान खरीद में भारी अव्यवस्था के कारण किसान निराश और असहाय हो गए हैं। बीजद अध्यक्ष ने कहा कि हालात इतने खराब हो चुके हैं कि किसान अब राष्ट्रीय राजमार्गों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार से धान की सुचारू खरीद की मांग कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया, आखिर सरकार किसानों का धान कब खरीदेगी? पटनायक ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण किसानों का भरोसा टूट रहा है।

गांव में हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में एक हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। हेलिकॉप्टर जयपुर से भोपाल (मध्य प्रदेश) जा रहा था। प्राइवेट कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार पायलट और को-पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई। घटना रविवार सुबह करीब 11 बजे की जयपुर ग्रामीण के रायसर के पास स्थित वामनवाटी गांव की है। एवन हेलिकॉप्टर कंपनी के डायरेक्टर सोहन सिंह नाथावत ने बताया- हेलिकॉप्टर देहरादून (उत्तराखंड) से शनिवार शाम 4:30 बजे जयपुर पहुंचा था। इसके बाद हेलिकॉप्टर में फ्यूल रिफ्यूलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई। रविवार को मौसम साफ होने के बाद हेलिकॉप्टर ने सुबह 11:02 बजे जयपुर में चौमूं के मलिकपुर स्थित हेलीपैड से भोपाल के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई।

उद्धव गुट के पूर्व विधायक ने पार्टी छोड़ी

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव गुट के शिवसेना नेता और पूर्व विधायक दगडू सकपाल ने पार्टी छोडक़र एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। यह कदम उन्होंने बीएमसी चुनावों से पहले उठाया है। सकपाल ने रविवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना जॉइन की। इससे पहले गुरुवार को महाराष्ट्र के अंबरनाथ नगर परिषद के 12 निलंबित कांग्रेस पार्षद भाजपा में शामिल हुए थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर गंदी और सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा जनहित के अहम मुद्दों को सुलझाने में विफल रही है। राज्य में 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे। इनमें मुंबई, पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ शामिल हैं। मतगणना 16 जनवरी को होगी।

पीलीभीत में नेपाल के हाथियों ने मचाया आतंक, सैकड़ों बीघा फसल तबाह

पीलीभीत(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) से सटे ग्रामीण इलाकों में नेपाल के गौरी फंटा अभयारण्य से आए हाथियों के झुंड ने भारी उत्पात मचाया है। महुआ, गोयल कॉलोनी, सिरसा सरदाह समेत कई गांवों में हाथियों ने सैकड़ों बीघा खड़ी फसलों को रौंदकर नष्ट कर दिया, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, हाथियों के झुंड ने गन्ना, गेहूं, धान, सरसों और मसूर की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। खेतों में घुसकर हाथियों ने न सिर्फ फसलें बर्बाद कीं, बल्कि सिंचाई के संसाधनों को भी नुकसान पहुंचाया। महुआ गांव के किसानों ने मीडिया को बताया कि हाथियों ने उनके खेतों में लगे पंपसेट पलट दिए और करीब 50 मीटर तक घसीट ले गए। वहीं वन विभाग का कहना था, कि वन विभाग की टीमें मशाल, पटाखे और शोरगुल की मदद से हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन झुंड बार-बार आबादी की ओर लौट आता है। किसानों का कहना है कि एक जनवरी से लगातार हाथी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

देश के 8 राज्य शीतलहर की चपेट में, अलर्ट जारी कहा- अभी और बढ़ेगी ठंड, 17 तक राहत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत के बड़े हिस्से में कड़ाके की ठंड, कोहरे और शीतलहर का कहर लगातार जारी है। बर्फीली हवाओं के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, जबकि पर्वतीय राज्यों में पारा शून्य से नीचे बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी 17 जनवरी तक उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में शीतलहर और घने कोहरे की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

देश की राजधानी दिल्ली में शनिवार की सुबह इस सीजन की सबसे सर्द सुबह दर्ज की गई। गिरते तापमान और ठिठुरन को देखते हुए मौसम विभाग ने दिल्ली में अगले दो दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। शनिवार रविवार रात को न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे पूरी राजधानी ठिठुरती नजर आई। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान महज 4.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.7 डिग्री कम है। पिछले महज चार दिनों के भीतर ही न्यूनतम तापमान में लगभग चार डिग्री की गिरावट आई है।

दिल्ली के साथ-साथ राजस्थान और बिहार के कई जिलों में कोल्ड डे (शीत दिवस) जैसी स्थिति बनी रही। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखंड और ओडिशा में भी शीतलहर ने लोगों को घरों में कैद रहने पर मजबूर कर दिया है। वहीं उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में पाला पड़ने से मुश्किलें और बढ़ गई हैं। पालम जैसे इलाकों में सुबह के वक्त दृश्यता का स्तर गिरकर मात्र 50 मीटर रह गया था, हालांकि दिन में धूप निकलने के बाद अधिकतम तापमान 20.2 डिग्री तक पहुंचा, जिससे मामूली राहत महसूस की गई। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, रविवार को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, चंडीगढ़, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में शीत दिवस की स्थिति रहने के आसार हैं। विशेषकर पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 12 से 17 जनवरी के बीच कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी दी गई है। अब तक दिल्ली में बादलों और कोहरे की चादर के कारण धूप नहीं निकल रही थी, जिससे दिन का तापमान कम था। लेकिन अब बादलों के हटने और आसमान साफ होने के साथ ही न्यूनतम तापमान में तेज गिरावट दर्ज की जा रही है, जो शीतलहर के खतरे को बढ़ा रहा है। अगले एक हफ्ते तक उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में ठंड से राहत मिलने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है।

सरकार के आदेश के बाद एक्स ने 600 अकाउंट और 3500 पोस्ट किए डिलीट

प्लेटफॉर्म ने दिया आश्वासन अश्लील सामग्री पोस्ट करने की नहीं देगा इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के आदेश के बाद सोशल मीडिया एक्स ने कई यूजर्स पर एक्शन लिया है। एक्स ने 600 अकाउंट को डिलीट कर दिया है। साथ ही एक्स ने अपने प्लेटफॉर्म से 3500 से ज्यादा पोस्ट भी हटाए हैं। केंद्र सरकार ने एक्स पर मौजूद अश्लील सामग्री पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद एक्स ने यह कदम उठाया। एक्स ने सरकार को आश्वासन दिया कि वह इस प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री पोस्ट करने की इजाजत नहीं देगा और नियमों का पालन करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स के खिलाफ चेतावनी जारी की थी, जिसके एक हफ्ते बाद की ये कार्रवाई सामने आई है। केंद्रीय मंत्रालय ने ग्रोक पर एआई के दुरुपयोग और महिलाओं को अशोभनीय रूप से बदनाम करने के लिए अपमानजनक या अश्लील तरीके से उनकी तस्वीरें या वीडियो बनाने और साझा का आरोप लगाया है। मंत्रालय ने एक्स को चेतावनी दी थी कि 72 घंटे में पालन न करने पर कंपनी को कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। बता दें एलन मस्क के प्लेटफार्म एक्स के एआई चैटबाट ग्रोक की ओर से महिलाओं और बच्चों की अश्लील तस्वीरें बनाने का आरोप है। इसे लेकर दुनिया भर की सरकारों ने चिंता जताई और ग्रोक की आलोचना की। इस सूची में भारत के अलावा फ्रांस, ब्राजील, मलेशिया और यूरोपियन यूनियन का नाम शामिल है। गैर-लाभकारी समूह एआई फोरेंसिक ने कहा कि उसने 25 दिसंबर से एक जनवरी के बीच ग्रोक द्वारा बनाई गई 20,000 तस्वीरों का विश्लेषण किया और पाया कि दो फीसदी में बिकनी या पारदर्शी कपड़ों में 18 या उससे कम उम्र के व्यक्ति को दर्शाया गया है।

झारखंड सीएम सोरेन करेंगे यूरोप दौरा, ऑक्सफोर्ड और दावोस में करेंगे शैक्षणिक और आर्थिक चर्चा

रांची (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस महीने के अंत में अपने पहले आधिकारिक विदेश दौरे पर यूरोप जाएंगे। उनके कार्यक्रम में ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि यह दौरा झारखंड सरकार के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ किया जा रहा है।

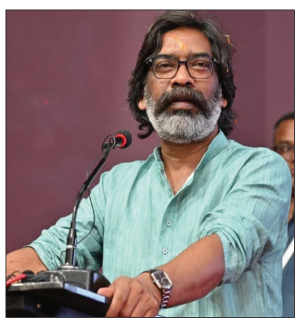

ऑक्सफोर्ड में सोरेन सेंट जॉन्स कॉलेज और ऑल सोल्स कॉलेज सहित कई शैक्षणिक संस्थानों के साथ संवाद करेंगे। इसके अलावा, वे ब्लावटनिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में सार्वजनिक नीति और शासन पर चर्चा करेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इस दौरे से झारखंड में विकास कार्यक्रमों के लिए नया ब्लूप्रिंट तैयार करने में मदद मिल सकती है।

स्विट्जरलैंड में सोरेन दावोस में डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में भाग लेंगे, जहां वैश्विक आर्थिक और नीति निर्धारण से जुड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा।

इस दौरान झारखंड की सत्तारूढ़ कांग्रेस ने मनरेगा विरोध अभियान शुरू किया। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि 'मनरेगा बचाओ' अभियान के तहत उपवास, जन जागरूकता, नुक्कड़ नाटक और धरना जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कांग्रेस सरकार के नए विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम के विरोध में यह अभियान शुरू किया गया है। इस दौरे से झारखंड सरकार के वैश्विक मंच पर छवि निर्माण और विकास परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयास को बल मिलने की उम्मीद है।

इसरो ईओएस-एन1 'अन्वेषा' जासूसी सैटेलाइट करेगा लॉन्च, डीआरडीओ ने किया तैयार

यह भारत को रक्षा, आपदा प्रबंधन, खेती और पर्यावरण निगरानी में बड़ी मजबूती देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाइपरस्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग एक उन्नत तकनीक है जो सैकड़ों प्रकाश बैंड्स के जरिए धरती की सतह की बेहद सटीक पहचान करती है। इसरो का ईओएस-एन1 'अन्वेषा' सैटेलाइट, जिसे डीआरडीओ ने तैयार किया है, भारत को रक्षा, आपदा प्रबंधन, खेती और पर्यावरण निगरानी में बड़ी मजबूती देगा। यह तकनीक रणनीतिक योजना के साथ-साथ आम जनजीवन से जुड़े क्षेत्रों में भी अहम भूमिका निभाएगी। इसरो पीएसएलवी-सी62 मिशन के जरिए ईओएस-एन1 'अन्वेषा' सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है।

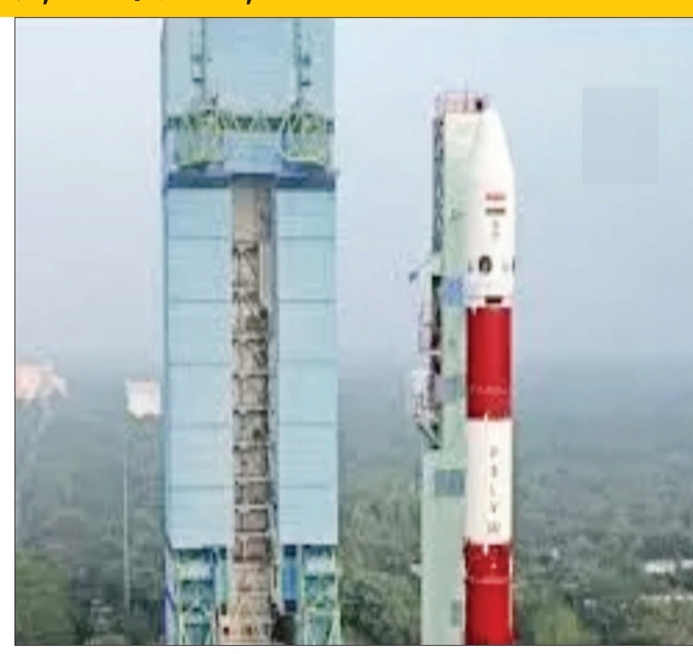

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पारंपरिक सैटेलाइट सीमित रंगों के आधार पर धरती की तस्वीरें लेते हैं, जबकि हाइपरस्पेक्ट्रल तकनीक सैकड़ों बेहद संकरे प्रकाश बैंड्स को रिकॉर्ड करती है। ये बैंड्स दृश्य प्रकाश से लेकर इंफ्रारेड तक फैले होते हैं, जिससे हर वस्तु की एक विशिष्ट 'लाइट फिंगरप्रिंट' तैयार होती है। धरती पर मौजूद हर वस्तु, मिट्टी, पानी, वनस्पति या मानव निर्मित ढांचे, रोशनी के साथ अलग-अलग व्यवहार करती है। इन विशेष पैटर्न्स को वैज्ञानिक स्पेक्ट्रल लाइब्रेरी से मिलाते हैं, जिसे जमीन पर स्पेक्ट्रोरैडियोमीटर जैसे उपकरणों से तैयार किया जाता है। इसके बाद इस डेटा को जीआईएस और 3डी मैपिंग सिस्टम के साथ जोड़कर विस्तृत विश्लेषण किया जाता है।

हाइपरस्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग रक्षा क्षेत्र में रणनीतिक योजना बनाने में अहम भूमिका निभाती है। यह जमीन के प्रकार की पहचान कर सैन्य वाहनों और सैनिकों के लिए सुरक्षित मार्ग तय करने में मदद करती है। यह नकली कैमोफ्लाज, छिपे हथियारों और संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने में भी सक्षम है। इस तकनीक का इस्तेमाल सिर्फ सैन्य उद्देश्यों तक सीमित नहीं है। खेती में फसलों की सेहत पर नजर रखने, आपदाओं के दौरान प्रभावित इलाकों की त्वरित पहचान, राहत और बचाव कार्यों और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में भी हाइपरस्पेक्ट्रल डेटा बेहद उपयोगी साबित हो रहा है।

12 जनवरी को प्रस्तावित अन्वेषा सैटेलाइट का प्रक्षेपण भारत की रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। इसके साथ ही यह आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और त्वरित निर्णय प्रणाली को नई गति देगा। इस मिशन से अंतरिक्ष तकनीक अब केवल रक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि देश और समाज के व्यापक हित में काम कर रही है। यह लॉन्च भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक बड़ा कदम है।

जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले का विपक्षी दलों ने किया स्वागत

स्टालिन ने एक उच्चस्तरीय सलाहकार परिषद के गठन का किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की तरफ से आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले का विपक्ष ने एक सुर में स्वागत किया है। मोदी सरकार की तारीफ करने वालों में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन से लेकर कांग्रेस के सांसद तक शामिल हैं। विपक्ष का कहना है कि केंद्र सरकार का यह फैसला जनगणना में जातिगत गणना, डेटा-आधारित सामाजिक न्याय की दिशा में अहम कदम साबित होगा। विपक्ष का कहना है कि यह फैसला पिछले कई सालों से चल रही राजनीतिक बहस का नतीजा माना है।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने आगामी राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ जाति आधारित जनगणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने इस संबंध में पीएम मोदी को पत्र भी लिखा है। इसके साथ ही स्टालिन ने मुख्यमंत्रियों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों को मिलाकर एक उच्चस्तरीय सलाहकार परिषद के गठन का आग्रह किया है। स?टालिन ने कहा कि केंद्र के इस फैसले से साक्ष्य आधारित सामाजिक न्याय और नीति निर्माण के प्रति तमिलनाडु की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।

उन्होंने चेतावनी दी कि कई राज्यों में व्याप्त गहरी सामाजिक गतिशीलता और जाति संरचनाओं को देखते हुए जाति जनगणना एक अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया है। उन्होंने आगाह किया कि यदि इसे सावधानीपूर्वक नहीं संभाला तो यह प्रक्रिया अनपेक्षित सामाजिक तनावों को जन्म दे सकती है। कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले का स्वागत है। यह डेटा-आधारित सामाजिक न्याय की दिशा में एक अहम कदम है, जिसकी मांग विपक्ष के नेता राहुल गांधी लंबे समय से कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य की नीतियों पर इसके प्रभावों को देखते हुए केंद्र को गलतियों और कमियों से बचने के लिए फ्रेमवर्क को अंतिम रूप देने से पहले सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सलाह लेनी चाहिए।

यूएपीए कानून के तहत खालिद और शरजील को नहीं मिल सकी जमानत

-ओवैसी ने कांग्रेस को ठहराया जिम्मेदार, बोले- इस कानून का उन्होंने विरोध किया था

अमरावती (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत न मिलने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि जिस कड़े यूएपीए के तहत उन पर मामला दर्ज किया गया है, उसे कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में लागू किया गया था। यह बात ओवैसी ने 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों से पहले महाराष्ट्र के अमरावती में एक जनसभा में कही।

उन्होंने कहा कि चुनाव में धर्मनिरपेक्षता की बात करने वाले लोग वास्तव में मुसलमानों, दलितों और आदिवासियों के दुश्मन हैं, क्योंकि वे वोट हासिल करने के लिए राजनीतिक धर्मनिरपेक्षता का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि खालिद और शरजील दोनों को गैरकानूनी गतिविधियां की धारा के आधार पर 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया था।

ओवैसी ने कहा कि तत्कालीन गृह मंत्री पी चिदंबरम ने यूएपीए पेश किया था और संसद में इसका विरोध करने वाले वे यानी खुद ओवैसी एकमात्र व्यक्ति थे। मैंने ही सबसे पहले कहा था कि इस कानून का इस्तेमाल पुलिस मुसलमानों, आदिवासियों, दलितों और उन बुद्धिजीवियों के खिलाफ करेगी जो सरकार की नीतियों को समझते और उनका विरोध करते हैं। आज जो हुआ वह आप देख ही सकते हैं, इन दोनों बच्चों को उस कानून में आतंकवाद की परिभाषा के कारण जमानत नहीं मिल पाई।

ओवैसी ने कहा कि खालिद और शरजील पांच साल से जेल में बंद हैं, वहीं एल्गार परिषद मामले में आरोपी 85 साल के स्टेन स्वामी की इसी कानून के कारण जेल में मौत हो गई। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 में जब यूएपीए में संशोधन किया गया था, तब कांग्रेस ने बीजेपी सरकार का समर्थन किया था, जो अब निर्दोष लोगों की जिंदगियां तबाह कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी, लेकिन भागीदारी के क्रम का हवाला देते हुए पांच अन्य लोगों को जमानत दे दी थी।

वहीं, नागपुर में ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों की कोई पॉलिटिकल एजेंसी नहीं है। अगर आप सिर्फ वोटर बनकर रहेंगे, तो घर पर बुलडोज़र चलेगा... बीजेपी हो, अजीत पवार या एकनाथ शिंदे ये सभी पार्टियां आपको डराकर आपका वोट हासिल करना चाहती हैं। मजलिस आपको कह रही है कि अपनी पॉलिटिकल एजेंसी बनाइए।

प्रदूषण समस्या पर बोली कांग्रेस- नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम कागजी बनकर रह गया

-जयराम ने सीआइईए की अध्ययन रिपोर्ट का दिया हवाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या को लेकर कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा, कि सरकार की नीतियाँ और योजनाएँ पूरी तरह से विफल हो चुकी हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) को लेकर अपने एक बयान में कहा, कि यह अब नोशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (कागजी प्रोग्राम) बनकर रह गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम ने रविवार को जारी बयान में कहा, कि सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) द्वारा हाल ही में किए गए अध्ययन ने इस बात की पुष्टि हुई है, कि वायु गुणवत्ता अब पूरे देश के लिए एक संरचनात्मक संकट बन चुकी है। उन्होंने कहा, यह लंबे समय से भारत के लिए सबसे खुला रहस्य है, कि देश के अधिकांश हिस्सों में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुका है, और सरकार की ओर से इस पर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं।

क्या कहती है सीआरईए की रिपोर्ट

सीआरईए द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, भारत के लगभग 44 प्रतिशत शहरों में वायु प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर हो गई है। इन शहरों में पांच वर्षों से अधिक समय तक हवा में पीएम 2.5 का स्तर राष्ट्रीय मानकों से ऊपर बना हुआ है। इस अध्ययन में कुल 4,041 नगरों में से 1,787 शहरों को प्रदूषण की गंभीर चपेट में पाया गया है।

गहन समीक्षा और सुधार की आवश्यकता

कांग्रेस महासचिव जयराम ने कहा, कि एनसीएपी का नाम भले ही नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम रखा गया हो, लेकिन यह एक कागजी योजना बनकर रह गई है। अब इसकी गहन समीक्षा और सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार से यह भी कहा कि प्रदूषण को रोकने के लिए आवश्यक कदमों की सख्त आवश्यकता है।

प्रदूषण रोकने की मांग

कांग्रेस पार्टी ने वायु प्रदूषण को लेकर सरकार से कई महत्वपूर्ण सुधार की मांग की है। जयराम रमेश ने कहा कि एनसीएपी के लिए आवंटित फंड में भारी वृद्धि की आवश्यकता है। उन्होंने प्रस्तावित किया कि एनसीएपी का बजट 25,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जाए और इसे देश के सबसे प्रदूषित 1,000 शहरों और कस्बों में लागू किया जाए। इसके अलावा, जयराम रमेश ने एनसीएपी को कानूनी आधार देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि यह योजना अपनी प्राथमिकताएँ मुख्य प्रदूषण स्त्रोतों पर केंद्रित करे, विशेष रूप से कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के प्रदूषण मानकों को कड़ा किया जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सभी बिजली संयंत्रों में फ्लू गैस डी-सलफराइजर (एफजीडी) 2026 तक अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाएं।

कांग्रेस सांसद जयराम ने यह भी कहा, कि सरकार ने संसद में दो बार प्रदूषण के स्वास्थ्य पर प्रभाव को कमतर दिखाने की कोशिश की है और सरकार के इन प्रयासों को लेकर कांग्रेस ने इसे अक्षमता और लापरवाही का परिणाम करार दिया है।

गैंगस्टर पत्नी के हत्यारोपी ने मुजफ्फरनगर कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

गाजियाबाद। पत्नी की हत्या के आरोपी गैंगस्टर विकास अहलावत को नंदग्राम पुलिस पकड़ने में असफल साबित हुई। पुलिस की लापरवाही के चलते वर्ष 2011 में हुए एक सड़क हादसे के मामले में विकास अहलावत ने बृहस्पतिवार को मुजफ्फरनगर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। उसकी पत्नी पर भी गैंगस्टर एक्ट लगाया गया था। जिले की टीम उसके पैतृक गांव और ठिकानों का पता भी नहीं लगा सकी। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि राजनगर एक्सटेंशन की अजनारा ईटीग्रिटी सोसायटी में पत्नी रूबी की हत्या करने वाले गैंगस्टर विकास अहलावत ने बृहस्पतिवार को मुजफ्फरनगर कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। गैंगस्टर एक वर्ष पूर्व ही हत्या के मामले में जेल से छूटा था। घरेलू कलह के चलते पत्नी रूबी की मंगलवार की सुबह साढ़े सात बजे गोली मारकर हत्या कर दी थी। सीसीटीवी फुटेज में हत्यारोपी सोसायटी से निकलता दिखा। इसके बाद वह संपर्क मार्गों से होता हुआ मोदीनगर पहुंचा। लोकेशन ट्रेस की गई तो मोदीनगर में एक रात रुकने के बाद उसकी लोकेशन मुजफ्फरनगर में मिली थी। इसके बाद उसने मोबाइल फेंक दिया था। बृहस्पतिवार को सूचना मिली कि उसने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। गैंगस्टर का सही पता भी मालूम नहीं कर पाई पुलिस ÷ गैंगस्टर विकास अहलावत के खिलाफ हत्या, साजिश रचने और जानलेवा हमले सहित अन्य गंभीर धाराओं में तीन मुकदमे दर्ज हैं। सभी मामलों में विकास अहलावत को मोदीनगर के तिबड़ा गांव निवासी दर्शाया गया है, जबकि तिबड़ा में उसकी ससुराल है और मृतक रूबी उसी गांव की रहने वाली है। गैंगस्टर के एक करीबी ने बताया कि विकास अहलावत मूल रूप से गांव मछरी थाना दौराला जनपद मेरठ का रहने वाला है। विकास की मां की मौत के बाद पिता ने उसकी मौसी से शादी कर ली। उससे तीन संतान हैं, परिवार जनपद मुजफ्फरनगर की जाट कॉलोनी में रहता है। अलमासपुर में हुआ था सड़क हादसा जनपद मुजफ्फरनगर के थाना मंडी क्षेत्र के गांव अलमासपुर में एक सड़क हादसा हुआ था। इसमें विकास को आरोपी बनाया गया। इस मामले में उसके वारंट हो चुके थे। पत्नी रूबी की हत्या करने के बाद गैंगस्टर विकास अहलावत ने वर्ष 2011 में हुए सड़क हादसे के मामले में मुजफ्फरनगर कोर्ट में आत्मसमर्पण किया है। इसमें गैंगस्टर के रिश्तेदार ने उसकी मदद की।

सड़कों के किनारे लगेंगे क्यूआर कोड वाले साइनबोर्ड, पीडब्ल्यूडी ने नए दिशा निर्देश जारी किए

नई दिल्ली। राजधानी की सड़कों पर लगने वाले साइन बोर्ड की स्थिति अब बदलने वाली है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसके लिए नए दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। जिसमें सभी नए रोड साइन बोर्डों में क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इससे बोर्डों की गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित होगी। हर रिफ्लेक्टिव साइन बोर्ड के नीचे दाएं कोने में क्यूआर कोड लगा होगा। इसे स्कैन करने पर निर्माता कंपनी का नाम, निर्माण की तारीख, इस्तेमाल की गई रिफ्लेक्टिव शीटिंग का कोड और वारंटी समेत कई जानकारियां मिल जाएंगी। अगर कोई खराबी आई तो कंपनी मुफ्त में बोर्ड बदलेगी। अब सभी नए टेंडरों में इन मानकों को शामिल करना अनिवार्य होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव है कि रिफ्लेक्टिव शीटिंग की वारंटी अब 10 साल की होगी। इसका मतलब है कि साइन बोर्ड लगने के 10 साल तक अगर चमक कम होती है या कोई खराबी आती है, तो ठेकेदार या निर्माता को मुफ्त में बदलना पड़ेगा। विभाग ने गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया है। रिफ्लेक्टिव शीट अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप होगी। डिजिटल प्रिंटिंग के बाद भी रंगों की चमक कम से कम 70 फीसदी बनी रहनी चाहिए। सबसे खास बात यह है कि 10 साल की वारंटी अवधि में हर तिमाही रिफ्लेक्टोमीटर से चमक की जांच होगी। अगर चमक कम हुई तो ठेकेदार को तुरंत बदलाव करना पड़ेगा। इसके लिए ठेकेदारों पर सख्ती भी बढ़ाई गई है। गौरतलब है कि साल 2024 में सड़क परिवहन मंत्रालय के ऑडिट में पता चला था कि राजधानी में अलग-अलग एजेंसियों की वजह से साइन बोर्डों का आकार, रंग और डिजाइन एकसमान नहीं था। इससे ड्राइवरों को परेशानी होती थी और सुरक्षा जोखिम बढ़ता था। अब पीडब्ल्यूडी ने सभी टेंडरों में क्यूआर कोड की शर्त शामिल करना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि अब इन क्यूआर कोड को पीडब्ल्यूडी सेवा मोबाइल ऐप से जोड़ने की तैयारी की जा रही है। पहले चरण में सिर्फ जानकारी मिलेगी। आने वाले दिनों में लोग इन कोड को स्कैन करके सड़क, गड्ढे, स्ट्रीट लाइट या साइन बोर्ड से जुड़ी शिकायतें सीधे दर्ज कर सकेंगे। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा और त्वरित सहायता को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हर 500 मीटर पर हेल्पलाइन साइनबोर्ड लगाए जा रहे हैं। सभी प्रमुख सड़क जोन में स्ट्रीट हेल्पलाइन साइनबोर्ड अनिवार्य किए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को तुरंत सहायता मिल सके।

पंजाब सरकार युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने के लिए ठोस प्रयास कर रही है: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा, यह पहल 'युवाओं की मदद करने वाले' मॉडल के रूप में उभरी है और इसे शिक्षाविदों, विश्वविद्यालयों, पुलिस, खिलाड़ियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों और समाज के हर वर्ग का समर्थन प्राप्त है। इस सामूहिक भागीदारी ने कार्यक्रम को एक समुदाय-संचालित और सहयोगात्मक मॉडल में परिवर्तित कर दिया है। मिशन प्रगति के मार्गदर्शक दर्शन को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कोई भी पीछे न रहे के सिद्धांत पर आधारित है और युवा सशक्तिकरण, समान शैक्षिक अवसरों तथा सरकारी सेवाओं में बठिंडा के विद्यार्थियों की प्रतिनिधित्व बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उपस्थित लोगों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा और पंजाब के सर्वांगीण विकास तथा लोगों की खुशहाली के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। राज्य सरकार के व्यापक दृष्टिकोण पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को नौकरी खोजने वालों के बजाय नौकरी देने वालों में बदलकर उनकी किस्मत बदलने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, पंजाब शिक्षा क्रांति के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है और यह क्रांति विद्यार्थियों को भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार कर तथा उन्हें जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाकर परिणाम दे रही है। युवाओं को नौकरियां प्रदान करने के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं, वहीं उनकी असीम ऊर्जा को सही दिशा देने के लिए समानांतर प्रयास भी किए जा रहे हैं। उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जिस प्रकार एक रनवे विमान को सुचारु रूप से उड़ान भरने में सक्षम बनाता है, उसी प्रकार राज्य सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है। अतीत को याद करते हुए उन्होंने कहा कि यह निराशाजनक है कि एक समय गलत नीतियों के कारण गरीब बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित रखा गया, लेकिन अब यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ प्रयास किए जा रहे हैं कि पंजाब के बच्चे अपने सपनों को हकीकत में बदल सकें और जीवन में नई ऊंचाइयों को छू सकें।

शराब के लिए पैसे मांगने पर मुंहबोले चाचा को भतीजे ने सिर पर ईंट मारकर मौत के घाट उतारा

कानपुर। कल्याणपुर में शराब के लिए पैसे मांगने पर मुंहबोले चाचा को भतीजे ने सिर पर ईंट मारकर मौत के घाट उतार दिया। नशे में धुत चाचा ने भतीजे से दो तीन बार पैसे की मांग की जब भतीजे ने पैसे देने से मना किया तो उसने भतीजे पर ईंट से हमला कर दिया। इसी दौरान भतीजे ने भी उस पर ईंट से कई वार कर दिए। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक एसीपी कल्याणपुर ऑफिस में सफाई का काम करता था। कुछ दिन पहले काम छोड़ दिया था। शनिवार को पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया गया। कल्याणपुर के नानकारी में बीते मंगलवार शाम को सोनू बाल्मिक (30) की बारासिरोही में एक खाली प्लॉट में खून से लथपथ हालत में पड़ा था। सोनू एसीपी कल्याणपुर ऑफिस में सफाई का काम करता था। हमलावर उसे मरा समझकर मौके पर छोड़कर फरार हो गया था। बुधवार सुबह क्रिकेट खेल रहे बच्चों ने घायल सोनू को पड़ा देखा, जिसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। परिजन सोनू को हैलट ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मृतक के पिता रामवीर ने बेटे की हत्या की आशंका जताते हुए तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि वारदात को सोनू के मुंहबोले भतीजे अतुल वाल्मीकि ने अंजाम दिया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह सोनू को लंबे समय से जानता था। उसे चाचा कहता था। मंगलवार शाम दोनों की मुलाकात शराब की दुकान पर हुई थी। सोनू ने शराब पीने के लिए पैसे मांगे, जिसे देने से उसने इनकार कर दिया। इस पर सोनू गाली-गलौज करते हुए पास के खाली प्लॉट में जाकर बैठ गया। जब वह वहां पहुंचा तो सोनू ने फिर गालियां दीं। इसके बाद ईंट से हमला कर दिया। उसके बाद आक्रोश में अतुल ने भी पास में पड़ी ईंट से सोनू के सिर पर कई वार कर दिए। खून बहता देख वह घबरा गया और मौके से फरार हो गया था। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच में शराब को लेकर अतुल वाल्मीकि से विवाद की बात सामने आई थी।जिसके बाद अतुल वाल्मीकि को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है और उसे जेल भेज दिया गया।

हनी ट्रैप की साजिश रचने वालों पर मुकदमा

मसूरी। थानाक्षेत्र के एक गांव में रहने वाली महिला ने अपने बेटे के खिलाफ फर्जी तरीके से दुष्कर्म का केस दर्ज कराने का आरोप लगाते हुए तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उनके बेटे के खिलाफ साजिश करने वाले आरोपी हनी ट्रैप गिरोह चलाते हैं। एसीपी मसूरी लिपी नगायच ने बताया कि 65 वर्षीय महिला ने अपने ही गांव के नजीर, करीम व नौशाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि उनका बेटा बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा है। आरोप है कि आरोपी हनी ट्रैप में लोगों को फंसाने का कार्य करते हैं। आरोपियों ने उनके बेटे को भी इसी तरह फंसाकर दुष्कर्म का झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। जबकि जिस मकान में दुष्कर्म किए जाने की बात बताई गई है, उस मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। वहां निर्माण कार्य करने वाले लोगों ने इस प्रकार की किसी भी घटना के होने से इन्कार किया है। इतना ही नहीं जिस समय की घटना बताई गई है, उस दौरान उनका बेटा एक सीसीटीवी फुटेज में महज तीन मिनट के लिए दिखाई दिया है और उनके पीछे आरोपी एक लड़की के साथ जाते दिखाई दे रहे हैं। एसीपी ने बताया कि साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी। वह 1 सितंबर से डीडीए फ्लैट में अकेले किराये पर रह रही थी।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

ट्रांसपोर्टर की नाक पर हाथ लगने से विवाद, ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर अभद्रता का आरोप

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के तिलपता गांव में एक ट्रांसपोर्टर ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर अभद्रता का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत पुलिस से की है। मामला सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद डीसीपी ट्रैफिक प्रवीण रंजन सिंह की ओर से संज्ञान लिया गया है। मामले की जांच एसीपी ट्रैफिक को सौंपी गई है। इस पूरे मामले में ट्रैफिक पुलिस की ओर से जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक भागवत नामक एक ट्रांसपोर्टर अपने (पिकअप) से तिलपता की ओर जा रहा था। नागर डेयरी के समीप यातायात अधिक होने पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी की ओर से एक तरफ के यातायात को रोका गया था। इसी दौरान पीछे से ट्रांसपोर्टर अपने वाहन के साथ आगे आ गया। ट्रैफिक पुलिसकर्मी का यातायात को रोकने के दौरान किया गया हाथ ट्रांसपोर्टर को लग गया। अचानक से हाथ लगने से ट्रांसपोर्टर की नाक से खून निकलने लगा। आरोप है कि ट्रैफिक पुलिसकर्मी की ओर से गलती मानने के बजाए ट्रांसपोर्टर से अभद्रता की गई है। इस बात से नाराज ट्रांसपोर्टर अपने साथियों के साथ चौकी पहुंच गया। ट्रांसपोर्टर के अपने साथियों के साथ सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के अधीन तिलपता चौकी पहुंचने का वीडियो सोशल मीडिया सामने आया है। वहीं ट्रैफिक इंस्पेक्टर अरविंद कुमार का कहना है कि यातायात संचालन के दौरान गलती से यातायात सिपाही का हाथ ट्रांसपोर्टर को लग गया था। पिटाई के आरोप निराधार है।

साइबर ठग ने खाते में पैसे डालने के नाम पर 25 हजार रुपये ठग

साहिबाबाद। साइबर ठग ने बृजविहार निवासी भूपेश शर्मा से एक ऑनलाइन एप पर सामान खरीदने के बहाने उनके खाते में पैसे ट्रांसफर किए। फिर झांसे में लेकर 25 हजार रुपये ठग लिए। ठगी होने पर व्यक्ति ने लिंक रोड थाना पुलिस से मामले की शिकायत की है। भूपेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह कुछ घरेलू सामान बेचना चाहते थे। उन्होंने एक ऑनलाइन एप पर उसका विज्ञापन डाला। इसके बाद उनको एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने उनका सामान खरीदने के लिए कहा। कॉलर ने भूपेश शर्मा के खाते में पहले पांच रुपये भेजे। बाकी पैसे उनके खाते में ट्रांसफर नहीं होने की बात कही। भूपेश ने अपनी बेटी का नंबर भेजा और उसमें पैसे डालने के लिए कहा। कॉलर ने बेटी को डराया और कहा कि उसके खाते में बहुत पैसे हैं, वह सब निकाल लेगा। कॉलर ने झांसे में लिया और बेटी को धमकाना शुरू किया। बेटी के खाते के पैसे बचाने के लिए पीड़ित ने आरोपी को 25 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी का नंबर बंद हो गया। एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

NAME CHANGE

I, hitherto known as SABNAM KHATOON Alias GUDDI KHATOON D/O ISHAKH BAITHA W/O MANJOOR ALAM Permanent Resident At Vill Kachor, P.O. Fulkaha, Via Bhutahi, P.S. Kanhauli, Sitamarhi-843317 Presently Residing At C-47/9, S/F, C-Block, Anand Vihar, Old Uttam Nagar, PO: D.K Mohan Garden, Dist: West Delhi, Delhi-110059 have changed my name and shall hereafter be known as GUDDI KHATOON.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, RAKESH SINGH S/o Nandan Singh R/o RC-370, Sangam Park Khora Colony, Khora Po. Khora Goan Dist. Ghaziabad Uttar Pradesh-201309 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as BHAWNA in my minor daughter namely BHAWNA KHATRI aged 11 years in her school record The actual name of my minor daughter is BHAWNA KHATRI which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I RUCHI WALI D/O VINOD KUMAR WADHAWAN EX WIFE OF SHRI AMIT WALI R/O 6/99, FIRST FLOOR, GEETA COLONY, GANDHI NAGAR, EAST DELHI, DELHI-110031 declare that I got divorced from my husband vide court decree No. MAT APPEAL (F.C.) NO. 261 OF 2023 dated 13/08/2024. Further I have changed my name and shall hereafter be known as RUCHI WADHAWAN.

NAME CHANGE

I, GYANESHWAR SHARMA S/O RAGHUBIR SINGH SHARMA R/o 8/144 MEHRAM NAGAR DELHI CANTT SOUTH WEST DELHI, DELHI-110010 have changed my minor daughter's name from ANAYA SHARMA to AANYA SHARMA for all future purposes. Vide affidavit Dated 08/01/2026 before SUB DIVISIONAL MAGISTRATE New Delhi.

NAME CHANGE

I, SUMAN DEVI YADAV is legally Wife of No. 15672717F Rank- CHM Name-BABBAN PRASAD Presently resident of VILL-RAKHOUNA, PO-PANCH GAWAN, TEH- BIKAPUR DIST-FAIZABAD, UTTAR PRADESH-224205 have changed my name from SUMAN DEVI YADAV to SUMAN DEVI for all future purposes, Vide affidavit dated 10/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I hithertoknownas Anis Ahmad S/O Nafis Ahmad, R/O Gandhi park, 8A/9 Hauz Rani, Malviya Nagar S.O, South Delhi, Delhi, 110017, have change my name and shall hereafter be known as ANEES AHMED.

NAME CHANGE

It is for general information that I SHABNOOR D/O KALLU KHAN R/O 1131, B-Block, Jahangirpuri, Bhalaswa, N.S. Mandi, North West Delhi, Delhi-110033 declare that name of my father and mother has been wrongly written as KALLU and RUKSANA BEGUM in my 10th class education document. The actual name of my father and my mother are KALLU KHAN and RUKHSANA BEGAM respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I SANJAY KUMAR MAURIYA S/O RAM SAMUJH MAURYA R/O H NO-J-2-B, 4/60, G/F, GALI NO-4, SANGAM VIHAR, DEVLI, SOUTH DELHI, DELHI-110080 have changed my name to SANJAY MAURYA for all future purpose.

NAME CHANGE

I RAM SAMUJH MAURIYA S/O KEDAR NATH MAURYA R/O PURE HANNU BEWAL SUJWARIYA, NASIRA BAD SALON, BEWAL, SUJWARIYA, RAE BARELI, UTTAR PRADESH-229307 have changed my name to RAM SAMUJH MAURYA for all future purpose.

NAME CHANGE

It is for general information that I MUKESH KUMAR S/O SHIVCHARAN Permanent Residents of Khasra No. 181, Near BU Pusta Noida, Sector-34, Dadri Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, Presents Residence of 44, Near Majid Wali Gali, Charan Singh Colony Pratap Vihar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, declare that name of mine and my father has been wrongly written as KAPIL KUMAR and MAHIPAL SINGH in my Aadhaar Card No. 411015087356. The actual name of mine and father are MUKESH KUMAR and SHIVCHARAN Respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Aayshka Tinkari D/o Om Prakash Tinkari R/o Hyankis Ashiyana, Gas Godam Road, Chharayal Nayak, PO-Haripur Nayak, Haldwani, Nainital, Uttarakhand - 263139, have changed my name to Yasha Ersang.

NAME CHANGE

I Siddheshwar Rajaram Sahani S/o Rajaram Shastri R/o C-51, Hal Colony, Near PNB Bank, Indira Nagar Lucknow, Uttar Pradesh - 226016, have changed my name to Siddheshwar Sahani.

NAME CHANGE

I, Ramniwas S/o Mansha Ram R/o Bhadwa, Nagaur, Rajasthan - 341501, have changed my minor son's name from Pranjal Bidasar Aged 03 Years to Parikshit Bidasar forever

NAME CHANGE

I, Neeraj solanki w/o Anshul R/o house no.36, Mohyal colony sector 40, Gurugram, Haryana -122001, have changed my name to Neeraj Maan for all future purposes.

NAME CHANGE

I Sunil S/o Bhola Ram R/o Village - Ghasola, P O - Badshahpur, District - Gurgaon have changed my name to Sunil Ahirwar for all future purposes.

COURT NOTICE

IN THE COURTOF
MS. ANJANI MAHAJAN PO MACT (SOUTH DISTRICT), SAKET COURTS, NEW DELHI
PUBLICATION

ORDER 5 RULE 20
In Re: Rakesh Singh Mathur vs. Bajaj Allianz General Ins
MACT No.: 131/2024
To,
R-2 Ranjeet kumar R/o Vill. Babroti, Post Nigoh, Hassanpura, Eta, UP-207001
R-3 Arjun Sharma R/o 19/15, Gangapur Yashoda Nagar, kidvai Nagar, Kanpur, UP-208011.
Whereas PETITIONER has filed an application under section 166 and 140 of the Motor Vehicle Act for grant of compensation. You are hereby summoned to appear in person or by the pleader on 26/02/2026 failing which the application will be disposed of Ex. Parte.
Given under my hand and seal of the court on 10/12/2026

ANJANI MAHAJAN PO, MACT (SOUTH DISTRICT SAKET COURT, NEW DELHI

DATE OF BIRTH CHANGE

I, JC-813134Y Rank-NB SUB Name- SUNIL KUMAR CS residing at A199, HMT COLONY, 02, JALAHALLI, BANGALORE, NORTH, KARNATAKA-560013, in my service records my wife's (P PRIYA) date of birth wrongly mentioned as 04/06/2013 instead of her correct date of birth as 04/06/1993 vide Affidavit dated 09/01/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, MAHALAKSHMI Wife of JC-333438P Rank-SUB Name-S ARUN KUMAR Presently residing at VILL-PONMENI JAINAGAR, PO-PONMENI, TEHSIL-MADURAI, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625016 have changed my name from MAHALAKSHMI to V MAHALAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 10/01/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, CHOHADI DEVI Mother of JC-774187Y Rank-SUB Name-RISHIKESH YADAV Presently residing at VILL-PATJIVA, PO-BELA KASHAILA, TEH-MADHUBAN, DIST-MAU, UTTAR PRADESH-276306, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1964 instead of my correct date of birth as 01/01/1955 vide affidavit dated 10/01/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, KAMTA YADAV Father of JC-774187Y Rank-SUB Name-RISHIKESH YADAV Presently residing at VILL-PATJIVA, PO-BELA KASHAILA, TEH-MADHUBAN, DIST-MAU, UTTAR PRADESH-276306, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1954 vide affidavit dated 10/01/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) संख्या 28/2022, शीर्षक राज्य बनाम अनुराधा (State Vs. Anuradha) के अंतर्गत उत्पन्न आपराधिक मामला पक्षों के मध्य सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है।
मैं, अनुराधा (अधोहस्ताक्षरी), मेरे और सुश्री ज्योति नेगी के बीच उत्पन्न हुई आपसी गलतफहमी (misrepresentation), जिसके कारण ज्योति नेगी द्वारा प्राथमिकी (FIR) दर्ज कराई गई थी, के लिए बिना किसी शर्त के सार्वजनिक रूप से क्षमा याचना करती हूँ। मैं यह स्पष्ट करती हूँ कि उक्त कृत्य किसी द्वेषपूर्ण भावना या मानहानि करने के इरादे से नहीं किया गया था। इस कृत्य से हुई किसी भी असुविधा या मानसिक कष्ट के लिए मैं तहे दिल से खेद व्यक्त करती हूँ। यह क्षमा-याचना पक्षों के बीच उत्पन्न हुई गलतफहमी के निवारण हेतु स्वेच्छा से और सद्भावपूर्वक जारी की जा रही है। मैं भविष्य में इस प्रकार के कृत्यों की पुनरावृत्ति न करने का पूर्ण आश्वासन देती हूँ। इस सार्वजनिक क्षमा-याचना के माध्यम से, पक्षों ने अपनी शिकायतों का समाधान कर लिया है और यह सूचना आम जनता की जानकारी के लिए इसे रिकॉर्ड पर लाने हेतु जारी की गई है।

अनुराधा

NAME CHANGE

I, RENU SINGH Wife of JC-334186A Rank-SUB Name-VINAYA KUMAR SINGH Presently residing at VPO-GAHMAR, TEH-ZAMANIA, DIST-GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-232327, have changed my name from RENU SINGH to KUMARI RENU SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 10/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Kushma Devi W/O SANJAY KUMAR, R/O Kh No 607 min , Near Shri Shiv Narayan Mandir, Balock Wali Gali, VTC: Ali Pur, PO: Alipur, District: North West Delhi, State: Delhi, PIN Code: 110036, have change my name and shall hereafter be known as KUSUM.

NAME CHANGE

I SHASHIKANT S/O VED PRASAD DONGRE R/O P-6, GROUND FLOOR, KHASRA NO 612, YAMUNA APPARTMENT DEOLI, SOUTH DELHI-110062 HAVE CHANGE MY NAME TO SHASHI KANT DONGRE FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I V P DONGARE S/O MANSAY R/O 114/7, BHATAPARA DEVARI KATNAI, JANJGIR-CHAMPA CHHATTISGARH-495552 HAVE CHANGE MY NAME TO VED PRASAD DONGRE FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I SUKBIR SINGH S/O KALBINDER SINGH R/O PLOT NO WZ-70 , 3RD FLOOR OM VIHAR PHASE -3 UTTAM NAGAR DELHI- 110059, I have changed my name to SUKHBIR SINGH Permanently for all Future purpose

Lost and Found

The Flat No.50,Pocket A, Mount Kailash, East of Kailash, New Delhi was allotted to Suresh Khanna by DDA .The documents- Allotment and demand letters, possession letter with NOC for water electricity connection, physical hand over of possession , invitation letter , for registration etc. has been lost , for which FIR has been filed. Public is cautioned against misuse of these documents at their own risk. From Anita Khanna wife of Late Suresh Khanna

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, MANISH MAHTO S/o DEVENDRA NATH MAHTO R/o 78-C, Shramik Kunj, Sector-122, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of my father and mother has been written as DEVENDERA MAHTO and PARVATI DEVI in my 10th class educational documents. The actual name of my father and mother are DEVENDRA NATH MAHTO and PARWATI DEVI respectively, which may be amended

NAME CHANGE

It is for general information that I, KARISHMA SONI D/O RAKESH KUMAR R/O B-123 Kiran Garden, Near Hanuman Mandir, Uttam Nagar, D.k. Mohan Garden S.O, West Delhi, Delhi-110059 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as RAKESH KUMAR SONI and REETA SONI in my 10th class educational documents. Declare that name of my mother has been wrongly written as REETA SONI in my 12th class educational documents. The actual name of my father and my mother are RAKESH KUMAR and REETA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Rohit Kumar Choudhary S/o Sh Hariram Choudhary R/o 411 D , Fourth Floor,gali no 5 Govind Puri,Kalkagi New Delhi have changed my name to Rohit Kumar for all purposes

NAME CHANGE

I, HAJI YASEEN S/O ALAUDDIN residing at H.No-169/3,Gali No-2,Old Mustafabad Delhi-110094, have changed my name to MD YASEEN

NAME CHANGE

I, J S Rawat S/O Kripal Singh Rawat R/O Flat no 307 Plot no 34&35 Raju enclave, Vishwakarma mandir Dwarka sec 14 Delhi 110078 Changed my name to Jaipal Singh Rawat

NAME CHANGE

I, Shobha Singh W/O Shivraj Singh Tomar R/O 208C, JG-3, Vikaspuri , West Delhi 110018 Changed my name to Shobha Singh Tomar

NAME CHANGE

VINDESHWARI PARASAD MEHTA S/O LATE KARU MAHTO R/O KH 292 MEHTA NIWASH , G BLOCK RAMPARK EXTENSION HAQUIKATPUR HAPPY MODEL PUBLIC SCHOOL KHANPUR GATE LONI GHAZIABAD UTTAR PRADESH -201102, I have changed my name to BINDESHWAR PRASAD MEHTA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SARMISTHA W/O ARVIND KUMAR R/O A-1577 SECOND FLOOR GREEN FIELD COLONY FARIDABAD HARYANA 121010, I have changed my name to SRAMISTHA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I Neetu W/O Ajay Kumar R/O puran purwa, Puran Purwa, Kanpur Dehat, Uttar Pradesh - 209306, have change the name of my minor daughter Ankita aged 7 years and she shall hereafter be known as ANIKA.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Ashok Chopra S/o Som Prakash Chopra R/o House Number-288, Four story, Near Vishal Market, Tagore Garden, West Delhi, Delhi-110027 declare that name of my father has been wrongly written as S P Chopra in my Driving Licence No-DL10 19920122433. The actual name of my father is Som Prakash Chopra.

PUBLIC NOTICE

I Vijay Prakash Yadav S/o Ram Kumar Yadav R/o Flat No-301, Third Floor, Plot No. 2/117, HI-tech Appartment Sector-2, Rajendra Nagar, Sahibabad Ghaziabad Uttar Pradesh-201005 have changed the name of my minor daughter Kanika aged 8 years and she shall hereafter be known as Kanika Prakash.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Mahkar Singh S/o Bhagmal Singh R/o Makauda, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 declare that name of my wife has been wrongly written as Savita in my minor son Vansh Bhati aged 16 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of my wife is Sweta.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Mahkar Singh S/o Bhagmal Singh R/o Makauda, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 declare that name of my wife has been wrongly written as Savita Bhati in my minor son Pranjal Bhati aged 17 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of my wife is Sweta.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Vikas Kumar S/o Harish Chand R/o House No. 17, Sec-4 Chiranjeev Vihar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 declare that name of mine has been wrongly written as Vikas Singhal in my minor son Ojas Singhal aged 16 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is Vikas Kumar.

PUBLIC NOTICE

I Ravinder Kumar S/o Phool Singh R/o 55/2, Gali no-03, Ambedkar Vihar, Sector-37, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed the name of my minor son Hayank aged 11 years and he shall hereafter be known as Chhayank Kumar.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I SONIYA SHARMA D/O KULDEEP SHARMA W/O KAMAL SHARMA R/O B-56/1, JAWAHAR PARK, SAHIBABAD GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 declare that name of mine and my father have been wrongly written as SONI SHARMA and KULDEEP KUMAR in my Pan card No. IVSPS1366G. The actual name of mine and my father are SONIYA SHARMA and KULDEEP SHARMA respectively which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

समालखा में रंगदारी मांगने के मामले में पीड़ित परिवार से मिले विधायक मनमोहन भड़ाना

एजेंसी

पानीपत। पानीपत की तहसील समालखा स्थित गुड़मंडी में बीते मंगलवार को राजेंद्र गाजरपाक की दुकान पर बदमाशों ने फायरिंग कर एक करोड़ रुपए की मांग की थी। घटना के बाद समालखा विधायक मनमोहन भड़ाना ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें न्याय का आश्वासन दिया। भड़ाना पीड़ित मनोज के आवास पर पहुंचे, जहां मनोज और उनके परिजनों ने उन्हें घटना की विस्तृत जानकारी दी। पीड़ित मनोज ने विधायक से न्याय की गुहार लगाते हुए बताया कि इस घटना के बाद उनका शहर में रहने का मन नहीं करता। विधायक मनमोहन भड़ाना ने मीडिया को बताया कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई होगी जो दूसरों के लिए सबक बनेगी और अपराधियों का सही इलाज किया जाएगा। भड़ाना ने मौके पर ही पुलिस अधीक्षक से फोन पर घटना की जानकारी लेकर सख्त से सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। डीएसपी ने अपराधियों के पुख्ता सबूत मिलने का दावा करते हुए जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

मनरेगा को कमजोर करना गरीबों के अधिकारों पर हमलाः उदयभान

पलवल। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मनरेगा को कमजोर करना गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण भारत के अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 'विकसित भारत' के दावों के बावजूद, हकीकत यह है कि लोगों के हाथों से काम छीना जा रहा है और रोजगार की गारंटी को खत्म किया जा रहा है। उदयभान पलवल के जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष नेत्रपाल अधाना और पूर्व विधायक मंत्री करण सिंह भी मुख्य रूप से उपस्थित थे। उदयभान ने कहा कि यूपीए सरकार के दौरान प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में मनरेगा जैसी ऐतिहासिक योजना लागू की गई थी, जिसने ग्रामीण गरीबों को 100 दिन का सुनिश्चित रोजगार प्रदान किया और करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा भाजपा सरकार ने जानबूझकर इस योजना को कमजोर किया है। पहले जहां गांवों में काम की मांग पर रोजगार मिलता था, अब राज्य सरकारों को केंद्र को प्रस्ताव भेजने पड़ते है और फिर भी यह तय नहीं रहता कि काम मिलेगा या नहीं। इसके अलावा, भुगतान में देरी और बजट में कटौती ने मजदूरों का भरोसा तोड़ा है।' पूर्व विधायक करण सिंह ने भी मनरेगा को लेकर केंद्र सरकार की नीयत पर सवाल उठाए।

फैक्ट्री में लगी आग में झुलसकर सुपरवाइजर की मौत

पानीपत। पानीपत सेक्टर-25 पार्ट-2 स्थित एक फैक्ट्री में शुक्रवार को लगी आग में कर्मचारी की झुलसने से मौत हो गई। जिसके बाद मृतक के परिजनों ने फैक्ट्री संचालक के खिलाफ थाना चांदनी बाग में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस शनिवार को भी इस मामले की जांच में जुटी रही। पुलिस को दी शिकायत में मृतक के भाई त्रिलोक ने हादसे के लिए फैक्ट्री संचालक को दोषी ठहराया है। पुलिस के अनुसार, हादसा 'गोल्डन टेरी टॉवल' फैक्ट्री में हुआ है। फैक्ट्री में आग लगने से 37 वर्षीय सुपरवाइजर की जिंदा झुलसकर मौत हो गई। मृतक सुपरवाइजर की पहचान प्रवीण कुमार निवासी गांव पांची जाटान, सोनीपत के रूप में हुई है। प्रवीण पिछले एक साल से इस फैक्ट्री में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत था। फैक्ट्री में अचानक आग लग गई, जिसकी चपेट में आने से प्रवीण बुरी तरह झुलस गया। उन्हें तुरंत पानीपत के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई त्रिलोक ने थाना चांदनी बाग पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि फैक्ट्री मालिक की लापरवाही के कारण ही उनके भाई की जान गई है। शिकायत के अनुसार, फैक्ट्री में आग बुझाने का कोई यंत्र मौजूद नहीं था। परिजनों का कहना है कि यदि फैक्ट्री में अग्निशमन संयंत्र होते तो प्रवीण की जान बच सकती थी। पुलिस ने मृतक के भाई के बयान के आधार पर थाना चांदनी बाग में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। थाना चांदनी बाग प्रभारी महिपाल ने बताया कि पीड़ित पक्ष की शिकायत पर फैक्ट्री मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

गरीबों को मिले अधिकार छीन रही है सरकारः सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि केंद्र सरकार कांग्रेस शासनकाल में गरीबों को मिले संवैधानिक और कानूनी अधिकारों को एक-एक कर खत्म करने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा का केवल नाम नहीं बदला गया है, बल्कि उसकी आत्मा विशेषकर महात्मा गांधी की आत्मा को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे कांग्रेस किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेगी। सैलजा सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। सांसद सैलजा ने कहा कि केंद्र सरकार के मनरेगा विरोधी फैसलों के खिलाफ कांग्रेस देशव्यापी आंदोलन कर रही है। इसी क्रम में 11 जनवरी को हरियाणा के सभी जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि जिस-जिस प्रदेश में चुनाव होते हैं, वहां स्वतंत्र एजेंसियां जैसे ईडी और सीबीआई अचानक सक्रिय हो जाती हैं। लोगों के खातों में पैसे डाले जाते हैं और चुनाव खत्म होते ही सब कुछ भुला दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना को कमजोर किया जा रहा है।

बच्चे देश का भविष्य हैं, इन्हें खूब पढ़ाएं : सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत

एजेंसी

हिसार। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अपने पैतृक गांव पेटवाड़ में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि बच्चे भविष्य में हरियाणा और देश का नाम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। उन्होंने युवाओं को सेना, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, सिविल सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढने् के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं का और अधिक विकास होगा। पैतृक गांव में पहुंचने पर सीजेआई श्री सूर्यकांत का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों के साथ उन्हें खुली जीप से मुख्य मंच तक लाया गया, जहां ग्रामवासियों ने पगड़ी पहनाकर मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अपने गांव, शिक्षकों, माता-पिता, बुजुर्गों और ग्रामवासियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के

संघर्षों को साझा करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षकों की निष्ठा और बुजुर्गों के आशीर्वाद ने उन्हें आगे बढने् की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा सबसे बड़ा निवेश है और प्रत्येक परिवार को बच्चों की पढ़ाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली बच्चों को सामूहिक सहयोग से उच्च शिक्षा दिलाने का आह्वान किया तथा इसके लिए स्वयं आर्थिक सहयोग देने की भी घोषणा की। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आयोजन समिति, ग्रामवासियों और प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गांव का स्नेह और आशीर्वाद उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा कि इसी स्कूल में दसवीं कक्षा तक पढ़ाई की है। उन्होंने कहा कि बेशक उस समय स्कूलों में सुविधाएं अधिक नहीं होती थी लेकिन अध्यापकों में पढ़ाने के प्रति समर्पण बहुत अधिक था। उन्होंने याद करते हुए कहा कि इस स्कूल के बड़े हॉल में धान की पराली बिछाकर पढते थे और रात को भी अध्यापक काफी देर तक पढ़ाते थे, ताकि उनके स्कूल का परिणाम क्षेत्र के अन्य स्कूलों की तुलना में बढ़िया आए। इस दौरान गांव के विकास को लेकर बस स्टैंड के पास एक एकड़ जमीन पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण, पुराने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का नया भवन, डोबा वाले तालाब के पीछे हर्बल पार्क बनवाने, ई-पुस्तकालय स्थापित करवाने, डोबा तथा डोबी तालाब का सौंदर्यीकरण करवाने, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सौलर पैनल लगवाने सहित कई मांगे रखी गई।

सेवा सुरक्षा दायरे में आएंगे एचकेआरएन शिक्षक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से तैनात शिक्षक सेवा सुरक्षा नियम-2024 के दायरे में आएंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से एक पत्र जारी करके प्रदेश के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि एचकेआरएन के माध्यम नियुक्त पीटीआई एवं ड्राइंग-कला शिक्षकों का डाटा उपलब्ध कराया जाए।निदेशालय द्वारा जारी पत्र स्पष्ट हिदायत दी गई है कि वर्ष 2022 से 2024 के दौरान हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से शारीरिक शिक्षा सहायक व कला शिक्षा सहायकों की नियुक्तियां की गई थी, उन्हें अब सेवा सुरक्षा नियम-2024 के लागू होने के बाद विभागीय स्तर पर रिकार्ड तैयार किया जाएगा। सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने जिले से संबंधित एचकेआरएन के माध्यम से नियुक्त शारीरिक शिक्षा सहायक एवं कला शिक्षा सहायकों का पूर्ण विवरण निर्धारित एक्सेल प्रोफॉर्मा में, सत्यापन सहित, दो दिनों के भीतर भेजना सुनिश्चित करें। शिक्षा निदेशालय की ओर से प्रोफार्मा तैयार किया गया है, जिसके अंतर्गत कर्मचारी का नाम, विद्यालय का नाम व कोड, जिला, कार्य गतिविधि, एचकेआरएन कर्मचारी आईडी, विभाग में ज्वाइनिंग की तिथि, फैमिली आईडी, मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आईडी जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा में पूर्ण जानकारी प्राप्त नहीं होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी। शिक्षा विभाग का यह कदम सेवा सुरक्षा नियम-2024 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में अहम माना जा रहा है। इससे एचकेआरएन के माध्यम से कार्यरत पीटीआई एवं कला शिक्षकों की सेवा स्थिति को स्पष्ट करने के साथ-साथ भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस आधार तैयार होगा।

हरियाणा में पांचवीं की 13 मार्च तो छठी से आठवीं की 11 मार्च से होंगी परीक्षाएं

एजेंसी

चंडीगढ़। शिक्षा विभाग ने पहली से आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं का शेड्यूल जारी कर दिया है। कक्षा पहली से पांचवीं कक्षा की परीक्षाएं 13 मार्च और छठी से आठवीं कक्षा की परीक्षाएं 11 मार्च से शुरू होंगी। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से शैक्षणिक सत्र 2025-26 में वार्षिक परीक्षाओं में फेल विद्यार्थियों को सप्लीमेंट्री परीक्षाओं में अंक सुधार के साथ पास होने का मौका मिलेगा। निदेशालय की ओर से जारी किए गए शेड्यूल को लेकर सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि नई शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों केअनुरूप मूल्यांकन और योग्यता पर जोर रहेगा। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि परीक्षाएं सुबह 8:30 बजे से 11:00 बजे तक आयोजित की जाएंगी, जबकि अन्य भाषाओं की परीक्षाओं के लिए समय 2 घंटे 30 मिनट का होगा। प्रश्नपत्र विद्यालय स्तर पर तैयार किए जाएंगे, जबकि मूल्यांकन प्रक्रिया एनईपी-2020 के अनुरूप दक्षता आधारित होगी। सिलेबस और असेसमेंट डिजाइन एससीईआरटी वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि जो विद्यार्थी वार्षिक परीक्षा में किसी कारणवश उत्तीर्ण नहीं हो पाएंगे या अनुपस्थित रहेंगे, उनके लिए अप्रैल 2026 में सप्लीमेंट्री परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। कक्षा 1 से 5 की सप्लीमेंट्री परीक्षाएं 20 अप्रैल से 25 अप्रैल तक होंगी।

गुरुग्राम में कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे को ऐतिहासिक बनाएगी भाजपा

एजेंसी

गुरुग्राम। भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन के हरियाणा में पहली बार हो रहे दौरे को लेकर प्रदेश भाजपा ने बड़े स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। उनके इस दौरान को प्रदेश भाजपा ऐतिहासिक और यादगार बनाने में जुटी है। इन्हीं तैयारियों को लेकर गुरुग्राम के गुरुकमल कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया और प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ की। बैठक में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नीतिन नबीन के पहले गुरुग्राम दौरे को ऐतिहासिक रूप से भव्य बनाने का संकल्प लिया 12 जनवरी युवा दिवस के अवसर पर गुरुग्राम में भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन पर पूरे शहर को सजाने के लिए कार्यकर्ता जुट गए हैं। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी के सामने अपनी

तैयारियों की जानकारी भी रखी। प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने एक-एक कार्यकर्ताओं से खासकर युवाओं से अपील की कि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के प्रथम आगमन पर युवाओं की भागीदारी अधिक हो। डा. पूनिया ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नीतिन नबीन युवा और ओजस्वी नेतृत्व देने वाले नेता हैं। इसलिए इस कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी राजनीति में युवाओं को आगे आने में प्रेरित करेगी। केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, डा. अर्चना गुप्ता, मंत्री कृष्ण बेदी, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, मंत्री राव नरबीर, विधायक तेजपाल तंवर, मुकेश शर्मा, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ सहित गुरुग्राम जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, गुरुग्राम महानगर जिला अध्यक्ष अजीत यादव समेत पार्टी पदाधिकारी सहित तमाम नेताओं और पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को बेहतर से बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव भी रखे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि यह गुरुग्राम के कार्यकर्ताओं के लिए गौरव की बात है कि कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन हरियाणा में पहली बार दौरा कर रहे हैं। यह दौरा गुरुग्राम में होगा। कार्यकर्ताओं में कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के गुरुग्राम दौरे के लेकर जबरदस्त उत्साह है। कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत में शहर को कमल के फूल के झंडों से सजाया जाएगा। नीतिन नबीन का यह दौरा कई मायनों में महत्वपूर्ण है।

नूंह जिले के विकास को लेकर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर को फिरोजपुर झिरका आने का निमंत्रण दिया

एजेंसी

नूंह। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से नूंह भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ने मुलाकात करके नूंह आने का न्यौता दिया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी जतिन बुसरी ने केंद्रीय मंत्री को नूंह जिले की वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि यह क्षेत्र विकास की अपार संभावनाओं से भरा हुआ है और केंद्र सरकार की योजनाओं से यहां बड़े स्तर पर बदलाव संभव है।उन्होंने जिले में बिजली व्यवस्था को और मजबूत करने, ग्रामीण क्षेत्रों में

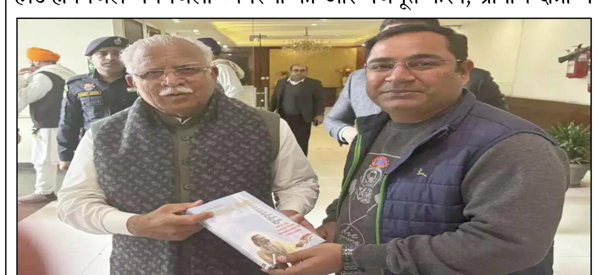

निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा विकास कार्यों को गति देने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर को फिरोजपुर झिरका आगमन का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि मंत्री के दौरे से न केवल जिले के लोगों में उत्साह बढ़ेगा, बल्कि विकास कार्यों को नई दिशा और गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने भी नूंह जिले के विकास के प्रति सकारात्मक रुख दिखाते हुए उचित समय पर दौरे का आश्वासन दिया। मुलाकात को जिले के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में नूंह और फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में विकास योजनाओं को और मजबूती मिलेगी तथा आम जनता को इसका सीधा लाभ प्राप्त होगा।

सीएम नायब सैनी ने रखी डिमांडः सेम से प्रभावित 6 लाख एकड़ जमीन के लिए दी जाए वित्तीय सहायता

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आज नई दिल्ली में सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों (विधायक मंडल सहित) के वित्त मंत्रियों के साथ बजट पूर्व बैठक हुई। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय बजट में हरियाणा से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण मांगों को रखा। इसमें कृषि, ग्रामीण विकास, मेडिकल, उद्योगों आदि में बजट आवंटन व अन्य प्रमुख मांगों को रखा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट से हरियाणा की प्रगति का मार्ग और प्रशस्त होगा। हरियाणा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपना पूरा योगदान देगा। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश को निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए हरियाणा सरकार भरपूर प्रयास कर रही है। हमने अपने स्तर पर काफी प्रयास किए हैं लेकिन परिणाम तक पहुंचने के लिए केंद्रीय सहायता की जरूरत है। चिकित्सा शिक्षा को व्यापक बनाने के लिए हरियाणा हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने जा रहा है। इसके लिए भी केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के तहत मदद की

बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है व खाद्यान्न उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है। इसे भारत का ब्रेड बास्केट भी कहा जाता है। यहां सेम से 6 लाख एकड़ जमीन प्रभावित है, अतः इस ज़मीन को और ज्यादा नुकसान से बचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जानी चाहिए। वहीं कृषि के आधुनिकीकरण की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही है। डिजिटल एग्रीकल्चर, माइक्रो इरीगेशन, एग्री लॉजिस्टिक्स और वैल्यू-एडीशन पर फोकस किसान को सीधे बाजार से जोड़ा जा सकता है।एम.एस.एम.ई. के साथ एग्री प्रोसेसिंग क्लस्टर्स ग्रामीण समृद्धि का इंजन बन सकते हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा का एनसीआर क्षेत्र लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे देश के सभी प्रमुख बाजारों से कनेक्टिविटी और माल की सप्लाई आसान व समयबद्ध हो जाएगी इसलिए हमें इन क्षेत्रों में अधिक से अधिक केंद्रीय पूंजी निवेश की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई और स्टार्टअप्स को गति दिये बिना अर्थव्यवस्था को गति नहीं दी जा सकती। हरियाणा का स्टार्टअप्स में देश में चौथा स्थान है। हम स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए 2 हजार करोड़ रुपये का 'फंड ऑफ फंड्स' स्थापित करवाने जा रहे हैं। हम प्रदेश में 10 नये आई.एम.टी. विकसित करने जा रहे हैं।

इससे समूचे प्रदेश में एम.एस.एम.ई. व स्टार्टअप्स को भारी प्रोत्साहन भी मिलेगा। इन आई.एम.टी. में भारी पूंजी निवेश भी होगा। हमें इन्हें विकसित करने के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 44 लाख से अधिक लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान कर रहे हैं। हरियाणा की इस मद में भी आर्थिक सहायता बढ़ाई जाए।

एक राष्ट्र, एक चुनाव राष्ट्रहित में, आर्थिक रूप से मजबूत होगा देशः ओमप्रकाश धनखड़

एजेंसी

गुरुग्राम। सेक्टर-44 स्थित अपैरल हाउस में एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई, इसमें गुरुग्राम जिला के उद्यमियों, व्यापारियों ने शिरकत की। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा के जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी तथा कमल यादव प्रभारी बल्लभगढ़ भी मौजूद रहे। विभाग प्रमुख एक राष्ट्र एक चुनाव बोध राज सीकरी व संयोजक सुभाष सिंगला ने अतिथियों का स्वागत व सम्मान किया। मुख्य वक्ता ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव राष्ट्रहित में है। उन्होंने बताया कि किन-किन देशों में यह व्यवस्था अपनाई गई है और वहां इसके क्या लाभ सामने आए हैं। उन्होंने विस्तार से समझाया कि इससे जीडीपी में संभावित बढ़ोतरी, पब्लिक एक्सचेकर पर सकारात्मक प्रभाव और चुनावी आचार संहिता के कारण होने वाले आर्थिक नुकसान में कमी कैसे आएगी। देश आर्थिक हानि से बचेगा। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि चुनावी प्रक्रिया में हर वर्ष प्रधानमंत्री के लगभग तीन महीने व्यस्त रहते हैं। यदि चुनाव एक साथ हों, तो यह समय देश के विकास कार्यों में लगाया जा सकता है। बोध राज सीकरी ने प्रस्तुत बताया कि आजादी के बाद प्रारंभिक वर्षों में लगातार तीन बार लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए थे। बाद में किन्हीं कारणों

से यह परंपरा टूट गई, जिससे चुनाव अलग-अलग होने लगे। इसका परिणाम यह हुआ कि सरकारी खर्च बढ़ा और प्रशासनिक तंत्र पर अतिरिक्त बोझ पड़ा। उन्होंने यह भी बताया कि 25 से अधिक राजनीतिक दलों ने इस अवधारणा के समर्थन में सहमति दी है, जबकि मात्र 15 दल इसके विरोध में रहे हैं। कई विरोधी दलों के वरिष्ठ नेताओं जैसे शरद पंवार और दिवंगत एम. करुणानिधि ने भी समय-समय पर एक राष्ट्र, एक चुनाव का समर्थन किया है।इस अवसर पर उद्योग और व्यापार जगत से पी.एफ.टी.आई. के चेयरमैन दीपक मैनी, आर. एल. शर्मा, अग्रवाल, मानेसर उद्योग एसोसिएशन के प्रधान अतुल मुखी, एम.एस.एम.ई. चैम्बर के उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता, बिल्डर प्रतिनिधि सुभाष अरोड़ा, कैटरिंग एसोसिएशन के चेयरमैन संजीव कुमार, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ गुरुग्राम के संयोजक चंदन मुंजाल, एडवोकेट प्रमोद सलूजा, ट्रक एसोसिएशन के प्रधान सतपाल नासा, दौलताबाद एसोसिएशन के प्रधान विनोद, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा के मंत्री पवन के जिंदल, डी.आर.आई.ए. के प्रेसिडेंट, तथा टेंट एसोसिएशन के पदाधिकारी खट्टर और गंगाधार खत्री ने भी शिरकत की।

हरियाणा में सड़क हादसा : यमुनानगर में बाइक सवार दो दोस्तों की मौत, ट्रैक्टर-ट्रॉली से हुई टक्कर

एजेंसी

यमुनानगर। जिले के प्रतापनगर क्षेत्र के गांव भंगेड़ा में शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग सहम गए और तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से सीधे जा टकराई।

टक्कर के बाद दोनों युवक उछलकर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोटों के चलते मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर थाना प्रतापनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की।

दोस्त को छोड़ने जा रहा था युवक

पुलिस ने मृतकों की पहचान गांव भंगेड़ा निवासी 27 वर्षीय अनुज शर्मा और उसके दोस्त 35 वर्षीय सतपाल, निवासी मुजाफत कलां, के रूप में की है। पुलिस के अनुसार अनुज अपने दोस्त सतपाल को उसके घर छोड़ने जा रहा था। जैसे ही वे गांव भंगेड़ा के पास पहुंचे, सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने मदद की कोशिश की, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम आज कराया जाएगा।

तीन माह पहले हुई थी अनुज की शादी

हादसे में जान गंवाने वाले अनुज शर्मा की तीन महीने पहले ही शादी हुई थी। वह पेशे से डेंटल का काम करता था और अपनी खुद की दुकान खोलने की तैयारी में जुटा हुआ था। बताया गया है कि वह अपने दोस्त सतपाल के साथ मुजाफत कलां में डेंटल क्लिनिक की तलाश कर रहा था। हादसे ने दोनों परिवारों को गहरे शोक में डाल दिया है।

युवाओं को स्थायी रोजगार देना सरकार की प्राथमिकताः कार्तिकेय शर्मा

एजेंसी

यमुनानगर। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने सरकार की प्राथमिकताओं, संगठनात्मक गतिविधियों और जनकल्याण योजनाओं को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार का फोकस अब अस्थायी रोजगार की बजाय युवाओं को स्थायी और भरोसेमंद रोजगार उपलब्ध कराने पर है। यह बात उन्होंने शनिवार को यहां भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि युवाओं के लिए दीर्घकालिक रोजगार मॉडल तैयार किया जा रहा है, जिससे उन्हें सुरक्षित भविष्य और आर्थिक स्थिरता मिल सके।

उन्होंने संकेत दिया कि इस दिशा में नई नीतियों का ढांचा अंतिम चरण में है। सांसद कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि सड़क, पेयजल, शहरी सुविधाओं और प्रशासनिक सुधार से जुड़ी योजनाओं को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा 'नमो शक्ति रथ अभियान' के

तहत 22 वैन को रवाना किया गया था। ये वैन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग कर रही हैं। उन्होंने बताया कि अब तक हजारों महिलाएं इस अभियान का लाभ ले चुकी हैं और कई मामलों में बीमारी का शुरुआती स्तर पर ही पता चलने से समय पर उपचार संभव हुआ है। कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर सरकार गंभीर है। 'मातृशक्ति निरोगी होगी तो देश स्वस्थ होगा–इसी सोच के साथ स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगठन विस्तार, आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियानों को लेकर भी चर्चा की गई।

हिंदी भाषा विश्व की सभी भाषाओं में श्रेष्ठः डॉ. शत्रुजीत सिंह

एजेंसी

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा के प्राचार्य डॉ. शत्रुजीत सिंह ने कहा कि हिंदी भाषा विश्व की सभी भाषाओं में श्रेष्ठ एवं वैज्ञानिक भाषा है। इसने अपने इस मुकाम हासिल करने के लिए जो संघर्ष किया है, वह अपने आप में प्रेरणा स्रोत है। वे विश्व हिंदी दिवस पर कालेज में आयोजित गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि हमें विश्व के विभिन्न भाषाओं की जानकारी होनी चाहिए और अधिक से अधिक भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करना चाहिए परंतु, अपनी मातृभाषा हिंदी को सबसे अधिक महत्व देना चाहिए, क्योंकि यह हमारी सोच एवं विचार शैली को उत्कृष्ट बनाने में सबसे अधिक सहायक होती है। व्यक्ति अपने चिंतन को अपनी मातृभाषा के माध्यम से जितना सफल बना सकता है, उतना अन्य भाषा में सक्षम नहीं है। डॉ. विक्रमजीत सिंह ने हिंदी भाषा के महत्व को स्वीकार करते हुए कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और किसी भी देश के मातृभाषा उसे देश के लोगों का सम्मान होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन देशों ने अपनी मातृभाषा का महत्व दिया है वह आज विकसित एवं सुदृढ़ स्थिति में है। मातृभाषा को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि वैसे तो मातृभाषा की परिभाषा मां की भाषा से मानी जाती है परंतु वृहद परिपेक्ष में मातृभाषा वह भाषा होती है, जिसमें व्यक्ति अपना चिंतन और दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है। हिंदी विभाग अध्यक्ष प्रो. निर्मला ने हिंदी भाषा से जुड़ी विभिन्न जानकारियां छात्रों के साथ सांझा की। विचार गोष्ठी में महाविद्यालय की विभिन्न छात्रों ने अपने विचार अभिव्यक्ति की जिसमें खुशप्रीत बीए तृतीय वर्ष एवं करूणा बीए तृतीय एवं तनु बीए प्रथम वर्ष ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल किया।

उधर, माता हरकी देवी महिला शिक्षा महाविद्यालय ओढ़ां में सांस्कृतिक व अकादमिक कमेटी के तत्वावधान में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कृष्ण कांत ने कहा कि हमें हर क्षेत्र में हिंदी भाषा के प्रयोग व प्रचार-प्रसार के लिए सदैव तत्पर रहते हुए कार्य करना चाहिए तभी इस दिन की सार्थकता सिद्ध हो सकती है।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन के दाम तेजी के साथ बंद, जाड़े और मांग

सूरजमुखी, सोयाबीन डीगम और पाम तेल के आयात में कमी से अन्य तेलों के दाम प्रभावित हुए

नई दिल्ली ।

ठंड के मौसम और शादी-विवाह के सीजन में तेल-तिलहन की मांग बढ़ी। बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूत बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे। सोयाबीन और सरसों का दाम अंतर घटकर 8-10 रुपये प्रे ति किलो हो गया। सोयाबीन तेल सस्ता और मांग में बढ़त, जबकि महंगे सरसों तेलकी खपत कमजोर रही। सूरजमुखी, सोयाबीन डीगम और पाम तेल के आयात की घट-बढ़ से बाजार प्रभावित। पिछले साल आयात लागत से कम दाम पर हुआ, अब आयात कम होने से आपूर्ति सीमित। हल्के तेलों की मांग जाड़े में अधिक, बिनौला तेल के दाम सुधरे। सरसों के दाम एमएसपी से ऊपर, लेकिन खपत सीमित रही। बीते सप्ताह सरसों दाना 15 रुपये के सुधार के साथ 6,940-6,990 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,410-2,510 रुपये और 2,410-2,555 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 100-100 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 5,110-5,160 रुपये और 4,810-4,860 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 13,950 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 13,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 350 रुपये के सुधार के साथ 10,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह सुस्त कामकाज के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में स्थिरता का रुख दिखा। मूंगफली तिलहन 6,575-6,950 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 15,800 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,530-2,830 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 125 रुपये के सुधार के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये के सुधार के साथ 13,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 200 रुपये के सुधार के साथ 12,350 रुपये प्रति क्विंटल /

भारतीय आईटी दिग्गज एजेंटिक एआई में आगे

व्यावसायिक वृद्धि के लिए अपना रहे नए मॉडल

नई दिल्ली ।

भारतीय आईटी कंपनियां व्यावसायिक वृद्धि और नवाचार के लिए एजेंटिक एआई को अपनाने में सबसे आगे हैं। थॉटवर्क्स द्वारा किए गए हालिया सर्वेक्षण में सामने आया कि भारत में 48 प्रतिशत कंपनियां एजेंटिक एआई को अपनी प्राथमिकता मानती हैं। यह पश्चिमी देशों से काफी अलग है, जहां पारंपरिक दक्षता बढ़ाने पर ही ज़्यादा ध्यान दिया जा रहा है। अमेरिका में यह आंकड़ा 28 प्रतिशत और ऑस्ट्रेलिया में केवल 23 प्रतिशत है। एजेंटिक एआई ऐसे स्वायत्त सिस्टम होते हैं, जो स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं, तर्क कर सकते हैं और बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल सकते हैं। भारतीय कंपनियों का यह रुझान दिखाता है

कि वे केवल एआई टूल्स का इस्तेमाल नहीं कर रहे, बल्कि एआई-आधारित कारोबारी मॉडल अपनाने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि भारत में 93 प्रतिशत प्रतिभागी मानते हैं कि सबसे प्रभावशाली एआई पहल वे हैं जो कर्मचारियों के कौशल और काम की गति बढ़ाती हैं।

वहीं 86 प्रतिशत प्रतिभागियों का मानना है कि एआई कर्मचारियों की जगह नहीं ले रहा, बल्कि उन्हें और सशक्त बना रहा है।

एसबीआई ने एटीएम ट्रांजेक्शन चार्ज बढ़ाए, सैलरी अकाउंट

दूसरे बैंक के एटीएम पर हर महीने 5 फ्री ट्रांजेक्शन की सुविधा पहले की तरह जारी

नई दिल्ली ।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने एटीएम ट्रांजेक्शन चार्जेस में बदलाव किया है। यह संशोधन इंटरचेंज फीस बढ़ने के कारण किया गया है। नए नियमों का असर मुख्य रूप से उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो एसबीआई खाते के बावजूद दूसरे बैंकों के एटीएम का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। पर्सनल सेगमेंट के साधारण सेविंग्स अकाउंट (बीएसबीडी, केसीसी और सैलरी पैकेज को छोड़कर) में दूसरे बैंक के एटीएम पर हर महीने 5 फ्री ट्रांजेक्शन (फाइनेंशियल और नॉन-फाइनेंशियल) की सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी। हालांकि, फ्री लिमिट के बाद कैश विड्रॉल पर चार्ज बढ़ाकर 23 रुपये के साथ जीएसटी कर दिया गया है, जो पहले 21 रुपये के साथ जीएसटी था। वहीं बैलेंस चेक या मिनी स्टेटमेंट जैसे नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पर अब 11 रुपये के साथ जीएसटी देना होगा, पहले यह 10 रुपये के साथ जीएसटी था। अब तक सैलरी पैकेज सेविंग्स अकाउंट पर दूसरे बैंक के एटीएम से अनलिमिटेड फ्री ट्रांजेक्शन की सुविधा मिलती थी। लेकिन नए नियमों के तहत इसे घटाकर 10 फ्री ट्रांजेक्शन प्रति माह कर दिया गया है। फ्री लिमिट खत्म होने के बाद कैश विड्रॉल पर 23 रुपये के साथ और नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पर 11 रुपये के साथ जीएसटी देना होगा। बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) अकाउंट होल्डर्स के लिए चार्ज में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके अलावा एसबीआई डेबिट कार्ड से एसबीआई के अपने एटीएम या एडीडब्ल्यूएम पर ट्रांजेक्शन पहले की तरह मुफ्त रहेंगे। योनो के जरिए कार्डलेस कैश विड्रॉल भी अनलिमिटेड फ्री रहेगा। एसबीआई ने ग्राहकों को अतिरिक्त चार्ज से बचने के लिए यूपीआई, योनो ऐप और डिजिटल ट्रांजेक्शन का अधिक इस्तेमाल करने की सलाह दी है। बैंक का कहना है कि बढ़ती लागत के चलते यह बदलाव जरूरी था।

पिछले एक साल में तांबे की कीमत 60 फीसदी उछली

तांबे की बढ़ती मांग और सप्लाई की कमी से कीमतों में ऐतिहासिक उछाल

नई दिल्ली ।

2026 की शुरुआत में तांबे की कीमतों ने निवेशकों को चौंका दिया है। पिछले एक साल में तांबे की कीमत लगभग 60 फीसदी तक बढ़ चुकी है और यह तेजी की मुख्य वजह बढ़ती मांग और आपूर्ति की कमी है। लंदन मेटल एक्सचेंज का इंडेक्स मार्च 2022 के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। तांबा अब सिर्फ घरेलू तारों या विद्युत उपकरणों तक सीमित नहीं है,

बल्कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), डेटा सेंटर्स और ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स में भी इसकी उपयोगिता तेजी से बढ़ी है। 6 जनवरी 2026 को कॉमेक्स स्पॉट मार्केट में तांबे की कीमत 6.069 डॉलर प्रति पाउंड तक पहुंच गई,

जबकि भारत में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर तांबे की कीमत 1,392.95 रुपये प्रति किलो के शिखर पर पहुंची थी। हालांकि, 10 जनवरी को कीमत में थोड़ी गिरावट आई, जो 5.849 डॉलर प्रति पाउंड और 1,278.95 रुपये प्रति किलो पर आ गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, तांबे की कीमतों में वृद्धि का मुख्य कारण बढ़ती डिमांड और सप्लाई का असंतुलन है। इलेक्ट्रिक वाहन, डेटा सेंटर्स और डिफेंस सेक्टर में तांबे की खपत तेजी से बढ़ी है, जबकि मौसम की मार, हड़तालें और उत्पादन की चुनौतियों ने आपूर्ति को प्रभावित किया है। इसके अलावा, डॉलर में कमजोरी और ब्याज दरों में नरमी ने भी निवेशकों को जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया है। अंतरराष्ट्रीय कॉपर स्टडी ग्रुप के अनुसार, 2026 में तांबे की वैश्विक आपूर्ति में करीब 1.5 लाख टन की कमी हो सकती है। इस स्थिति में, जब तक स्टॉक कम रहेगा और मांग बनी रहेगी, तांबे की कीमतों में उतार-चढ़ाव के साथ तेजी जारी रहने की संभावना है।

पिछले सप्ताह सोना और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा

सप्ताहभर में सोना 3,114 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 15,686 रुपए महंगी

नई दिल्ली ।

बीते एक सप्ताह में चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। 2 जनवरी को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 5 मार्च एक्सपायरी वाली चांदी का भाव 2,36,316 रुपए प्रति किलोग्राम था। कारोबारी हफ्ते के दौरान चांदी ने तेज़ उछाल मारा और 2,59,692 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। हालांकि, सप्ताह के अंत में मुनाफावसूली के चलते शुक्रवार को इसका बंद भाव 2,52,002 प्रति किलोग्राम रहा। पूरे हफ्ते में चांदी लगभग 15,686 रुपए महंगी हुई। अभी भी यह अपने रिकॉर्ड स्तर से करीब 7,690 नीचे है, जिसे कुछ निवेशक खरीदारी का अवसर मान रहे हैं। वहीं सोने की कीमतों में भी हल्की तेजी देखने को मिली। 2 जनवरी को 24 कैरेट सोने का भाव 1,35,761 प्रति 10 ग्राम था, जबकि शुक्रवार को एमसीएक्स पर 5 फरवरी एक्सपायरी वाले सोने का भाव 1,38,875 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। सप्ताहभर में सोना लगभग 3,114 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ। हालांकि, सोना अब भी अपने लाइफटाइम हाई 1,40,465 रुपए प्रति 10 ग्राम से लगभग 1,590 रुपए कम है। इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार घरेलू सोने के भाव इस प्रकार हैं: 24 कैरेट का भाव 1,37,120 रुपए, 22 कैरेट 1,33,830, 20 कैरेट 1,22,040 रुपए, 18 कैरेट 1,11,070 रुपए और 14 कैरेट के दाम 88,440 रुपए। बीते सप्ताह में चांदी और सोने दोनों में तेजी रही, हालांकि दोनों अभी अपने उच्चतम स्तर से नीचे कारोबार कर रहे हैं। निवेशक इस अवसर को खरीदारी के लिए अनुकूल मान सकते हैं, लेकिन ज्वेलरी खरीदते समय जीएसटी और मेकिंग चार्ज का ध्यान रखना आवश्यक है।

जीएसटी सुधारों ने आंशिक-हाइब्रिड एसयूवी को आकर्षक बनाया

नई दिल्ली ।

ेल्वो कार इंडिया के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि जीएसटी 2.0 ने लक्जरी वाहन खंड को सुव्यवस्थित किया है। कर संरचना में तर्कसंगत बदलाव के कारण आंशिक-हाइब्रिड एसयूवी ग्राहकों के लिए और अधिक आकर्षक हो गई हैं। प्रमुख मॉडल एक्ससी90 और एक्ससी60 की मासिक बिक्री में सुधार हुआ और दो अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि वोल्वो पूरी तरह इलेक्ट्रिक भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में भारत में बेची जाने वाली हर चार कारों में लगभग एक इलेक्ट्रिक वाहन है। 2026 में कंपनी और अधिक आक्रामक ईवी पेशकश करने की तैयारी कर रही है।

कंपनी ने 2025 में अपने इंटरनल कंबशन इंजन (आईसीई) पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाया। आंशिक-हाइब्रिड और आईसीई कारों की मजबूत मांग ने वोल्वो की बिक्री को स्थिर आधार प्रदान किया।

डीमार्ट का तीसरी तिमाही में मुनाफा 18 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख सुपरमार्केट चेन डीमार्ट ने दिसंबर 2025 में खत्म हुई तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 18.28 फीसदी बढ़कर 855.78 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल यह 723.54 करोड़ रुपये था। कुल रेवेन्यू 18,100.88 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल 15,972.55 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी के कुल खर्च 16,942.62 करोड़ रुपये तक बढ़ गए, जो पिछले साल 15,001.64 करोड़ रुपये थे। बोर्ड ने अंशुल असावा को 1 अप्रैल 2026 से सीईओ और एमडी बनाने की मंजूरी दी। मौजूदा सीईओ इग्नेशियस नवील नोरोन्हा 31 जनवरी 2026 को पद छोड़ेंगे।

ईपीएफ खाते में नाम या जन्मतिथि गलत? सुधार करना बेहद आसान

सुविधा उन्हीं सदस्यों को जिनका यूएएन 1 अक्टूबर 2017 से पहले एक्टिव हुआ

नई दिल्ली ।

अगर आपके कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) खाते में नाम की स्पेलिंग गलत है, जन्मतिथि मैच नहीं कर रही या वैवाहिक स्थिति में गड़बड़ी है, तो भविष्य में पीएफ निकालते समय परेशानी हो सकती है। हालांकि अब घबराने की जरूरत नहीं है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने प्रोफाइल सुधार की प्रक्रिया को काफी सरल बना दिया है। सही शर्तें पूरी होने पर कुछ ही स्टेप्स में आपका ईपीएफ रिकॉर्ड अपडेट हो सकता है। ईपीएफओ के नियमों के अनुसार मेंबर अपनी ईपीएफ प्रोफाइल में नाम, जन्मतिथि, वैवाहिक स्थिति, माता-पिता का नाम, जॉइनिंग डेट, लीविंग डेट और नेशनलिटी जैसी जानकारियों में सुधार कर सकते हैं। अलग-अलग परिस्थितियों के लिए ईपीएफओ ने स्पष्ट प्रक्रिया तय की है। कुछ शर्तें पूरी होने पर बिना किसी दस्तावेज के भी बदलाव किया जा सकता है। इसमें नाम, नेशनलिटी, माता-पिता का नाम, वैवाहिक स्थिति, जॉइनिंग डेट और लीविंग डेट शामिल हैं। यह सुविधा उन्हीं सदस्यों को मिलती है जिनका यूएएन 1 अक्टूबर 2017 से पहले एक्टिव हुआ हो और आधार से सत्यापित हो। अगर यूएएन 1 अक्टूबर 2017 से पहले एक्टिव है, तो बदलाव के लिए जॉइंट डिक्लेरेशन पर नियोक्ता की मंजूरी जरूरी होगी। वहीं, अगर यूएएन आधार से लिंक नहीं है या यूएएन मौजूद नहीं है, तो फिजिकल जॉइंट डिक्लेरेशन भरकर नियोक्ता के जरिए ईपीएफओ को भेजना होगा। अगर पुरानी कंपनी बंद हो चुकी है, तो जॉइंट डिक्लेरेशन पर किसी अधिकृत अधिकारी जैसे गजटेड ऑफिसर, नोटरी पब्लिक, सांसद, पोस्ट मास्टर या ग्राम पंचायत प्रमुख के हस्ताक्षर जरूरी होंगे। इसके बाद आवश्यक दस्तावेज ईपीएफओ ऑफिस में जमा कराने होंगे।

कंपनियों के नतीजों, वैश्विक कारकों से तय होगी बाजार की दिशा

– वैश्विक बाजारों, डॉलर की स्थिति, कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह 2.5 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर घरेलू स्तर पर कंपनियों के तिमाही परिणामों और वैश्विक कारकों पर होगी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले हफ्ते में निवेशकों का मूड इन नतीजों के आधार पर तय होगा। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे आने शुरू हो गए हैं।

सोमवार 12 जनवरी को एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टीसीएस अपने तिमाही परिणाम जारी करेंगे। इसके बाद 15 जनवरी को इंफोसिस और 16 जनवरी को टेक महिंद्रा के वित्तीय आंकड़े सामने आएंगे। टेक्नोलॉजी कंपनियों के नतीजे निवेशकों को इस सेक्टर की रिकवरी और मुनाफे के रुझानों के बारे में संकेत देंगे। बैंकों के तिमाही नतीजे भी निवेशकों के लिए अहम होंगे। 17 जनवरी को एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के नतीजे आने वाले हैं।

इसके अलावा सप्ताह के दौरान अन्य प्रमुख बैंकों के नतीजे भी जारी होंगे। बैंकिंग सेक्टर के आंकड़े आर्थिक गतिविधियों और ऋण की मांग का स्पष्ट संकेत देंगे।

निवेशकों की नजर केवल घरेलू नतीजों पर ही नहीं, बल्कि वैश्विक बाजारों, डॉलर की स्थिति, कच्चे तेल की कीमतों और ब्याज दरों पर भी होगी। ये कारक बाजार के रुझान को प्रभावित कर सकते हैं और निवेशकों की रणनीतियों में बदलाव ला सकते हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस हफ्ते का बाजार प्रदर्शन मुख्य रूप से तिमाही नतीजों और वैश्विक परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। निवेशक सतर्कता के साथ कंपनियों के नतीजों और आर्थिक संकेतकों पर ध्यान दे रहे हैं।

सिग्नेचर ग्लोबल की बिक्री में 27 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने रविवार को बताया कि दिसंबर तिमाही में उसकी बिक्री बुकिंग में 27 फीसदी की गिरावट आई। त्योहारी सीजन के बावजूद, इस दौरान कंपनी ने केवल 2,020 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं, जबकि पिछले साल समान तिमाही में 2,770 करोड़ रुपये की बिक्री हुई थी। कंपनी ने 408 इकाइयां बेचीं, जो पिछले साल की इसी अवधि के 1,518 इकाइयों से कम हैं। हालांकि, सिग्नेचर ग्लोबल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उनके प्रीमियम प्रोजेक्ट सर्वम को ग्राहकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है, खासकर द्वारका एक्सप्रेसवे पर स्थित 'डीएक्सपी एस्टेट' में। सिग्नेचर ग्लोबल ने 2025-26 के पहले नौ महीनों में स्वस्थ प्रदर्शन का दावा किया, लेकिन बिक्री में गिरावट का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया।

महानगरों से बाहर व्यक्तिगत परिवहन की मांग हो रही मजबूत

नई दिल्ली।

साल 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री वृद्धि ग्रामीण बाजारों में कहीं अधिक मजबूत रही। जहां शहरी क्षेत्रों में यात्री वाहनों की बिक्री 8 प्रतिशत बढ़ी, वहीं ग्रामीण इलाकों में यह वृद्धि 12 प्रतिशत दर्ज की गई। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि ग्रामीण भारत अब देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर की विकास कहानी में अहम भूमिका निभा रहा है। वाहन डीलरों के संगठन फाडा (फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन) के यह आंकड़े इस बात की ओर इशारा करते हैं कि महानगरों से बाहर व्यक्तिगत परिवहन की मांग लगातार मजबूत हो रही है। फाडा के मुताबिक, 2025 के दौरान ग्रामीण बाजारों में कुल 44.7 लाख यात्री वाहन बिके, जबकि 2024 में यह संख्या 41 लाख थी। इसके साथ ही वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों की हिस्सेदारी में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली। कुल यात्री वाहन बिक्री का लगभग 33 प्रतिशत हिस्सा सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का रहा। सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से बढ़कर 21 प्रतिशत हो गई, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 2.4 प्रतिशत से बढ़कर 4 प्रतिशत तक पहुंच गई। हालांकि हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी में हल्की गिरावट आई और यह 8.7 प्रतिशत से घटकर 8.2 प्रतिशत रह गई। दूसरी ओर पारंपरिक ईंधन वाले वाहनों की हिस्सेदारी में कमी देखी गई। पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की बिक्री हिस्सेदारी 2024 के 52 प्रतिशत से घटकर 2025 में 49 प्रतिशत रह गई, जबकि डीजल वाहनों की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही।

यह रुझान साफ तौर पर दिखाता है कि उपभोक्ता धीरे-धीरे वैकल्पिक और किफायती ईंधन विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। दिसंबर महीने में भी वाहन बिक्री की रफ्तार बनी रही। सालाना आधार पर दिसंबर में यात्री वाहनों की बिक्री में 26.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। खासतौर पर ग्रामीण बाजारों में दिसंबर के दौरान बिक्री 32.40 प्रतिशत तक बढ़ गई। दिसंबर 2024 में जहां 2,99,799 वाहन बिके थे, वहीं दिसंबर 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 3,79,671 यूनिट हो गया। फाडा के अध्यक्ष सीएस विघ्नेश्वर के अनुसार, इस मजबूत प्रदर्शन के पीछे कई कारक रहे। उन्होंने बताया कि अच्छी फसल पैदावार, अनुकूल मॉनसून और सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य ने ग्रामीण आय को सहारा दिया। इसके अलावा जीएसटी में कटौती, आयकर में राहत और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दरों में कमी से भी ग्रामीण उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता बढ़ी। कुल मिलाकर 2025 में भारत की कुल खुदरा वाहन बिक्री 2.82 करोड़ इकाई रही।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में 7.24 प्रतिशत, यात्री वाहनों में 9.70 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों में 6.71 प्रतिशत और ट्रैक्टरों की बिक्री में 11.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दिसंबर 2025 में उद्योग ने 20.3 लाख वाहनों की खुदरा बिक्री की, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 14.63 प्रतिशत अधिक रही।

इस सप्ताह दो कंपनियां अपने निवेशकों को देंगी बोनस शेयर

जिन निवेशकों के नाम रिकॉर्ड में होंगे, वही इस बोनस इश्यू के हकदार होंगे

नई दिल्ली ।

इस हफ्ते शेयर दो कंपे नियां अपने निवेशकों को बोनस शेयर देने पर विचार कर रही हैं। ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एआईआईएल) ने अपने शेयरधारकों को 4:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि जिन निवेशकों के पास 1 शेयर है, उन्हें 4 अतिरिक्त बोनस शेयर मिलेंगे। कंपनी ने इसके लिए 13 जनवरी 2026 को एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट तय की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के नाम रिकॉर्ड में होंगे, वही इस बोनस इश्यू के हकदार होंगे। ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में सक्रिय है और यह कदम निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। वहीं एग्रोकेमिकल सेक्टर की कंपनी बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड भी अगले हफ्ते बोनस शेयर जारी करेगी। कंपनी ने 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर देने का निर्णय लिया है। यानी जिन निवेशकों के पास 2 शेयर हैं, उन्हें 1 अतिरिक्त शेयर मिलेगा। इसके लिए कंपनी ने 16 जनवरी 2026 को एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है।

एनएसई आईपीओ को राहत, सेबी से मिल सकता है एनओसी

2016 से अटका आईपीओ अब अंतिम चरण में, 8-9 महीनों में हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आईपीओ को लेकर एक अहम और सकारात्मक खबर सामने आई है। देश के बाजार नियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) से एनएसई को इसी महीने नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मिलने की संभावना है। यह जानकारी सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने चेन्नई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। सेबी के चेयरमैन ने कहा कि महीने के अंत से पहले एनएसई को मंजूरी मिल सकती है। इसके बाद आईपीओ की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना पूरी तरह से एनएसई पर निर्भर करेगा। एनओसी मिलने से एनएसई के लिए शेयर बाजार में लिस्ट होने का रास्ता साफ हो जाएगा। एनएसई का आईपीओ वर्ष 2016 से लंबित है। को-लोकेशन और डार्क फाइबर एक्सेस से जुड़े नियामकीय और कानूनी मामलों के चलते आईपीओ प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई। एनएसई ने 2016 में डीआरएचपी दाखिल किया था और इसके बाद कई बार सेबी से एनओसी के लिए संपर्क किया। सीईओ के अनुसार, एनओसी मिलने के बाद एक्सचेंज को लिस्ट होने में करीब 8 से 9 महीने का समय लग सकता है। उल्लेखनीय है कि एनएसई के पास पहले से ही लगभग 1.72 लाख शेयरहोल्डर्स हैं और कंपनी में किसी प्रमोटर की हिस्सेदारी नहीं है।

दुनिया में मंदी: भारत में आर्थिक मजबूती की रोशनी

ललित गर्ग

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहाँ अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएँ मंदी और ऋण संकट से जूझ रही हैं, चीन की विकास गति में स्पष्ट सुस्ती दिखाई दे रही है, और अनेक विकासशील देशों पर ऋण, महंगाई तथा बेरोजगारी का बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐसे वातावरण में भारत का अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन यह दर्शाता है कि बीते एक दशक में अपनाई गई नीतियां केवल तात्कालिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं।

वैश्विक चुनौतियों, भू-राजनीतिक तनावों, युद्धों, महामारी के पश्चात बनी अस्थिरताओं, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और महँगाई के दबावों के बीच जब दुनिया की अनेक बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ लड़खड़ा रही हैं, तब भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़े आँकड़े आशा, भरोसे और आत्मविश्वास की एक सशक्त किरण बनकर उभरे हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़ों से स्पष्ट है लगभग 7.4 प्रतिशत की विकास दर पर कायम रहना केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई आर्थिक नीतियों की दृढ़ता, दूरदर्शिता, पारदर्शिता और संतुलन का प्रमाण है। जिसमें विनिर्माण, सेवाएं और सरकारी व्यय वृद्धि को गति मिलेगी। जाहिर है, इसका असर नौकरी, महंगाई, आमदनी, कर्ज, कर और सरकारी सुविधाओं पर पड़ेगा। ग्रामीण इलाकों में कृषि से जुड़े रोजगार में बढ़ोतरी हो सकती है, जो यह संकेत देता है कि भारत न केवल वैश्विक अस्थिरताओं से स्वयं को बचाने में सक्षम रहा है, बल्कि अवसरों को साधकर अपनी विकास-यात्रा को निरंतर गति भी दे रहा है।

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहाँ अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएँ मंदी और ऋण संकट से जूझ रही हैं, चीन की विकास गति में स्पष्ट सुस्ती दिखाई दे रही है, और अनेक विकासशील देशों पर ऋण, महंगाई तथा बेरोजगारी का बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐसे वातावरण में भारत का अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन यह दर्शाता है कि बीते एक दशक में अपनाई गई नीतियां केवल तात्कालिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। मोदी सरकार ने आर्थिक सुधारों को केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर लागू करने का प्रयास किया, चाहे वह कर प्रणाली में सुधार हो, बुनियादी ढाँचे में निवेश हो या डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार। जिससे कर संग्रह और राजकोषीय घाटे पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। व्यापक अर्थव्यवस्था और आगामी केंद्रीय बजट दोनों के दृष्टिकोण से यह अच्छी बात है। जीडीपी दर के समांतर महंगाई काबू में रहे तो केंद्रीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें घटा सकता है, जिसका सीधा असर कर्ज की किस्त पर पड़ सकता है। साथ ही, सरकार को मिलने वाला कर राजस्व बढ़ सकता है, जिससे ढांचागत और समाज कल्याण की योजनाओं पर खर्च बढ़ाया जा सकता है। शेयर बाजार में तेजी से म्यूचुअल फंड, भविष्य निधि आदि पर सकारात्मक असर हो सकता है। जीडीपी की दर 2024-25 में 6.5 फीसद की तुलना में अधिक है और यह मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवाओं में वृद्धि के सुधार का नतीजा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक दृष्टि का मूल आधार ह्यसुधार, प्रदर्शन और परिवर्तनह्न रहा है। वस्तु एवं सेवा कर जैसे बड़े सुधारों ने भारतीय बाजार को एकीकृत किया, व्यापार को सुगम बनाया और कर-संग्रह की पारदर्शिता बढ़ाई। प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद, आज जीएसटी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थायी आधार बन चुका है। इसके साथ ही दिवालियापन एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों की स्थिति को मजबूत किया, जिससे फंसे हुए ऋणों की समस्या पर काफी हद तक अंकुश लगा। बैंकिंग प्रणाली की यह मजबूती ही है, जिसने निवेश और उद्यमिता को नई ऊर्जा दी है। मोदी सरकार की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही है कि उसने घरेलू मांग को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि क्षेत्र और मध्यम वर्ग को सहारा देने वाली योजनाओं ने उपभोग को बनाए रखा। बुनियादी ढाँचे में बड़े पैमाने पर निवेश ने न केवल रोजगार के अवसर पैदा किए, बल्कि दीर्घकाल में उत्पादन और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में भी मदद की। सड़कें, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे और डिजिटल नेटवर्क-इन सभी क्षेत्रों में हुए विस्तार ने भारत को एक अधिक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक मजबूती का एक बड़ा कारण उसकी संतुलित विदेश नीति और पड़ोसी देशों के साथ व्यावहारिक संबंध भी हैं। जहां एक ओर भारत ने विकसित देशों के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को सुदृढ़ किया, वहीं दूसरी ओर पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने का प्रयास किया। यह संतुलन भारत को बाहरी झटकों से अपेक्षाकृत सुरक्षित रखता है। ऊर्जा, रक्षा, खाद्य सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों ने भी भारत की रणनीतिक और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत किया है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने भारत की अर्थव्यवस्था में नवाचार और उद्यमिता की नई लहर पैदा की। आज भारत दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है। फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में हुए नवाचार न केवल घरेलू बाजार को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारत की पहचान बना रहे हैं। डिजिटल भुगतान प्रणाली ने वित्तीय समावेशन को बढ़ाया, जिससे आर्थिक गतिविधियों का दायरा विस्तृत हुआ और पारदर्शिता में सुधार आया।

महत्त्वपूर्ण यह भी है कि मोदी सरकार ने आर्थिक विकास को सामाजिक कल्याण से अलग नहीं किया। गरीबों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने वाली योजनाओं ने सामाजिक स्थिरता को बनाए रखा, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए अनिवार्य होती है। सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति ने एक ऐसी नींव तैयार की, जिस पर टिकाऊ विकास संभव हो सका। यही कारण है कि वैश्विक संकटों के बावजूद भारत की आंतरिक मांग और विश्वास कमजोर नहीं पड़ा। आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यह स्थिति केवल वर्तमान उपलब्धि नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का संकेत है। वर्ष 2047, जब भारत अपनी आजादी के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब दुनिया की सर्वोच्च अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य अब केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित यात्रा का परिणाम प्रतीत होता है। जनसांख्यिकीय लाभ, युवा शक्ति, तकनीकी क्षमता और राजनीतिक स्थिरताकृये सभी तत्व भारत को इस लक्ष्य के करीब ले जा रहे हैं।

निस्संदेह चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वैश्विक परिस्थितियां कभी भी अचानक बदल सकती हैं, जलवायु परिवर्तन, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक तनाव नई कठिनाइयां पैदा कर सकते हैं। लेकिन जिस आत्मविश्वास, अनुशासन और दूरदर्शिता के साथ भारत ने अब तक इन चुनौतियों का सामना किया है, वह यह भरोसा देता है कि देश आगे भी संतुलन बनाए रखते हुए प्रगति करता रहेगा। 7.4 प्रतिशत की विकास दर केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस उजली तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों की स्पष्ट छाप दिखाई देती है। निर्णायक नेतृत्व, दीर्घकालिक सोच और सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता ने भारत को एक ऐसे मोड़ पर खड़ा कर दिया है, जहां संभावनाएं अनंत हैं। वैश्विक असंतुलन और अनिश्चितताओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का मजबूत बने रहना न केवल देशवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया के लिए भी एक संदेश है कि स्थिरता, संतुलन और आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलकर कोई भी राष्ट्र वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदल सकता है। यही भारत की आर्थिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि और आने वाले दशकों की सबसे बड़ी आशा की किरण है। इन सब सकारात्मक स्थितियों के बावजूद जरूरत इस बात की भी है कि अर्थव्यवस्था की ठोस मजबूती के लिए उन पहलुओं पर भी गौर किया जाए, जिनकी अनदेखी हो रही है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

विश्व को खतरे में डालते ट्रंप

नए वर्ष का आगमन होते ही एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में अमेरिकी सेना वेनेजुएला पर हमला कर वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी समेत उठाकर अमेरिका ले आई। विश्व को हैरान करने वाली इस घटना को पहले तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति के कथित संरक्षण में चल रहे नारकोटिक्स आतंक से जोड़ा, लेकिन शीघ्र ही यह स्पष्ट हो गया कि इस हमले का मूल उद्देश्य वेनेजुएला के तेल भंडारों पर कब्जा करना था। वेनेजुएला में कच्चे तेल के सबसे अधिक भंडार हैं। ट्रंप ने जिस तरह यह कहा कि अब वेनेजुएला के तेल को अमेरिका बेचेगा और वहां की अंतरिम राष्ट्रपति को उनका सहयोग करना होगा, उससे साफ है कि अमेरिकी राष्ट्रपति दादागीरी पर उतर आए हैं। वे संयुक्त राष्ट्र चार्टर के साथ अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इसकी कल्पना करना कठिन था कि लोकतंत्र की दुहाई देने वाला अमेरिका किसी देश के राष्ट्रपति का अपहरण कर लेगा, लेकिन ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने ऐसा ही किया। यह चोरी और सीनाजोरी ही है। अमेरिका ऐसी हरकतें पहले भी करता रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से उसने अपने संकीर्ण स्वार्थों को पूरा करने के लिए अनेक देशों पर हमले किए अथवा वहां छल-छद्म से तख्तापलट कराया। इस कोशिश में उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी, लेकिन वह सबक सीखने को तैयार नहीं। अमेरिका को वियतनाम में मात मिली। इसके बाद अफगानिस्तान, इराक और लीबिया में भी वह वैसा कुछ नहीं कर सका, जिसका दावा कर उसने इन देशों पर हमला किया था। वह इन देशों में कुल मिलाकर नाकाम ही रहा। उसकी इस नाकामी का दुष्परिणाम इन देशों ने अस्थिरता और अशांति के रूप में देखा। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की विश्व के अनेक देशों ने निंदा की, लेकिन कई देश ऐसे भी रहे, जिन्होंने ट्रंप की सैन्य कार्रवाई का समर्थन किया अथवा जो मौन बने रहे। चूंकि अमेरिका एक बड़ी आर्थिक एवं सैन्य शक्ति है, इसलिए कोई भी देश एक सीमा से अधिक उसका विरोध करने की स्थिति में नहीं। ट्रंप इसी का लाभ उठाकर मनमानी कर रहे हैं। उनके बेलगाम होने का एक कारण यह है कि उसे चुनौती दे सकने वाला रूस यूक्रेन युद्ध में उलझा है। करीब चार साल पहले यूक्रेन पर रूस का हमला उसकी मनमानी ही था। लगता है उसकी इस हरकत ने ट्रंप को भी मनमानी करने का मौका दिया। अब वे बेलगाम हैं। वेनेजुएला पर हमले के बाद वे डेनमार्क के स्वायत्तशासी क्षेत्र ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कर रहे हैं। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। ट्रंप इस बहाने ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहते हैं कि उस पर रूस और चीन की निगाह है। उनका कहना है कि अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा होना चाहिए। ग्रीनलैंड में अकूत प्राकृतिक संपदा है, जिसका अभी तक दोहन नहीं किया गया है। अमेरिका के अंदर यह विचार पहले भी रहा है कि जिस तरह अलास्का उसके नियंत्रण में आया, उसी तरह ग्रीनलैंड भी आए। ट्रंप उस पर सैन्य कार्रवाई के जरिये कब्जा करने के अलावा उसे खरीदने की बात भी कह रहे हैं। हालांकि वहां के लोग इसका विरोध कर रहे हैं, लेकिन वे बेपरवाह हैं। उन्हें डेनमार्क के साथ यूरोपीय देशों की नाराजगी की भी चिंता नहीं, जबकि वे नाटो के भविष्य को खतरे में बता रहे हैं। ट्रंप किस तरह अहंकार से भरे हुए हैं, इसका पता उनके इस कथन से चलता है कि उनकी आक्रामकता को सिर्फ वही रोक सकते हैं और अमेरिकी हितों के आगे किसी अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून का कोई महत्व नहीं।

चिंतन-मनन

उद्यम में है लक्ष्मी का वास

काम का ढेर देखकर कभी घबराना नहीं। मनुष्य काम करने के लिए ही जन्मा है। वह नहीं चाहेगा तो भी उसे काम करना ही पड़ेगा। जो कर्तव्य-कर्म करने में उत्साही है, वही दूसरों के लिए उपयोगी होने का सुख भोग सकता है। उद्यम में लक्ष्मी का वास है और आलस्य में अलक्ष्मी का। उद्यमी को देखकर कमनसीबी डरके भाग जाती है। उद्यम करने पर भी कभी ध्येय सिद्ध न हो तो भी उदास न हों, क्योंकि पुरुषार्थ अथवा प्रयत्न स्वयं ही एक बड़ी सिद्धि है। दुःख से कभी डरें नहीं, बल्कि उसे देखकर उसके सामने हँसें। आपको हँसते देखकर दुःख स्वयं ही डरके भाग जाएगा। मानव को दुःख का शिकार नहीं होना चाहिए, न ही सुख में फूलना चाहिए।

सुख सपना दुःख बुलबुला, दोनों हैं मेहमान।
दोनों बीतन दीजिए, जो भेजें भगवान?

विवेकानंद के विचार और भारत की युवा ऊर्जा

योगेश कुमार गोयल

वर्तमान परिवेश में समाज में चारों तरफ अपराधों तथा भ्रष्टाचार का जो मकड़जाल फैल चुका है, वह घुन बनकर न सिर्फ देश को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है बल्कि युवा वर्ग भी भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के इस दूषित माहौल में हताश व निराश है। ऐसे में युवा वर्ग सही मार्ग से न भटके, इसके लिए युवा शक्ति को जागृत कर उसे देश के प्रति कर्त्तव्यों का बोध कराते हुए सही दिशा में प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना और उचित मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में राष्ट्रीय युवा दिवस की प्रासंगिकता बहुत बढ़ जाती है, जो प्रतिवर्ष स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर 12 जनवरी को मनाया जाता है। हमें भूलना नहीं चाहिए कि देश की आजादी की लड़ाई में अपना सब कुछ बलिदान कर लोगों में क्रांति का बीजारोपण करने वाले अधिकांश युवा ही थे। स्वामी विवेकानंद, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुखदेव, राजगुरू इत्यादि देश के अनेक युवाओं ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने निजी जीवन के समस्त सुखों का त्याग कर दिया था और अपना समस्त जीवन देश के लिए न्यौछावर कर दिया था लेकिन आधुनिक युग में हम स्वार्थी बनकर ऐसे क्रांतिकारी युवाओं की जीवन गाथाओं को भूल रहे हैं और हम सब धीरे-धीरे भ्रष्ट तंत्र का हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे ही क्रांतिकारी युवा महापुरूषों की जीवन गाथाओं के जरिये देश की युवा पीढ़ी को समाज में व्याप्त गंदगी से बचाकर देश के विकास में उसका सदुपयोग किया जा सके, इसी उद्देश्य से आधुनिक भारत के महान चिंतक, दार्शनिक, समाज सुधारक, युवा सन्यासी स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को ही प्रतिवर्ष ह्लराष्ट्रीय युवा दिवसह्न के रूप में मनाया जाता है, जो बहुत कम आयु में अपने विचारों के चलते समस्त जगत में अपनी एक विशेष पहचान बनाने में सफल हुए थे।

स्वामी विवेकानंद के वक्तव्यों का आम जनमानस और खासकर युवाओं के मनोमस्तिष्क पर कितना प्रभाव पड़ता था, इसका उनके शिकागो भाषण से बेहतर उदाहरण नहीं मिल सकता। 11 सितम्बर 1893 को जब शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत उन्होंने ह्यमेरे अमेरिकी भाइयों और बहनोंह्न के साथ की थी तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही थी। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया था। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। उन्होंने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसंबर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। 4 जुलाई 1902 को इसी रामकृष्ण मठ में ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए।

स्वामी विवेकानंद सही मायनों में युवाओं के प्रेरणास्त्रोत और आदर्श व्यक्त्वि के धनी थे, जिन्हें उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। विवेकानंद सदैव कहा करते थे कि उनकी आशाएं देश के युवा वर्ग पर ही टिकी हुई हैं। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में स्वामी जी अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। उन्होंने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए हमेशा युवा शक्ति पर भरोसा किया। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने अनेक मूलमंत्र दिए।

क्या ईरान के लिये अब परमाणु परीक्षण जरूरी हो गया है...

तनवीर जाफ़री

पिछले दिनों सनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के निर्देश पर जिसतरह वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई करते हुये अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की राजधानी कराकस से वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उनकी पत्नी का बलात अपहरण कर उन्हें न्यूयार्क ले जाया गया उसने पूरी दुनिया को न केवल अचंभे में डाल दिया है बल्कि इस घटना ने एक नई विश्व व्यवस्था व नये वैश्विक शक्ति संतुलन के गठन की संभावना को भी प्रबल कर दिया है। कितना आश्चर्य है कि नोबल शांति पुरस्कार की चाहत रखने वाले राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी शक्तियों का दुरुपयोग कर इस दुनिया को जंगल राज की तरह चलाना चाह रहे हैं/ वेनेजुएला पर की गयी गैर कानूनी अमेरिकी कार्रवाई कई संकेतों की ओर इशारा कर रही है। एक तो यह कि क्या यह विश्व की उदारवादी सोच रखने वाली ताकतों को विश्व की पूंजीवादी व अतिवादी व्यवस्था की ओर से दी जाने वाली यह एक सीधी चुनौती है/ गौरतलब है कि ट्रंप परिवार की गिनती भी अमेरिका के बड़े पूंजीवादी घरानों में की जाती है। या फिर यह चीन व रूस जैसे देशों एक साथ ललकारने की ट्रंप की नीति का हिस्सा है/ और अब कोलंबिया, क्यूबा, मैक्सिको और ईरान जैसे देशों पर अमेरिकी सैन्य या आर्थिक दबाव की आशंका व्यक्त की जा रही है। साथ ही अमेरिका द्वारा ग्रीनलैंड पर भी अधिग्रहण की धमकी दी जा चुकी है।

ऐसे में दुनिया के सामने दो ही विकल्प बचे हैं एक तो यह कि दूसरे देशों की स्वतंत्रता व संप्रभुता का सम्मान करने वाले सभी देश वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का विरोध करते हुये हर स्तर पर एकजुट होकर अमेरिका का मुकाबला करें। दूसरा यह कि 'जिसकी लाठी उसी की भैंस' वाली अमेरिकी नीति का ही अनुसरण करते हुये पूरी दुनिया ही जंगल राज में बदल जाये। हर ताकतवर देश अपनी पड़ोसी कमजोर देश को निगलने की मानवता व न्याय विरोधी रक्तरंजित योजना पर काम करे। उदाहरण के तौर पर चीन ताइवान को हड़प ले और रूस यूक्रेन पर अपना आधिपत्य स्थापित कर ले/ इस्त्राईल, फिलिस्तीन लेबनान सीरिया पर नियंत्रण कर अपने वृहत्तर इस्त्राईल के नापाक मंसूबे पर आगे बढ़े/ और इन्हीं खतरनाक संभावनाओं के बीच एक उपाय यह भी है कि ईरान परमाणु परीक्षण के द्वारा उत्तर कोरिया की तरह एक ऐसी आत्म रक्षक व ₹निवारक₹ रणनीति पर काम करे जो अमेरिका को भी युद्ध से पीछे हटने पर मजबूर कर दे/ तो क्या लंबे समय से चले आ रहे तमाम ईरान विरोधी प्रतिबंधों के बावजूद उस के सामने इस समय वैसी ही स्थिति पैदा हो चुकी है कि आत्मरक्षा के लिये अब उसे परमाणु संपन्न देशों के क्लब में शामिल होना जरूरी हो गया है.

गौरतलब है कि गत 13 जून-24 जून 2025 के मध्य चला बारह दिवसीय ईरान-इजराइल युद्ध उस समय शुरू हुआ था जब इजराइल ने ईरान के कई सैन्य और परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी और ईरान के कई प्रमुख सैन्य अधिकारियों, परमाणु वैज्ञानिकों व प्रमुख राजनेताओं की हत्या कर दी थी साथ ही अनेक नागरिकों को भी मार दिया था। इजराइल ने उस समय ईरान की वायु सुरक्षा को भी नुक़्सान पहुँचाया था और कई जगह तो इसे पूरी तरह नष्ट भी कर दिया था। इतना ही नहीं बल्कि अमेरिका ने भी इस्त्राईल के समर्थन में 22 जून को तीन ईरानी परमाणु स्थलों पर बमबारी की। परन्तु बाद में मुंहतोड़ जवाबी कार्रवाई करते हुये ईरान ने 550 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों और 1, 000 से अधिक आत्मघाती ड्रोनों के साथ बड़े पैमाने पर इस्त्राईल में राजधानी तेल अवीव सहित कई शहरों पर भीषण हमले किये। कम से कम बारह सैन्य, ऊर्जा और सरकारी स्थलों को निशाना बनाया। यहाँ तक कि कई अमेरिकी सैन्य लक्ष्यों को भी निशाना बनाया। उस दौरान भी पश्चिमी मीडिया ईरानी सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामनेई को लेकर बार बार तरह तरह की अफवाह उड़ा रहा था। कभी उन्हें भूमिगत बता देता था तो कभी उनके ईरान छोड़कर भाग जाने की खबर फैला देता था। उस समय भी आयतुल्लाह खामनेई जनता को संबोधित करने के लिये सार्वजनिक रूप से दिखाई देते थे और पिछले दिनों भी बिल्कुल वैसा ही दृश्य देखने को मिला। इस बार भी 'भूमिगत' होने व 'मास्को भागने की तैयारी' जैसी अफवाहों के बीच गत शुक्रवार को पुनः आयतुल्लाह खामनेई जनता के सामने आये तथा बेखौफ होकर खुद अमेरिका को ही हिदायत व नसीहत करते सुने गए। परन्तु ट्रंप के नेतृत्व वाला वर्तमान अमेरिका वेनेजुएला की घटना के बाद तो पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। दुनिया में सबसे अधिक तेल भण्डार रखने वाले अमेरिका को विश्व के अन्य तेल उत्पादक देशों से अपनी शर्तों पर तेल चाहिये। चाहे इसके लिये कोई भी बहाना बनाकर किसी राष्ट्रपति का अपहरण तक क्यों न करना पड़े। जाहिर है ईरान भी वेनेजुएला की ही तरह दुनिया के उन गिने चुने तेल उत्पादक देशों में एक है जो अमेरिका को 'सर्वशक्तिमान ' भी नहीं मानता और न ही उसकी 'वैश्विक थानेदारी ' को स्वीकार करता है। जबकि 1979 की ईरानी इस्लामिक क्रांति से पहले का रजा शाह पहलवी का ईरानी शासन अमेरिका का पिट्ठू शासन था। उसी समय से ईरान न केवल अमेरिकी बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा लगाये गयी अनेक प्रतिबंध भी झेलता आ रहा है जोकि निश्चित रूप से ईरान की अर्थव्यवस्था को बेहद कमजोर कर रहा है। इन प्रतिबंधों के बावजूद अपने अत्यंत सीमित संसाधनों के बल पर ईरान ने शिक्षा, विज्ञान यहाँ तक कि अंतरिक्ष विज्ञान तक के क्षेत्र में जो तरक़्क़ी की है उसी की झलक गत वर्ष के बारह दिवसीय ईरान-इजराइल युद्ध में भी देखने को मिली। परन्तु अब बात इस्त्राईल की नहीं बल्कि ईरान को सीधे अमेरिका चुनौती दे रहा है। ईरान में चल रहे सरकार विरोधी व अमेरिका - इस्त्राईल समर्थित प्रदर्शनों को लेकर अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि प्रदर्शनकारियों को मारा गया तो अमेरिका ईरान पर बड़े हमले करेगा। ऐसे में ईरान, अमेरिकी हमलों से बचने के लिये आखिर कौन सी रणनीति अपना सकता है/ क्या ईरान द्वारा परमाणु परीक्षण किया जाना भी इन्हीं संभावनाओं में एक सबसे प्रमुख है/ क्या निकट भविष्य में ईरान भी परमाणु परीक्षण कर ₹परमाणु क्लब₹ में शामिल हो जाएगा ताकि अमेरिका व इजराइल जैसे देशों को सैन्य हमले से रोका जा सके/ यदि ईरान में उपजे सत्ता विरोधी प्रदर्शनों के बीच ईरान रूस और चीन जैसे सहयोगी देशों की मदद से परमाणु परीक्षण करता है तो इससे ईरान की जनता में सुरक्षा, स्वाभिमान तथा राष्ट्रवाद बढ़ेगा तो बढ़ेगा ही साथ ही वहां आंतरिक राष्ट्रीय एकता भी बढ़ेगी। इसके अलावा ईरान का क्षेत्रीय प्रभाव भी बढ़ेगा साथ ही अमेरिकी एकध्रुवीयता का विरोध करने वाले देशों को भी मजबूती मिलेगी। इसके अलावा दशकों से अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण दबाव का सामना करती आ रही ईरान की अर्थव्यवस्था में इस परीक्षण से JCPOA के रूप में कई नई संभावनाएँ भी खुल सकती हैं। वैसे भी उत्तर कोरिया द्वारा किये गये परमाणु परीक्षण के बाद ही ट्रंप-की उत्तर कोरिया राष्ट्रपति किम जोंग के साथ 27 -28 फरवरी 2019 को वेतनाम के हनोई में मुलाकात हुई थी। गोया आज की दुनिया में खासकर अमेरिकी वर्चस्व वाली दुनिया में यदि किसी देश को अपना अस्तित्व बचाकर रखना है तो उसका परमाणु संपन्न देश होना जरूरी हो चुका है। अन्यथा कभी भी इराक-वेनेजुएला-गजा-सीरिया-लेबनान यानी कहीं भी कुछ भी हो सकता है.

संक्षिप्त समाचार

अर्जेंटीना की अदालत से वेनेजुएला के लोगों को उम्मीद

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना की एक संघीय अदालत ने गुरुवार को वेनेजुएला के नेशनल गार्ड के सदस्यों द्वारा किए गए मानवता के खिलाफ कथित अपराधों की जांच जारी रखने के लिए न्यायपालिका को आदेश दिया। कोर्ट ने एक पूर्व अधिकारी की अपील को खारिज कर दिया, जिसने तर्क दिया था कि अर्जेंटीना के पास वेनेजुएला के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। न्यायाधीशों ने मांग की है कि अर्जेंटीना सार्वभौमिक क्षेत्राधिकार के सिद्धांत के तहत मामले को आगे बढ़ाए, जिसके तहत किसी भी राष्ट्रीयता के मानवाधिकार उल्लंघनकर्ताओं पर किसी भी देश में आरोप लगाया जा सकता है, चाहे अपराध कहीं भी किए गए हों।

पाकिस्तान में इमरान खान समर्थक की पुलिस की कार्रवाई में मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के खिलाफ सेना और सरकार की दमनपूर्वक कार्रवाई जारी है। ताजा घटना में पंजाब पुलिस की कार्रवाई में एक पीटीआई समर्थक की मौत हो गई है। पीटीआई ने यह दावा किया है। दरअसल पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पीटीआई विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। उससे पहले पंजाब पुलिस की कार्रवाई में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के एक समर्थक की गुरुवार को मौत हो गई, जबकि दर्जनों अन्य को गिरफ्तार किया गया। हालांकि पंजाब पुलिस ने किसी को भी गिरफ्तार करने से इनकार किया और यह भी कहा कि खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थक की मौत में उसकी कोई भूमिका नहीं है। खान की पार्टी ने दो साल पहले आम चुनावों में 'चुराए गए जनादेश' के विरोध में 8 फरवरी को एक बड़े प्रदर्शन की घोषणा पहले ही कर दी है। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं, जब उन्हें पहली बार गिरफ्तार किया गया था। अप्रैल 2022 में उनकी सरकार गिरने के बाद खान के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं।

मुनीर से मिले बांग्लादेशी वायुसेना प्रमुख, द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर की चर्चा

इस्लामाबाद, एजेंसी। बांग्लादेश के वायुसेना प्रमुख हसन महमूद खान ने गुरुवार को पाकिस्तान के मुख्य रक्षा बल प्रमुख (सीडीएफ) आसिम मुनीर से मुलाकात कर द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर चर्चा की। यह बैठक रावलपिंडी स्थित जनरल हेडक्वार्टर्स में हुई। बैठक में आपसी हितों से जुड़े मुद्दों, क्षेत्रीय सुरक्षा हालात और रक्षा व सैन्य सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्षों ने पाकिस्तान और बांग्लादेश की सशस्त्र सेनाओं के बीच पेशेवर सहयोग, प्रशिक्षण आदान-प्रदान और रक्षा संबंधों को और सुदृढ़ करने के महत्व पर जोर दिया। वहीं, मुनीर ने बांग्लादेश के साथ दीर्घकालिक और मजबूत रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई। हसन महमूद खान ने इस्लामाबाद स्थित नौसेना मुख्यालय में पाकिस्तान के नौसेना प्रमुख नवीद अशरफ से भी मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा और द्विपक्षीय नौसैनिक सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई।

विवेक रामास्वामी के परिवार का बॉडीगार्ड ड्रग तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के रिपब्लिकन नेता विवेक रामास्वामी के परिवार का बॉडीगार्ड ड्रग तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बेलेफॉन्टेन के 43 वर्षीय जस्टिन साल्सबरी और उनकी पत्नी रूथएन रैंकिन पर पिछले महीने के आखिर में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की तस्करी की साजिश रचने और उन्हें रखने का आरोप लगाया गया था। रामास्वामी ओहायो राज्य के गवर्नर पद का चुनाव लड़ रहे हैं। रामास्वामी की प्रचार टीम ने एक बयान जारी कर बताया कि साल्सबरी को रामास्वामी परिवार द्वारा सुरक्षा सेवाओं के लिए हायर की गई एक प्राइवेट सिक्योरिटी फर्म ने नौकरी पर रखा था। फिलहाल मामले की जानकारी मिलते ही उसे परिवार की सुरक्षा टीम से तुरंत हटा दिया गया है।

ट्रंप ने फिर अलापा वही पुराना बेसुरा राग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर पुराना राग अलापते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष खत्म कराने का दावा किया है। ट्रंप अब तक करीब 70 बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोका था। ट्रंप ने गुरुवार को एक अमेरिकी चैनल को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मैंने आठ युद्ध, साढ़े आठ युद्ध रोके, क्योंकि थाईलैंड और कंबोडिया ने फिर से लड़ना शुरू कर दिया था।' उन्होंने कहा कि थ्योरी के हिसाब से हर युद्ध रोकने के लिए नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। ट्रंप ने कहा, 'कुछ युद्ध 30 साल से चल रहे थे। भारत, पाकिस्तान बड़े युद्ध के लिए तैयार थे। और ये दोनों परमाणु देश हैं। मैंने उसे रुकवाया। आठ विमान गिराए गए थे। यह एक बड़ा मामला था।'

अमेरिकी राष्ट्रपति, तुम्हारा भी पतन होगा

खामेनेई ने ट्रंप को ललकारा, फिरौन और निमरोद का जिक्र

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने शुक्रवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला। उन्होंने ट्रंप पर दुनिया को अहंकार के साथ परखने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि इतिहास में ऐसे घमंडी और अत्याचारी शासक अपने सत्ता-शिखर पर ही पतन का शिकार हुए हैं। एक्स पर जारी पोस्ट में खामेनेई ने कहा कि इतिहास गवाह है- फिरौन, निमरोद और ईरान के पूर्व शाह मोहम्मद रजा पहलवी जैसे शासकों का अंत तब हुआ, जब वे अपने घमंड की चरम अवस्था में थे।

खामेनेई ने लिखा- 'अमेरिकी राष्ट्रपति जो पूरी दुनिया के बारे में घमंड से फैसले करते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि दुनिया के तानाशाहों और घमंडी शासकों का पतन तब हुआ जब वे अपने घमंड के चरम पर थे। तुम्हारा भी पतन होगा।' खामेनेई के बयान में धार्मिक और ऐतिहासिक प्रतीकों का संदर्भ था- फिरौन को इस्लामी और बाइबिल परंपराओं में अत्याचार के प्रतीक के रूप में देखा जाता है; निमरोद को अब्राहमिक ग्रंथों में निरंकुश शासक माना जाता है; मोहम्मद रजा पहलवी को 1979 की इस्लामी क्रांति में सत्ता से बेदखल कर दिया गया था और जिनकी बाद में निर्वासन में मृत्यु हुई।

फिरौन, निमरोद कौन थे? : फिरौन मिस्र के प्राचीन बादशाहों की एक उपाधि थी, जैसे आज राजा या सम्राट कहते हैं। लेकिन कुरान और बाइबल में जब फिरौन का जिक्र आता है, तो ज्यादातर मामलों में वह हजरत मूसा के समय का मिस्र का वह क्रूर बादशाह होता है। वह खुद को खुदा/भगवान घोषित करता था। बनी इसराइल (यहूदियों) पर बहुत जुल्म करता था। उनके नवजात बेटों को मार डालने का हुक्म देता था। आखिर में लाल सागर में डूबकर मर गया।

निमरोद बाबुल/इराक (मेसोपोटामिया) का एक बहुत शक्तिशाली और अत्याचारी बादशाह था। वह हजरत इब्राहीम के समय का शासक माना जाता है। उसने भी खुद को खुदा घोषित किया था। हालांकि कुरान में उसका नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया गया, लेकिन सूरह अल-बकरह में वर्णित वह बादशाह जिसने इब्राहीम से खुदाई के बारे में बहस की थी, उसे इसी निमरोद से तस्सूर किया जाता है। इस्लामी रिवायतों में कहा जाता है कि उसकी मौत एक छोटे से मच्छर के काटने से हुई, जो उसके दिमाग में घुस गया था (अत्यंत छोटी चीज से बहुत बड़े अहंकारी का अंत)।

रजा पहलवी फिर सुर्खियों में : ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी एक बार फिर चर्चा में हैं। वे ईरान के आखिरी शाह- मोहम्मद रजा पहलवी के पुत्र हैं। हालांकि वह जमीनी स्तर पर प्रदर्शनों का नेतृत्व नहीं कर रहे, फिर भी इस्लामी गणराज्य के मुखर आलोचक के तौर पर उन्होंने प्रदर्शनकारियों के समर्थन में लगातार बयान दिए हैं।

हालिया उथल-पुथल के दौरान रजा पहलवी ने ईरानियों से शांतिपूर्ण प्रतिरोध जारी रखने की अपील की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कहा कि वह शासक धार्मिक प्रतिष्ठान के बजाय ईरानी जनता का साथ दे। उन्होंने प्रदर्शनों को किसी एक नेता या विचारधारा से जुड़ी पहल नहीं, बल्कि आर्थिक बदहाली, दमन और दशकों से अधूरे वादों से उपजी जनआंदोलन बताया।

एक्स पर जारी एक वीडियो संदेश में रजा पहलवी ने कहा कि वह गुरुवार रात को सड़कों पर उतरे हर व्यक्ति पर गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने लोगों से शुक्रवार रात फिर से बड़ी संख्या में बाहर निकलने का आह्वान किया और कहा कि भीड़ जितनी बड़ी होगी, दमनकारी ताकतें उतनी ही कमजोर पड़ेंगी। इंटरनेट पाबंदियों के बावजूद सड़कों पर डटे रहने का उन्होंने भरोसा जताया और कहा जीत आपकी होगी।

कड़ा दमन, बढ़ता तनाव : दूसरी ओर, ईरान ने संकेत दिए हैं कि सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे- यह ट्रंप की उस सार्वजनिक प्रतिबद्धता के उलट है, जिसमें उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के समर्थन की बात कही थी। एपी के अनुसार, हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 62 हो गई है।तेहरान में अपने परिसर में समर्थकों को संबोधित करते हुए खामेनेई ने कहा कि प्रदर्शनकारी अपनी ही सड़कों को नुकसान पहुंचा रहे हैं ताकि अमेरिका के राष्ट्रपति को खुश कर सकें, और कहा कि ट्रंप को अपने देश की हालत पर ध्यान देना चाहिए। ईरान के न्यायपालिका प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसेनी-एजेई ने चेतावनी दी कि प्रदर्शनकारियों को निर्णायक, अधिकतम और बिना किसी कानूनी रियायत के सजा दी जाएगी।

अब ट्रंप के निशाने पर मेक्सिको, बोले- ड्रग तस्करी नेटवर्क तबाह करने के लिए जमीनी हमले करेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला पर कार्रवाई के बाद डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर अब मेक्सिको है। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन जल्द ही क्षेत्र में ड्रग तस्करी नेटवर्क को खत्म करने के लिए जमीनी हमले की कार्रवाई शुरू करेगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'मेक्सिको पर ड्रग कार्टेल का राज है। यह देखना बहुत ही दुखद है। यह अमेरिका में हर साल 2.5 लाख से 3 लाख लोगों की मौत का कारण बन रहे हैं।'

'पानी के बाद अब ड्रग तस्करी के खिलाफ जमीनी हमले करेंगे' : ट्रंप ने कहा, 'हमने पानी के रास्ते से होने वाली ड्रग तस्करी को 97 फीसदी तक खत्म कर दिया है और अब हम कार्टेल के सफाए के लिए जमीनी कार्रवाई शुरू करने जा रहे हैं।' हालांकि उन्होंने योजनाओं के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने ड्रग कार्टेल से निपटने के लिए मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबॉम के साथ अमेरिकी सैन्य मदद की संभावना पर बात की और चेतावनी दी कि मेक्सिको को अपनी स्थिति सुधारनी होगी। पिछले साल भी ट्रंप ने कहा था कि वह ड्रग तस्करी से निपटने के लिए मेक्सिको में अमेरिकी सेना और खुफिया अधिकारियों को भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

'अमेरिका किसी भी क्षेत्र का मालिक नहीं' : द हिल की रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने ट्रंप के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति को पकड़ने के बाद उन्होंने कहा था कि मेक्सिको दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को पूरी तरह खारिज करता है। अमेरिका किसी भी क्षेत्र का मालिक नहीं है। लैटिन अमेरिका का इतिहास साफ और जबरदस्त है, दखलअंदाजी से न कभी लोकतंत्र आया, न कभी खुशहाली आई और न ही स्थायी स्थिरता मिली।

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वेनेजुएला पर हमलों का दूसरा चरण रद्द कर दिया है। हालांकि सुरक्षा और संरक्षा के उद्देश्य से सभी जहाज अपनी जगह पर तैनात रहेंगे। वेनेजुएला शांति के संकेत के तौर पर बड़ी संख्या में राजनीतिक कैदियों को रिहा कर रहा है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण और समझदारी भरा कदम है।

इटली प्रधानमंत्री बोलीं- यूरोप को रूस से बातचीत शुरू करना चाहिए

रोम , एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शुक्रवार को कहा कि यूरोप को अब रूस के साथ बातचीत फिर से शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशों में यूरोप को दोनों पक्षों से बात करनी चाहिए, सिर्फ एक तरफ से बात करने से उसका योगदान सीमित रह जाएगा।मेलोनी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की बात से सहमति जताई। उन्होंने हाल ही में कहा था कि यूरोप को रूस के साथ जुड़ाव बढ़ाना चाहिए, जिससे यूक्रेन में चल रहे लगभग चार साल पुराने युद्ध को समाप्त करने में मदद मिल सके। मेलोनी ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैक्रों सही हैं। अब समय आ गया है कि यूरोप भी रूस से बात करे। अगर यूरोप सिर्फ एक पक्ष से बात करके इस बातचीत में हिस्सा लेगा, तो मुझे डर है कि हमारा योगदान बहुत कम रह जाएगा।

नवंबर से युद्ध खत्म करने की बातचीत तेज हो गई है, लेकिन रूस ने अभी तक कोई बड़ा समझौता करने की इच्छा नहीं दिखाई है। यूक्रेन ने अमेरिका के शुरुआती प्रस्ताव में बदलाव की मांग की है। मेलोनी ने सुझाव दिया कि यूरोपीय संघ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सीधे बात करने के लिए एक विशेष दूत नियुक्त करना चाहिए।

अमेरिका ने नवंबर में प्रस्ताव दिया था कि रूस को फिर से ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) में शामिल किया जाए और पुराना जी8 फॉर्मेट बहाल किया जाए। हालांकि, मेलोनी ने इसे जल्दबाजी बताया। उन्होंने कहा कि रूस को जी7 में वापस लाने की बात करना अभी जल्दबाजी होगी। इसके अलावा, मेलोनी ने दोहराया कि इटली यूक्रेन में किसी शांति समझौते की गारंटी के लिए सैनिक नहीं भेजेगा। फ्रांस और ब्रिटेन ने पिछले महीने यूक्रेन में बहुराष्ट्रीय सेनाओं की तैनाती पर सहमति जताई है।

खामेनेई की फोटो जलाकर उसकी आग से सिगरेट सुलगा रहीं, ईरानी महिलाओं का अनोखा प्रदर्शन

तेहरान, एजेंसी। ईरान में हाल के दिनों में विरोध प्रदर्शन के दौरान नया रूप देखने को मिला है, जहां महिलाएं सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई की तस्वीरों को जलाकर उसकी आग से सिगरेट सुलगा रही हैं। यह ट्रेंड सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है, जो देश में जारी आर्थिक संकट, महंगाई, कमजोर मुद्रा और सरकारी दमन के खिलाफ जनता के गुस्से को दर्शाता है। दिसंबर 2025 के अंत से शुरू हुए ये प्रदर्शन अब खामेनेई के शासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर नारे लगाए, सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया और इंटरनेट-टेलीफोन ब्लैकआउट के बावजूद अपना विरोध जारी रखा।

महिलाओं की ओर से सिगरेट जलाने वाला कदम प्रतीकात्मक है, क्योंकि ईरान में सुप्रीम लीडर की तस्वीर जलाना गंभीर अपराध माना जाता है। महिलाओं के लिए सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करना भी सामाजिक-धार्मिक नियमों के तहत प्रतिबंधित है। यह कदम 2022 में महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद शुरू हुए 'महिला, जीवन, आजादी' आंदोलन की निरंतरता भी दर्शाता है। तब महिलाओं ने हिजाब जलाकर और बाल काटकर विरोध जताया था, लेकिन अब यह और ज्यादा सत्ता को चुनौती दे रहा है।

अयातुल्लाह अली खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को विदेशी ताकतों का एजेंट करार दिया है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों पर हिंसा के खिलाफ सख्त चेतावनी दी है। ये प्रतीकात्मक कृत्य महिलाओं की व्यक्तिगत स्वतंत्रता, हिजाब नियमों और पूरे धार्मिक शासन के खिलाफ खुली बगावत का प्रतीक बन गए हैं, जो सोशल मीडिया के जरिए वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। ईरान में यह नया विरोध रूप आर्थिक संकट और सामाजिक प्रतिबंधों के बीच जनता की बढ़ती बेचैनी को उजागर करता है।

ईरान की महिलाएं क्या संदेश देना चाह रही हैं? : इस सवाल का जवाब दो अलग-अलग नियम से जोड़ता है। पहला ये कि ईरान के कानून के तहत सर्वोच्च नेता की तस्वीरें जलाना एक गंभीर अपराध माना जाता है। जबकि दूसरा, देश के कई हिस्सों में महिलाओं के धूम्रपान पर वर्षों से प्रतिबंध लगा हुआ है। ऐसे में इन दोनों कामों को एक साथ अंजाम देना और अनिवार्य हिजाब नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाकर प्रदर्शनकारी महिलाएं सत्ता के साथ-साथ कठोर सामाजिक प्रतिबंधों के खिलाफ भी आवाज उठा रहीं हैं।

नेतन्याहू को करो किडनैप, पाक के रक्षा मंत्री के बयान पर बवाल

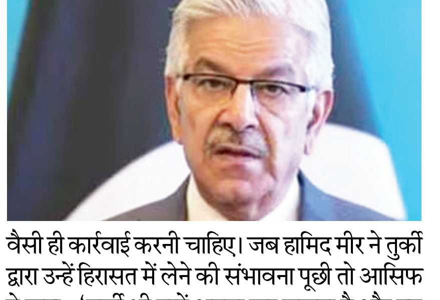

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक टीवी इंटरव्यू के दौरान इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू के खिलाफ विवादित टिप्पणी कर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में खलबली मचा दी है। आसिफ ने अमेरिका और तुर्की से अपील की कि वे नेतनयाहू को किडनैप (अपहरण) कर लें और गाजा में इजरायली सैन्य कार्रवाई के लिए उन पर मुकदमा चलाएं।

जियो न्यूज पर पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर के साथ बातचीत करते हुए ख्वाजा आसिफ ने नेतनयाहू को मानवता का सबसे बुरा अपराधी करार दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट का भी हवाला दिया।

आसिफ ने कहा, 'नेतनयाहू सबसे वांटेड अपराधी हैं। अमेरिका को उनका अपहरण कर लेना चाहिए और उन पर मुकदमा चलाना चाहिए। यदि अमेरिका वास्तव में मानवता का मित्र है, तो वह ऐसा ही करेगा।'

आसिफ ने हाल ही में अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी का उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका को नेतनयाहू के खिलाफ भी वैसी ही कार्रवाई करनी चाहिए। जब हामिद मीर ने तुर्की द्वारा उन्हें हिरासत में लेने की संभावना पूछी तो आसिफ ने कहा, 'तुर्की भी उन्हें अगवा कर सकता है और हम पाकिस्तानी इसके लिए दुआ कर रहे हैं।'

इंटरव्यू में तनाव तब बढ़ गया जब ख्वाजा आसिफ ने उन देशों को सजा देने की बात छेड़ी जो नेतनयाहू का समर्थन कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके शब्दों का इशारा स्पष्ट रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर था। आसिफ ने जैसे ही कहा, 'जो लोग उनका (नेतनयाहू का) समर्थन कर रहे हैं, कानून उनके बारे में क्या कहता है।' हामिद मीर ने उन्हें बीच में ही टोक दिया।

हामिद मीर ने तुरंत लिया कमर्शियल ब्रेक : हामिद मीर ने बीच में टोकते हुए कहा, 'ख्वाजा साहब, आप पाकिस्तान के रक्षा मंत्री हैं। आपकी बातें सुनकर कई लोग सोच सकते हैं कि आप डोनाल्ड ट्रंप के बारे में बात कर रहे हैं। मुझे नहीं पता आप किसका जिक्र कर रहे हैं, इसलिए मैं ब्रेक ले रहा हूं।' ब्रेक के बाद जियो न्यूज ने घोषणा की कि आसिफ अब शो का हिस्सा नहीं रहेंगे। माना जा रहा है कि यह पाकिस्तान सरकार की ओर से 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश थी।

पाकिस्तान की कूटनीतिक मजबूरी : यह विवाद ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान अमेरिका के साथ अपने संबंधों को सुधारने की कोशिश कर रहा है। भारत के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पैदा हुए तनाव के बीच पाकिस्तान अपनी विदेश नीति को लेकर बेहद सतर्क है। हाल के हफ्तों में पाकिस्तान ने डोनाल्ड ट्रंप की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा की है और उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार देने तक का समर्थन किया है। पाकिस्तान इजरायल को मान्यता नहीं देता है और गाजा में सैन्य अभियानों का कड़ा विरोध करता रहा है।

तारिक रहमान बने बीएनपी के नए अध्यक्ष, खालिदा जिया के निधन के बाद पार्टी ने लिया फैसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। पार्टी की राष्ट्रीय स्थायी समिति ने सर्वसम्मति से तारिक रहमान को पार्टी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष रहीं खालिदा जिया के लंबे इलाज के बाद निधन के कुछ ही दिनों बाद लिया गया है।बीएनपी अध्यक्ष का पद खालिदा जिया के निधन के बाद रिक्त हो गया था। वह बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी थीं और पार्टी की सबसे प्रभावशाली नेता मानी जाती थीं। पार्टी संविधान के तहत इस पद को भरने के लिए राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक बुलाई गई, जिसमें तारिक रहमान के नाम पर मुहर लगी।

17 साल बाद स्वदेश लौटे थे तारिक रहमान : तारिक रहमान 25 दिसंबर को 17 वर्षों के स्वैच्छिक निर्वासन के बाद लंदन से बांग्लादेश लौटे थे। उनके स्वदेश लौटने को बीएनपी के लिए एक अहम राजनीतिक संकेत माना गया। पार्टी नेताओं का कहना है कि उनकी वापसी से संगठन को नई ऊर्जा मिली है और कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है।

पार्टी में लंबा संगठनात्मक अनुभव : 60 वर्षीय तारिक रहमान का पार्टी संगठन में लंबा अनुभव रहा है। वर्ष 2002 में उन्हें बीएनपी का वरिष्ठ संयुक्त महासचिव बनाया गया था। इसके बाद 2009 में वह पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने। पार्टी के भीतर उन्हें रणनीतिकार और संगठन को मजबूती देने वाला नेता माना जाता है।

प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार : पार्टी सूत्रों के अनुसार, तारिक रहमान आगामी आम चुनावों में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। बीएनपी को फरवरी में होने वाले चुनावों में सत्ता में लौटने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है, खासकर तब जब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को चुनाव लड़ने से बाहर कर दिया गया है।

बीएनपी को सत्ता में वापसी की उम्मीद : पार्टी का कहना है कि नए नेतृत्व में बीएनपी देश की राजनीति में स्थिरता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में काम करेगी। तारिक रहमान के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की जिम्मेदारी औपचारिक रूप से संभाल ली है और संगठन को चुनावी मोड में लाने की तैयारी शुरू हो गई है।

डॉक्टर का दावा- आंदोलन कुचलने के लिए खामेनेई की सेना ने बरसाईं गोलियां! केवल तेहरान में 217 मौत

तेहरान, एजेंसी। ईरान में सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन शनिवार (10 जनवरी) को 13वें दिन में जा पहुंचा है। खराब अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई के बीच जनता सड़कों पर उतर चुकी है और खामेनेई प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रही है। इस बीच देश में जारी सरकार विरोधी आंदोलन को लेकर हैरान कर देने वाला दावा सामने आया है। एक ईरानी डॉक्टर ने दावा करते हुए कहा है कि सिर्फ तेहरान में 217 मौतें हुई हैं।

ईरान से मिली रिपोर्टों के अनुसार विरोध प्रदर्शन अब देश के सभी 31 प्रांतों में फैल चुका है। टाइम पत्रिका की एक रिपोर्ट में तेहरान के एक डॉक्टर के हवाले से नाम न छापने की शर्त पर बताया गया है कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकांश की मौत गोली लगने से हुई है।

डॉक्टर का दावा- 217 प्रदर्शनकारियों की मौत : डॉक्टर का दावा है कि तेहरान में 200 से अधिक प्रदर्शनकारी मारे गए हैं। टाइम पत्रिका को तेहरान के एक डॉक्टर ने बताया कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकतर की जान सुरक्षा बलों की तरफ से की गई गोलीबारी में गई है। डॉक्टर ने ईरानी अधिकारियों के डर से नाम न छापने की शर्त पर यह बड़ी जानकारी साझा की। हालांकि टाइम पत्रिका ने इन आंकड़ों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है।

सत्ता के खिलाफ जनता का हल्ला बोल : ऐसे में अगर मौतों के यह आंकड़े सही है तो ईरानी सरकार का आंदोलन को कुचलने के लिए खौफनाक चेहरा सामने आया है। इधर, देश में इंटरनेट और फोन सेवा लगभग पूरी तरह बंद कर हो चुकी है।

इंटरनेट स्वतंत्रता पर नजर रखने वाली संस्था नेटब्लॉक्स ने शासन की तरफ से लागू किए गए इंटरनेट प्रतिबंध का दस्तावेजीकरण किया। संस्था ने बताया कि राष्ट्रव्यापी इंटरनेट बंद किए हुए अब 24 घंटे हो चुके हैं और कनेक्टिविटी सामान्य स्तर के 1% पर स्थिर है। यह जारी डिजिटल ब्लैकआउट ईरानियों के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है और शासन की हिंसा को छुपाता है।

विरोध प्रदर्शन के बीच खामेनेई का बड़ा बयान : इससे पहले शुक्रवार को देश में व्याप्त अशांति के बीच सर्वोच्च नेता खामेनेई ने ट्रंप को अमेरिका की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की नसीहत दी है। खामेनेई ने देश को संबोधित करते हुए कहा था कि प्रदर्शनकारी दूसरे देश के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपनी देश को बर्बाद कर रहे हैं। खामेनेई ने साफ कहा है कि देश विदेशियों के भाड़े के सैनिकों को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसी के साथ प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भी संकेत दिया।

मोटापा इस समय तमाम बीमारियों का घर बन गया है। यह बड़ों में ही नहीं, बच्चों में भी तेजी से बढ़ रहा है। भागती-दौड़ती जिंदगी में शारीरिक श्रम की कमी। पढ़ाई का दबाव घर एवं स्कूल दोनों में है। अत: खेलने का समय नहीं मिलता है। खाने-पीने का अस्त-व्यस्त टाइम टेबल, साथ ही बच्चों से अत्यधिक लाड़-प्यार। जंक फूड, कुरकुरे, बर्गर, नूडल्स, चिप्स आदि खाने, देर तक टेलीविजन देखते रहने से शरीर में अतिरिक्त कैलॉरी/फैट जमा हो जाती है। क्योंकि, इन चीजों में पोषक तत्व कम एवं फैट ज्यादा होती है, जो शरीर में एडीपोस सैल्स बढ़ाती है।

मोटापे के कारण

वंशानुगत-यदि परिवार में माता-पिता का शारीरिक गठन मोटापे की ओर है, तो बच्चों में भी यह आशंका ज्यादा होती है।

मानसिक एवं शारीरिक-जो बच्चे ज्यादा मेहनत न करके आरामदायक जीवन व्यतीत करते हैं, उनमें माटापे के चांस ज्यादा होते हैं।

हार्मोनल-पीयूष ग्लैंड एवं थायरॉइड ग्रंथि की असामान्य क्रियाशीलता भी मोटापा ला सकती है।

खानपान-डिब्बाबंद खाना, जंक फूड, चॉकलेट, टॉफी, फास्ट फूड, ब्रेड, कोल्ड ड्रिंक्स, पेस्ट्री, पेटीज आदि का अत्यधिक सेवन।

लक्षण

- शारीरिक क्षमता में कमी, मोटे बच्चे जल्दी थक जाते हैं।
- स्वभाव में चिड़चिड़ापन अनिद्रा, डिप्रेशन, एकाग्रता में कमी (याददाश्त में कमी)।
- डायबिटीज एवं ब्लडप्रेशर।
- जल्द चोटग्रस्त होना।
- घबराहट एवं अत्यधिक पसीना।
- वेरीकोज वेन एवं कम उम्र में घुटनों में दर्द की शिकायत।

निवारण

- शारीरिक श्रम करें, रोजाना खेलने का प्रयत्न करें। साइकिल चलाना, घर से बस स्टॉप तक पैदल चलें।
- तैरना भी एक अच्छा व्यायाम हो सकता है।
- फास्ट फूड एवं बाहर के खाने के स्थान पर घर का बना दलिया, उपमा, छाछ, ढोकला, दही, पराठा आदि सेवन करें।
- कोल्ड ड्रिंक्स की जगह जूस व फल का सेवन कर सकते हैं।
- चॉकलेट, पेस्ट्री, टॉफी, कुरकरे की जगह ड्राईफ्रूट-बादाम, काजू, मुनक्का आदि काम में लें।
- होम्योपैथी चिकित्सा में कैलकेरिया कार्ब, एंटीमक्रूड, थूजा, फ्यूकस बैलाडोना आदि में से दवा का सही चयन किया जा सकता है।

इलाज से घबराएं नहीं

शरीर के किसी भी हिस्से में उभरे संवेदनाहीन चकते को नजरअंदाज न करें। यह कुष्ठ हो सकता है। शुरूआती अवस्था में इसका पूरी तरह इलाज संभव है। कुष्ठ रोग एक संक्रामक रोग है। यह माइक्रोबैक्टीरियम लेप्री द्वारा फैलता है। कुष्ठ रोग किसी भी अवस्था में पूरी तरह ठीक हो जाता है। शुरूआती अवस्था में इस रोग का इलाज आसानी से हो जाता है। चरमावस्था में यह शरीर में कई प्रकार की विकृतियां उत्पन्न कर देता है। आम लोग यह सोचते हैं कि यह रोग लाइलाज है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि यह जीवाणु जनित रोग है। यह रोग वंशानुगत नहीं होता है। कुष्ठ रोगी यदि बहुत अधिक संक्रामक नहीं है, तो यह रोग दूसरे स्वस्थ व्यक्तियों में नहीं फैलता है। यदि मां-बाप कुष्ठ रोग से ग्रसित भी हो, तो भी यह बीमारी बच्चों में जन्म के समय नहीं होती है। यदि कुष्ठ रोग अति संक्रमित स्थिति में है, तो परिचारक, प्रतिरक्षा के लिए दवाओं का सेवन करके रोग मुक्त रह सकता है। अन्य रोगों की तरह इसका इलाज संभव है।

बच्चों में खतरा

वयस्कों की अपेक्षा बच्चों में इस रोग का खतरा अधिक होता है। अत: जो बच्चे कुष्ठ रोगियों के संपर्क में रहते हैं, उनको इस रोग से बचाव के लिए अधिक ध्यान देने की जरूरत होती है। आजकल बहुऔषधि प्रणाली (मल्टीपल ड्रग रेजिम) का उपयोग व्यापक रूप से हो रहा है। इनसे कुष्ठ रोग को नियंत्रित करने में आशातीत सफलता मिली है। जहां तक संभव हो दवाओं का सेवन खाने के बाद करना चाहिए। यदि दवाओं का कोई दुष्प्रभाव दिखाई पड़े, तो दवा सेवन तत्काल बंद कर विशेषज्ञ चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। कुष्ठ रोगों को देवी प्रकोप या पूर्वजन्म के दुष्कर्मो का परिणाम मानकर रोगी का साामाजिक बहिष्कार करना अनुचित है।

कुष्ठ रोग की पहचान

कुष्ठ रोगी की रोग ग्रस्त त्वचा से थोड़ी से छीलन लेकर परिवर्तित जील नेल्सन विधि से जांच की जाती है। इस रोग के जीवाणु गुच्छों के रूप में पाए जाते हैं, जिसे ग्लोबी कहते हैं। याद रखिए कि यदि कोई हल्के रंग का चकता शरीर के किसी हिस्से में हो रहा है एवं उसमें संवेदना नहीं हो जैसे पिन चुभाने पर दर्द का अहसास नहीं होना। ऐसी अवस्था में कुष्ठ रोग विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए।

जल्द इलाज के फायदे

सामाजिक भय के कारण व्यक्ति अपनी बीमारी को छुपाता है। यही कारण है कि वह इस रोग के इलाज के लिए देरी से पहुंचता है। यदि आरंभिक अवस्था में इस रोग का इलाज हो जाए, तो किसी प्रकार की शारीरिक विकृति नहीं आती है एवं रोगी पूर्णतया ठीक हो जाता है।

एक एप्पल रोज

सेब को जितना समझा जाता है, उसका महत्व उससे कहीं अधिक है। अंग्रेजी में कहा भी गया है, 'एन एपल ए डे', कीप्स द डॉक्टर अवे' अर्थात् एक सेब रोज खाओ और डॉक्टर को दूर भगाओ। यह उक्ति बहुत पुरानी है और अनेक परीक्षणों से इसकी पुष्टि हुई है। वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला है कि सेब के सेवन से ह्रदय रोग, कैंसर, मधुमेह के साथ ही दिमागी बीमारियों जैसे पार्किंसन और अल्जाइमर आदि में भी आराम मिलता है।

विशेषज्ञों के अनुसार एक सेब रोज खाने से पाचन क्रिया ठीक रहती है, जिससे अनेक रोगों से सुरक्षा रहती है। सेब के फायदों को प्रचारित करने और सेब को प्रतिष्ठित करने के लिए यूरोप के कई देशों में एक दिसम्बर को 'ईट ए रेड एपल डे' मनाया जाता है। इसमें समारोह आयोजित कर किस्म-किस्म के सेब प्रदर्शित किए जाते हैं। सेब के विषय विशेषज्ञ भाषण देते हैं और सेब के बारे में साहित्य बांटा जाता है।

अध्ययनकर्ताओं के अनुसार लाल सेब में सेब की अन्य प्रजातियों की अपेक्षा अधिक एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जो मनुष्य को कैंसर, ह्वदय रोगों और मधुमेह, दिमागी तथा याददाश्त संबंधी समस्याओं में फायदा पहुंचाते हैं। लाल सेब में उपस्थित फ्लैवोनोइड तत्त्व एंटी-ऑक्सीडेंट का काम करते हैं। यह दिमाग की कोशिकाओं को स्वस्थ रखते हैं, जिससे पार्किंसन और अल्जाइमर जैसे दिमागी रोगों से बचाव होता है। सेब रेशे [फाइबर] वाला फल है। इसमें प्रोटीन और विटामिन की संतुलित मात्रा होती है, लेकिन कैलॉरी कम होती है, जिससे यह ह्वदय को स्वस्थ रखने में सहायक है।

उच्च रक्तचाप या किसी अन्य समस्या के कारण जो लोग नमक का सेवन कम करते हैं उनके लिए सेब सुरक्षित और लाभकारी है क्योंकि सेब में सोडियम की मात्रा न के बराबर होती है। सेब शरीर में ग्लूकोज की मात्रा को संतुलित करने का कार्य करता है। इससे मधुमेह के रोगियों को लाभ होता है। इसके अतिरिक्त सेब स्मरण शक्ति बढ़ाने, शरीर को चुस्त और स्वस्थ रखने में कई स्तरों पर काम करता है। सेब सुपाच्य है, इसलिए आंतों को आराम मिलता है और शरीर सहज महसूस करता है। पेट में हल्कापन बना रहता है। उपवास के दौरान सेव और अधिक फायदेमंद हो जाता है।

आजकल घुटनों का दर्द बीस साल की उम्र में भी शुरू हो सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार आज पैंतीस साल की आयु में अस्सी प्रतिशत लोगों में घुटनों का दर्द शुरू हो जाता है। यह रोग किसी भी व्यवसाय (चिकित्सकों को भी) में लगे लोगों को होता है। एक बार दर्द शुरू हो जाता है और घुटने बदलने तक दर्द बंद नहीं होता है। दर्दनाशक दवाइयां खाते-खाते पेट बिगड़ता जाता है। पेट में अल्सर, शरीर का मोटापा आदि अनेक परिणाम दिखने लगते हैं। यह समस्या मोटे-दुबले दोनों प्रकार के स्त्री-पुरूषों में पाई जाती हैं। मोटे या स्थूल शरीर वालों को शीघ्र अनुभव होने वाला दर्द दुबले लोगों का भी पीछा नहीं छोड़ता और दुबले-मोटे सभी को समान रूप से कष्टदायक है। योगाभ्यास करते-करते अनेक वर्षो बाद भी घुटनों का दर्द अनुभव होता है या योग करने पर भी कम नहीं हुआ यह बात भी रोगियों ने और योगाभ्यासियों ने स्वीकार की है।

क्यों होता है घुटनों का दर्द

इसका उत्तर चिकित्सक यह कहकर देते हैं- शरीर मोटा होना, वंशानुगत या चोट लगने से, उमर का तकाजा, बुढ़ापा आदि। लेकिन, अनुसंधान से घुटनों के दर्द का एक कारण स्पष्ट हुआ वह यह है कि किसी रोगी को घुटनों पर चोट लगना, दुर्घटना में घुटने की टूट-फूट होना, घुटनों के बल गिर पड़ना आदि से जो दर्द बढ़ता है, वह जीवनभर रह सकता है। उससे ट्रॉमा निर्माण होता है। उसे ट्रॉमा आर्थराइटिस कहते है। इसका स्थायी उपचार व्यायाम ही होता है। उपरोक्त कारण सभी जानते और मानते हैं, परंतु उपरोक्त किसी भी कारण के न होते हुए घुटनों में दर्द होता है तो उसका प्रमुख कारण घुटनों को मोड़कर (एक घुटना या दोनों) रात्रि को सोना पाया जाता है। जो व्यक्तिएक घुटना मोड़ता है उसका वही घुटना दर्द करता है और दूसरा ठीक रहता है।

वर्षो तक इस आदत से घुटने में रक्तसंचार रात्रि की नींद में कम से कम हो जाता है। इसके विपरीत दैनिक जीवन में चलने-फिरने, चढ़ाव चढ़ने, सैर करने, व्यायाम करने, व्यायाम करने से घुटनों के जोड़ों में स्थित कारटीलेज का क्षय होता है। इसकी क्षतिपूर्ति रात्रि को घुटनों के सीधे रखने एवं रक्तसंचार सुचारू रूप से संभव है तभी कारटीलेज अपनी सामान्य आकृति में बनी रहती है और जोड़ का संचालन सामान्य होता है, परंतु रातभर घुटने मोड़ने से यह कार्य अनेक वर्षो से बंद हो जाता है। कारटीलेज में द्रव या कोलोजन रक्त प्रवाह के अभाव में आपस में जुड़ने लगती है। रोगी को खड़े होने पर अपना वजन ढोना और चलते समय संतुलन बनाना भयावह लगता है। हड्डियां आपस में टकराकर टेढ़ी होने लगती हैं। पैरों का आपसी अंतर बढ़ने लगता है।

व्यक्तिया रोगी चलते समय घुटने मोड़े बिना चलते हैं और डोलते हुए जैसे पेंगुइन पक्षी के समान चलने के लिए विवश हो जाते हैं। घुटनों पर सृजन स्थायी बन जाती है और कभी-कभी रक्तका पानी बन जाता है, जिसे इंजेक्शन से निकालना पड़ता है और बार-बार रक्तपानी में परिवर्तित होता रहता है। लगभग एक हजार रोगियों पर परीक्षण के बाद इस समस्या के निदान के दरमियान रोगियों को घुटनों पर नीकैप या क्रेप बैंडेज बांधकर रात्रि सोने की सलाह दी गई थी, साथ में निम्न योगाभ्यास सुबह-शाम नियमित करने की सलाह दी गई थी और छह माह से एक वर्ष तक यह योगाभ्यस करने पर घुटनों के दर्द पूर्ण रूप से समाप्त हो गए थे। एक्स-रे एवं जांच से सभी रोगियों का निदान किया गया था। एक वर्ष बाद दूसरे एक्स-रे से तुलना की गई थी जिसमें सुधार देखा गया था। घुटनों के अधिक दर्द में वज्रासन या पद्मासन वर्जित थे।

घुटनों के लिए व्यायाम

- घुटनों का संचालन जंघा से पैर को दोनों हाथों से ऊपर उठाकर घुटने से पैर को आगे-पीछे 10-15 बार चलाना।
- वहीं पकड़े हुए घुटने के निचले हिस्से से गोल घुमाना 10-10 बार सीधे-उलटे।
- पैर लंबे करके बैठें और टखनों को आगे-पीछे 10 बार चलाना और सीधे-उलटे घुमाना 10-10 बार।
- घुटनों की कटोरियां की मांसपेशियों को खींचना और ढीला छोड़ना 100 बार।
- अधिक दर्द न हो तो गद्दे पर 5 मिनट पद्मासन या वज्रासन।
- पेट के बल लेटकर मकरासन की स्थिति बनाकर एक पैर का घुटना मोड़कर ऊपर हिस्से को गोल 10-10 बार सीधे-उलटे घुमाएं।
- पीठ के बल लेटकर एक-एक पैर बिना घुटने से मोड़े 90 डिग्री पर उठाने का प्रयत्न करें 5-5 बार एक-एक पैर उठाएं।
- यौगिक साइकिलिंग- पीठ के बल लेटकर एक-एक पैर को साइकिल जैसे चलाएं। अभ्यस्त हो जाने पर दोनों पैरों से लेटे-लेटे साइकिलिंग सीधे-उलटे 25 से 50 बार करें, उपरांत शवासन करें।

सावधानियां

घुटनों के दर्द में रोगी को अधिक परिश्रम, अधिक लंबा चलना (2-3 किलोमीटर से अधिक), बार-बार चढ़ाव चढ़ना-उतरना, घंटों एक ही जगह खड़े रहना आदि से बचना चाहिए। घुटने दर्द के रोगी का यदि रक्तचाप बढ़ता है तो ऐसी स्थिति में भोजन में अधिक मात्रा में नमक, नमकीन, अचार, पापड़, इमली, कैरी और अमचूर से बचना चाहिए। इन पदार्थो से रक्त में पानी की मात्रा बढ़ने से शरीर एवं घुटनों पर सूजन आती है। इसे हाईपर एडीना कहते हैं। यह दर्द बढ़ाकर रक्तचाप भी बढ़ाता है। हरी सब्जियां, सलाद, नीबू, टमाटर, दही, केला, दूध, रोटी एवं चावल का उपयोग भोजन में करना उपयुक्तहोता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 1955

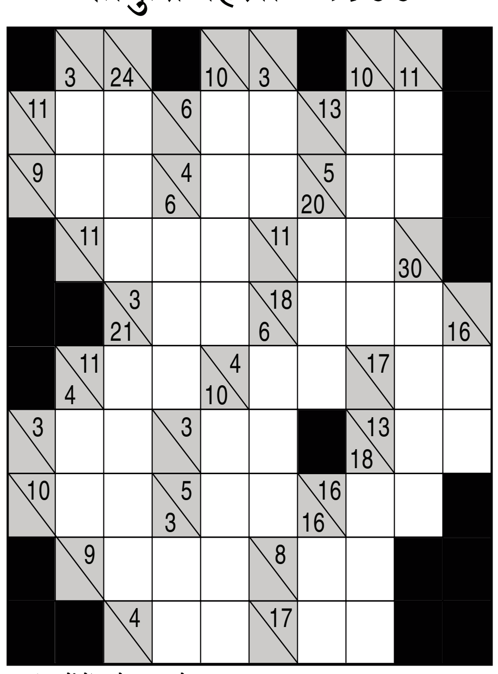

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

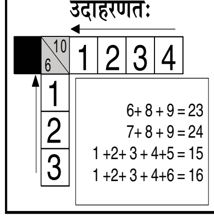

काकुरो - 1954 का हल

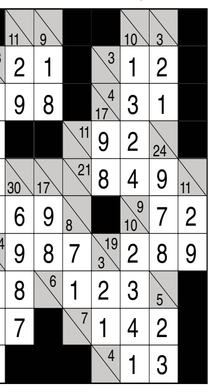

लॉफिंग ज़ोन

शादी के सीजन में जगह-जगह शादी में आने-जाने के कारण रमन के पास कपड़ों की कमी-सी हो जाती? है, फिर भी वो कुछ मैनेज करके अपने खास दोस्त की शादी में जाता है, वहाँ पर दोस्त के अंकल उससे पूछते है- बेटे! ये शर्ट तो बहुत अच्छी है!

रमन- जी, मेरी नहीं है।

अंकल- पैंट भी बहुत अच्छी है।

रमन- ये भी मेरी नहीं है।

अंकल- तो फिर किसकी है?

रमन- लाँड्री वाले की..!

रमन सर्कस देखकर आने के बाद अपने दोस्त से मिलने गया तो उससे कहा- यार! सर्कस में एक मोटी औरत एक दुबले जोकर को खूब मारती रहती है और वह सिर्फ हँसता ही रहता है।

परेश बोला- यार तू बता इसमें नया क्या है? यह तो मेरे घर में रोज ही होता है।

एडवोकेट (गवाह से)- अच्छा तो अब सही-सही बता दो फटाफट, नरेश की मौत आखिर हुई कैसे?

गवाह घबरा कर बोला- बड़ा ही भुलक्कड़ था हुजूर! हो सकता है घटना के समय वह साँस लेना भूल गया हो।

फिल्म वर्ग पहेली - 1955

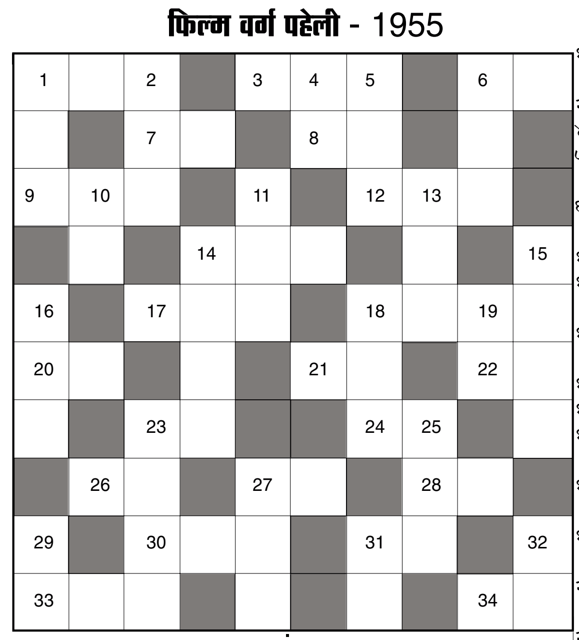

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1954

अ	न	मो	ल	■	फि	जा	■	य	श
भ	■	ह	व	स	■	न	र्गि	स	■
य	■	ब्ब	■	नी	ल	म	■	बॉ	बी
■	जी	तें	द्र	■	ड़ा	■	जीं	स	■
घा	त	■	■	आ	ई	ना	■	■	मु
त	■	आ	वा	रा	■	रा	जा	जा	नी
क	री	ना	■	ध	■	ज	■	■	म
■	ना	■	बे	ना	म	■	मौ	■	जी
हे	■	दा	ता	■	हि	रा	स	त	■
मा	या	■	ब	ल	मा	■	म	■	माँ

सूडोकु -1955

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1954 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 1955

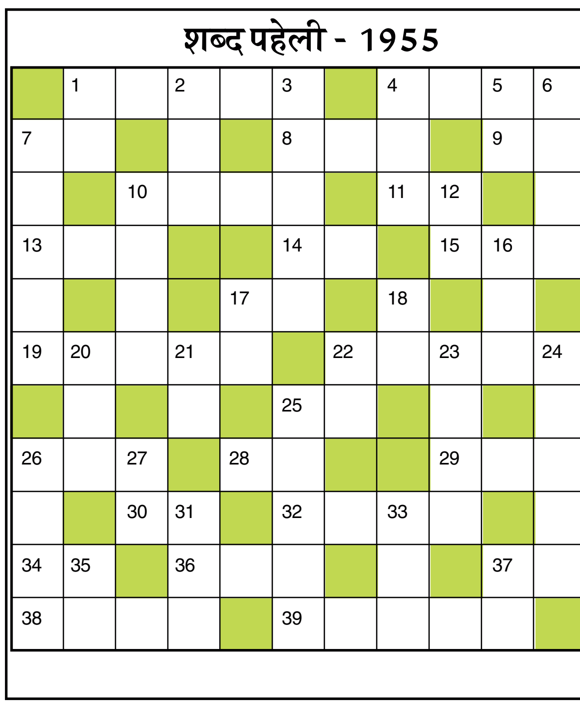

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली - 1954 का हल

ल	गा	म	■	अ	■	त	र	ब	त	र
ल	■	त	म	स	■	ह	म	ला	■	खै
क	श	■	■	ल	■	ल	■	■	का	ल
■	ही	■	क	हा	नी	का	र	■	र	■
ब	द	मा	श	■	र	■	च	म	क	ना
■	■	■	ल	क्ष	■	सी	ना	■	■	■
र	त	ज	गा	■	आ	■	का	म	या	ब
■	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	च	■
रा	ह	■	■	म	■	रा	■	■	क	म
ह	■	त	ना	व	■	पा	य	ल	■	हु
त	ल	ब	गा	र	■	न	■	ब	ल	वा

भारत को समझने की कुंजीः मिजोकामी

एजेंसरी
नई दिल्ली। पद्मश्री से अलंकृत जापान के भाषाविद् और ओसाका विश्वविद्यालय के प्रो. तोमियो मिज़ोकामी ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि भारत की संस्कृति, समाज और सोच को जानने की कुंजी है। प्रो मिजोकामी ने यह बात आज भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की ओर से नई दिल्ली में आयोजित 'विश्व हिंदी दिवस' कार्यक्रम में कही। इसमें थाईलैंड, यूक्रेन, श्रीलंका, अफ़ग़ानिस्तान, तंज़ानिया, उज़्बेकिस्तान, सीरिया जैसे देशों के छात्र शामिल हुए। प्रो. मिज़ोकामी ने कहा, 'भारत को समझने के लिए हिंदी को समझना जरूरी है। हिंदी में वह शक्ति है कि एक दिन यह संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा बनें। जिस तरह हिंदी करोड़ों लोगों की आवाज़ है, उसी तरह आने वाले समय में हिंदी साहित्य को नोबेल पुरस्कार जैसी वैश्विक मान्यता भी मिलेगी।' आईसीसीआर महानिदेशक के. नंदिनी सिंगला ने कहा कि प्रो मिज़ोकामी भारत और जापान के बीच सांस्कृतिक मित्रता के जीवंत प्रतीक हैं। हिंदी और भारतीय भाषाओं के लिए उनका समर्पण यह साबित करता है कि भाषा देशों के बीच रिश्तों की सबसे मजबूत नींव होती है।

दिल्ली की सड़कों पर उतरेंगी 3,330 नई इलेक्ट्रिक बसें : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन विभाग ने 3,330 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक बसों की तत्काल खरीद के लिए केंद्र सरकार की एजेंसी कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) को एक विस्तृत प्रस्ताव भेजा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक बयान में बताया कि दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाना और नागरिकों को एक आधुनिक, सुगम और सस्ती सार्वजनिक परिवहन सेवा देना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य के साथ हाल ही में सीईएसएल के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया कि पीएम ई-ड्राइव योजना (फेज-2) के तहत दिल्ली के लिए बसों का कोटा बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री के अनुसार अपनी आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन करते हुए विभिन्न आकारों की बसों की मांग रखी है ताकि संकरी सड़कों से लेकर मुख्य मार्गों तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके। राजधानी के परिवहन विभाग द्वारा 7 मीटर की 500 बसें, 9 मीटर की 2,330 बसें और 12 मीटर की 500 बसों समेत कुल 3,330 की मांग की गई है। सभी बसें लो फ्लोर एसी बसें होंगी। 7 मीटर की बसें दिल्लीवासियों को संकरी सड़कों और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। 9 मीटर की बसें छोटी सड़कों और फीडर सेवाओं के लिए चलाई जाएंगी। वहीं, 12 मीटर की बसें मुख्य रूटों और भारी भीड़ वाले मार्गों पर चलाई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने केंद्र सरकार और भारी उद्योग मंत्रालय से अनुरोध किया है कि दिल्ली की इस अतिरिक्त मांग को सब्सिडी मॉडल में शामिल किया जाए।

दिल्ली विधानसभा ने पंजाब के तीन अफसरों को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने पंजाब पुलिस के तीन प्रमुख अधिकारियों को नोटिस जारी कर विधानसभा के एक वीडियो क्लिप का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली के विधि मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के मामले में 48 घंटे के भीतर जवाब मांगा है। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा परिसर में पत्रकार वार्ता में बताया कि पंजाब के पुलिस महानिदेशक, विशेष पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध) और जालंधर पुलिस आयुक्त को विधानसभा के विशेषाधिकारों के उल्लंघन' के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने जालंधर में एफआईआर दर्ज किए जाने के मामले में औपचारिक नोटिस जारी किया है, जो विधानसभा की कार्यवाहियों की कथित छेड़छाड़ वाले वीडियो क्लिप से संबंधित है। नोटिस में कहा गया है कि सदन पहले से ही इस मामले से अवगत है और वीडियो क्लिप को फॉरेंसिक जांच और विशेषाधिकार समिति के पास भेजा गया है। नोटिस में पंजाब पुलिस की इस मामले में संलिप्तता पर अध्यक्ष ने चिंता व्यक्त की है और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत स्पष्टीकरण एवं आवश्यक दस्तावेज मांगे गए हैं।

सीआर पाटिल बोले, 'वीबी-जी राम जी' योजना यूपीए मॉडल से अलग

सूरत। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि वर्तमान सरकार की 'वीबी-जी राम जी' योजना संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन (यूपीए) सरकार की योजना से पूरी तरह अलग है। गुजरात के सूरत में एक पत्रकार वार्ता के केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने बताया कि वर्ष 1980 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने एक समान योजना शुरू की थी। इसके बाद राजीव गांधी ने 'जवाहरलाल नेहरू योजना' लागू की। वर्ष 2005 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने मनरेगा योजना शुरू की थी, जो केवल मजदूरी आधारित योजना थी और अन्य प्रकार के रोजगार को बढ़ावा नहीं देती थी। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत लोगों को साल में केवल 100 दिनों का रोजगार मिलता था, जबकि वर्तमान में शुरू की गई 'विकसित भारत - रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन(ग्रामीण)' (वीबी-जी राम जी) के अंतर्गत इसे बढ़ाकर 125 दिनों का रोजगार कर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि नई योजना का उद्देश्य सिर्फ मजदूरी नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करना है, जिससे लोगों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज हो गई है।

एसआईआर में पारदर्शिता के लिए पश्चिम बंगाल में चार और विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त

एजेंसी
कोलकाता। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में चार और विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। इनमें से तीन पर्यवेक्षक दिल्ली से भेजे जा रहे हैं, जबकि एक अधिकारी वर्तमान में त्रिपुरा में कार्यरत है। इससे पहले आयोग ने एसआईआर की निगरानी के लिए एक विशेष पर्यवेक्षक के रूप में सुब्रत गुप्ता को नियुक्त किया था। अब ये चार नए अधिकारी उनके साथ मिलकर कार्य करेंगे। राज्य में एसआईआर को लेकर लगातार आरोप-प्रत्यारोप सामने आ रहे हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने कई बार इस प्रक्रिया में खामियों और कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र

लिखकर एसआईआर के नाम पर आम लोगों को हो रही परेशानियों सहित कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने सुनवाई के दौरान पर्यवेक्षकों और माइक्रो ऑब्ज़र्वरों की भूमिका पर भी सवाल उठाए। संयोग से उसी दिन निर्वाचन आयोग ने राज्य में चार नए विशेष पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की घोषणा की।

राज्य में विशेष पर्यवेक्षक के रूप में जिन चार आईएएस अधिकारियों को नियुक्त किया गया है, वे हैं-शैलेश, रतन विश्वास, संदीप राठौर और विकास सिंह। अब राज्य में कुल पांच विशेष पर्यवेक्षक कार्यरत होंगे। इसके अलावा, विभिन्न जिलों में 12 एसआईआर पर्यवेक्षक तैनात हैं। साथ ही, राज्य के पांच डिवीजनों-प्रेसीडेंसी, मेदिनीपुर, बर्धमान, मालदा और जलपाईगुड़ी- में एसआईआर कार्य की समीक्षा के लिए पांच अन्य पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। ये अधिकारी हैं कुमार रविकांत सिंह, नीरज कुमार बंसोड़, आलोक तिवारी, पंकज यादव और कृष्णकुमार निराला। विशेष पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारियां उनके नियुक्ति पत्र में स्पष्ट रूप से दर्ज हैं। आयोग के अनुसार ये अधिकारी राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय से एसआईआर के कार्य की निगरानी करेंगे और आवश्यकता पड़ने पर राज्य के विभिन्न हिस्सों का दौरा भी करेंगे।

मुख्यमंत्री ने '47वीं जूनियर बॉयज राष्ट्रीय हैंडबॉल चैम्पियनशिप' का किया शुभारंभ

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यहां के सर्वोदय विद्यालय पीतमपुरा में 47वीं जूनियर बॉयज राष्ट्रीय हैंडबॉल चैम्पियनशिप शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज सर्वोदय विद्यालय पीतमपुरा में बच्चों से मिलकर दिन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बचपन वही समय होता है, जब हर दिन कुछ बनने की तैयारी करता है और हर प्रतियोगिता सीखने और आगे बढ़ने का एक अवसर देती है। मुख्यमंत्री ने देशभर से आए युवा खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने खिलाड़ियों से फोकस ऱखने, पूरे दिल से खेलने और हर मैच से सीखकर लौटने की बात कही।

जिन्ना वाले बयान से सियासी तूफान, कांग्रेस की सोच पर फिर खड़े हुए सवाल

एजेंसी
भोपाल। देश की राजनीति में एक बार फिर स्वाधीनता आन्दोलन के बलिदानियों और इतिहास की व्याख्या को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कांग्रेस को कटघरे में खड़ा कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस बयान को देश की आजादी के शहीदों के बलिदान का अपमान बताते हुए कांग्रेस पर देशविरोधी मानसिकता अपनाने का गंभीर आरोप लगाया है। 'जिन्ना' जैसे विभाजन के प्रतीक को सम्मानसूचक भाषा में याद किए जाने को भाजपा ने कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति का नया उदाहरण करार दिया है।

यह विवाद उस समय भड़का जब उदय भानु चिब ने इंदौर शहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान स्वतंत्रता संग्राम के नेताओं का उल्लेख करते हुए मोहम्मद अली जिन्ना को लेकर ऐसी टिप्पणी कर दी, जिसे भाजपा ने 'महिमामंडन' बताया। चिब के बयान का वीडियो और अंश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। भाजपा नेताओं का कहना है कि जिन्ना भारत विभाजन का मुख्य किरदार था, जिनके कारण लाखों लोगों की जान गई और देश का बंटवारा हुआ। ऐसे व्यक्ति को सम्मान के साथ याद करना शहीदों के बलिदान का भी अपमान है। सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को सबसे आक्रामक तरीके से भाजपा नेता प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष ऊषा अग्रवाल ने उठाया। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि 'पहले ओसामा जी, अब जिन्ना जी- यह कोई एक बयान या शब्दों की चूक नहीं है। किस तरह कांग्रेस और उससे जुड़े संगठन देश की आज़ादी और अखंडता पर प्रश्नचिह्न लगाने वाली सोच को बार-बार सामने लाते रहे हैं। यह महज शब्दों की चूक नहीं, बल्कि कांग्रेस और उसके संगठनों की गहरी सोच को उजागर करता है। उन्होंने कहा, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब द्वारा-1947 में देश के लिए बलिदान देने वाले महापुरुषों का उल्लेख करते हुए जिन्ना जैसे विभाजन के प्रतीक को सम्मानसूचक शब्दों से संबोधित करना, कांग्रेस की उसी मानसिकता को उजागर करता है जो देशविरोधी ताकतों के प्रति नरमी रखती आई है। कांग्रेस के लिए राष्ट्र पहले नहीं, उनकी तुष्टिकरण और वैचारिक भ्रम की राजनीति पहले है। जिन शहीदों ने अखंड भारत के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए, उनके बलिदान की अवहेलना कर जिन्ना और ओसामा जैसे नामों के प्रति सम्मान दिखाना कांग्रेस की सोच का असली चेहरा है। देश सब देख रहा है, सुन रहा है और समझ रहा है-राष्ट्रभक्ति और देशविरोधी मानसिकता के बीच का अंतर भी, और कांग्रेस की वास्तविक सोच भी। दरअसल, आशीष अग्रवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की राजनीति में राष्ट्र सर्वोपरि नहीं, बल्कि तुष्टिकरण और वैचारिक भ्रम पहले आता है। उनका यह पोस्ट कुछ ही घंटों में हजारों लोगों तक पहुंच गया और कांग्रेस पर हमले और तेज हो गए। भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी इस बयान को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

प्रधानमंत्री मोदी 12 को अहमदाबाद में जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से करेंगे मुलाकात

एजेंसी
अहमदाबाद। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज 12 जनवरी को गुजरात के अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने पर विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति का जायजा लेंगे। इस दौरान ट्रेड और निवेश, टेक्नोलॉजी, शिक्षा, स्किलिंग और मोबिलिटी में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होगी। साथ ही रक्षा और सुरक्षा, विज्ञान, नवाचार और अनुसंधान, हरित एवं सतत विकास तथा लोगों के बीच संबंधों जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी फोकस किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय के अनुसार चांसलर मर्ज़ 12-13 जनवरी को भारत के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। यह उनका भारत का पहला आधिकारिक दौरा होगा। इस दौरान वे अहमदाबाद और बेंगलुरु जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी 12 जनवरी को अहमदाबाद में उनका स्वागत करेंगे। दोनों नेता बिजनेस और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे और क्षेत्रीय एवं वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। मंत्रालय ने बताया कि यह दौरा

भारत और जर्मनी के बीच उच्च राजनीतिक स्तर पर नियमित संवाद से बने सकारात्मक माहौल को और आगे बढ़ाएगा। साथ ही यह साझा दृष्टिकोण को मजबूत करने और भविष्य के लिए नई साझेदारी बनाने का अवसर प्रदान करेगा।

मंत्रालय ने बताया कि चांसलर मर्ज 12 जनवरी को सुबह साबरमती आश्रम का दौरा करेंगे। इसके पतंग महोत्सव में भाग लेंगे और प्रधानमंत्री मोदी से महात्मा मंदिर में मुलाकात करेंगे। इसके बाद दोनों नेता संयुक्त प्रेस वक्तव्य देंगे।

अरब सागर के आसमान पर सोमनाथ मंदिर के हजार साल की अद्भुत गाथा, प्रधानमंत्री मोदी हुए मंत्रमुग्ध

एजेंसी
सोमनाथ (गुजरात)। सदियों से बार-बार हुए हमलों के बावजूद सोमनाथ मंदिर भारत की अटूट भावना के प्रतीक के रूप में आज भी शान से खड़ा है। इसी भावना का अद्भुत प्रकाश शनिवार देरशाम अरब सागर के ऊपर नभ पर देखने को मिला। करीब तीन हजार से भी अधिक ड्रोन के अनूठे संयोजन से सोमनाथ मंदिर के हजार साल की यात्रा को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया। ड्रोन शो देखकर रोमांचित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इस रोचक शो को कई तस्वीरें साझा की। ड्रोन शो के जरिए अरब सागर के ऊपर आकाश में प्रकाश के अनूठे संयोजन के माध्यम से विभिन्न बिंदु चित्र- रंगीन आकृतियां सृजित की गई। आकाश में उभरते प्रकाशमय दृश्य लोगों के आकर्षण का

मुख्य केंद्र बन गए। ड्रोन के जरिए आकाश में बनी सोमनाथ मंदिर, त्रिशूल, ओम, वीर हमीरजी, अहिल्याबाई होल्कर, सरदार वल्लभभाई पटेल और नरेन्द्र मोदी की आकृतियां दिखाई गई। हर बदलती हुई आकृति पर लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट और हर-हर महादेव के उद्घोष से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। उसके बाद रंग-बिरंगी आतिशबाजी ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अनोखे आयोजन से पवित्र सोमनाथ धाम में उत्सवमय और हर्षोल्लास का माहौल बन गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और राज्य के कई मंत्री उपस्थिति रहे।

उल्लेखनीय है कि सोमनाथ की गाथा केवल एक मंदिर की नहीं, बल्कि भारत माता के उन अनगिनत सपूतों के अदम्य साहस की कहानी है, जिन्होंने देश की संस्कृति और सभ्यता की रक्षा की। भारत के पश्चिमी समुद्र तट पर गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में भगवान सोमनाथ प्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान हैं। यह पावन भूमि, जिसे प्रभास क्षेत्र के नाम से जाना जाता है, केवल एक तीर्थस्थल नहीं बल्कि देश की अटूट श्रद्धा, संघर्ष और पुनरुत्थान का जीवंत प्रतीक है।

चीन-ताइवान-पाकिस्तान-नेपाल नेटवर्क से संचालित अंतरराष्ट्रीय साइबर सिंडिकेट ध्वस्त

एजेंसरी
नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने विदेश से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर लोगों को डराकर 'डिजिटल अरेस्ट' करता था। इस गिरोह ने अब तक देशभर में हजारों लोगों को निशाना बनाकर करीब 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की है। जांच में सामने आया है कि आरोपित खुद को एटीएस अधिकारी बताकर लोगों को पहलगाम और दिल्ली ब्लास्ट जैसे आतंकी मामलों से जोड़ने की धमकी देते थे और तत्काल गिरफ्तारी का डर दिखाकर पैसे ऐंठते थे। आईएफएसओ के पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार ने बताया किजांच में खुलासा हुआ कि यह गिरोह सिम बॉक्स तकनीक का इस्तेमाल कर विदेश से आने वाली कॉल्स को भारतीय नंबरों में बदल देता था। कॉल्स को जानबूझकर 2जी नेटवर्क के जरिए रूट किया जाता था, ताकि लोकेशन ट्रेस न हो सके। एक ही नंबर दिन में अलग-अलग शहरों से चलता दिखाई देता था, जिससे जांच एजेंसियां भ्रमित हो जाती थीं। सिमबॉक्स के आईएमईआई नंबर बार-बार बदले जाते थे, जिनमें पाकिस्तानी मूल के आईएमईआई नंबरों का इस्तेमाल किया गया। इससे यह मामला सिर्फ साइबर ठगी नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर खतरा बन गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार लगातार तकनीकी निगरानी के बाद स्पेशल सेल ने दिल्ली के गोयला डेयरी, कुतुब विहार, दीनपुर और शाहाबाद डेयरी में सिमबॉक्स ठिकानों का पता लगाकर छापेमारी की। यहां से दो स्थानीय ऑपरेटर शशि प्रसाद और परविंदर सिंह को गिरफ्तार किया गया।

पर्यावरण कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं, यह साझा जिम्मेदारी हैः रेखा गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज दिल्ली विधानसभा में पर्यावरण और प्रदूषण से जुड़े मुद्दों पर सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करते हुए कहा कि पर्यावरण सरकार के लिए कोई राजनीतिक विषय नहीं बल्कि एक साझा जिम्मेदारी है, जिससे प्रत्येक नागरिक और परिवार प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि सरकार की मुखिया होने के नाते वे अपनी जिम्मेदारी को पूरी गंभीरता से महसूस करती हैं और इसी कारण उनकी सरकार न तो विपक्षी दलों पर और न ही पड़ोसी राज्यों पर आरोप लगाकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति रखती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार न तो विपक्ष पर और न ही पड़ोसी राज्यों पर आरोप लगाकर जिम्मेदारी से बचने में विश्वास करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार ने प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दे पर केवल दिखावटी और अस्थायी कदम उठाए तथा मीडिया के सामने प्रतीकात्मक विरोध कर जनता को गुमराह किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने अपने कार्यकाल में भी और वर्तमान में भी जनता को भ्रमित करने का यही तरीका अपनाया है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि दिल्ली की हवा को

स्वच्छ बनाना सरकार की प्रतिबद्धता और संकल्प है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने पर्यावरण को कभी समग्र दृष्टिकोण से नहीं देखा और केवल अस्थायी उपायों को ही उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया। प्रदूषण से जुड़े आंकड़ों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षों से प्रदूषण की स्थिति में कोई स्थायी सुधार नहीं हुआ, जिससे यह स्पष्ट है कि समस्या का समाधान जमीनी उपायों से ही संभव है। उदाहरणस्वरूप कभी स्मॉग टावर बनाकर यह मान लिया गया कि समस्या का समाधान हो गया, तो कभी रेड लाइट पर इंजन बंद करने जैसे सीमित उपायों को ही पर्याप्त कदम बताया गया। मुख्यमंत्री ने प्रदूषण से जुड़े आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2016 से लेकर 2025 तक प्रदूषण से जुड़े खराब दिनों के आंकड़े यह दर्शाते हैं कि समस्या बनी हुई है और इसमें मौसम, वाहनों की संख्या, एनसीआर से आने वाली हवाएं और धूल के कण जैसे कई कारक जिम्मेदार हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदूषण किसी एक सरकार या राजनीतिक दल से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि यह दिल्ली की भौगोलिक और संरचनात्मक वास्तविकता से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण केवल वायु तक सीमित नहीं है, बल्कि जल, भूमि और वायु–तीनों पर एक साथ काम किए बिना पर्यावरण संरक्षण संभव नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव-2026 : सूरत के रिवरफ्रंट पर देश-विदेश के 94 पतंगबाज बने आकर्षण का केंद्र

सूरत। गुजरात के सूरत शहर के अडाजण रिवरफ्रंट पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव-2026 में देश-विदेश के कुल 94 पतंगबाजों ने भाग लिया, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे।गुजरात पर्यटन निगम, सूरत महानगरपालिका और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में सांसद मुकेशभाई दलाल की अध्यक्षता में इस 'अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव-2026' का भव्य आयोजन हुआ। इसमें 21 देशों से 45 विदेशी पतंगबाज, भारत के चार राज्यों से 20 और गुजरात के 29 पतंगबाज शामिल हुए। सभी ने अनोखी, विशाल और रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर सूरत के आसमान को मनमोहक बना दिया। विभिन्न आकृतियों और आकर्षक रंगों वाली पतंगों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कुशल पतंगबाजों ने अपनी कला-कौशल से भरपूर प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

तीन नए कानून शरीर, संपत्ति और सम्मान की रक्षा की गारंटीः अमित शाह

एजेंसरी
जयपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पारदर्शी तरीके से लोकसेवकों की भर्ती करने से ही कोई प्रदेश आगे बढ़ सकता है और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार का पेपरलीक का सिलसिला खत्म कर राजस्थान को इससे निजात दिलाई है। उन्होंने कहा कि हमारी राज्य सरकार भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता रखते हुए भ्रष्टाचार का उन्मूलन और योग्यता का सम्मान करते हुए राजस्थान के युवाओं को 'बिना सिफारिश और बिना खर्चे' के नौकरी दे रही है। शाह राजस्थान पुलिस अकादमी में कांस्टेबल नव नियुक्ति समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अच्छी कानून व्यवस्था से ही प्रदेश का विकास संभव है। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने पेपरलीक पर रोक लगाने के साथ-साथ कानून व्यवस्था को मजबूत बनाया और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान को पूरे देश में निवेश का अग्रणी राज्य बनाने का काम भी किया है। इसी का परिणाम है कि आज देशभर के निवेशक राजस्थान की ओर आने की स्पर्धा कर रहे हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि राजस्थान पुलिस बल देश के अग्रणी और सक्षम पुलिस बलों में

स्थान रखता है। उन्होंने नव चयनित कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र मिलने की बधाई देते हुए कहा कि जिन युवाओं को आज वर्दी मिली है वे स्थिर चित्त के साथ पूरा ध्यान अपने प्रशिक्षण पर लगाएं और इसके उपरांत अपने काम से जनता की सेवा और सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए सुरक्षित राजस्थान के संकल्प को चरितार्थ करें। उन्होंने चयनित कांस्टेबलों में 2,500 से ज्यादा महिलाओं के शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। शाह ने कहा कि पाकिस्तान से लगती एक हजार किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा, चंबल के दुर्गम बीहड़, थार का मरूस्थल, अजमेर में दरगाह शरीफ, पुष्कर, नाथद्वारा, चित्तौड़, उदयपुर, जोधपुर, जयपुर जैसे पर्यटक स्थलों तथा रणथंभौर, सरिस्का, केवलादेव जैसे प्राकृतिक स्थलों वाले इस प्रदेश में भौगोलिक परिस्थिति के कारण पुलिस की चुनौती और बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिबद्धता एवं पारदर्शिता से शासन चलाने वाली और कानून व्यवस्था संभालने वाली सरकार आने से प्रदेश में क्या फर्क पड़ सकता है यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने साबित किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में हमारी सरकार बनने के बाद दो साल में कुल अपराधों में 14 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। गंभीर अपराधों में 19 प्रतिशत, हत्या में 25 प्रतिशत, हत्या के प्रयास में 19 प्रतिशत, महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों में 10 प्रतिशत, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विरूद्ध अपराधों में 28 प्रतिशत, डकैती के प्रकरणों में 47 प्रतिशत तथा लूट के प्रकरणों में लगभग 51 प्रतिशत की कमी आई है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि दो साल में राजस्थान पुलिस में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन, पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए अभय कमांड सेंटर से 112, सीसीटीएनएस और इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) को एकीकृत करने, कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की शुरूआत, एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स के गठन की शुरूआत जैसी कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं।

राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा में सेंध लगाने एवं नमाज पढ़ने की कोशिश, तीन संदिग्ध हिरासत में

एजेंसी
अयोध्या। राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा में सेंध लगाने एवं नमाज पढ़ने की कोशिश की गई। इस पर फौरन सुरक्षाकर्मियों ने संबंधित तीन संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, खुफिया एजेंसियां और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौके पर सक्रिय हो गए। संदिग्धों से गहन पूछताछ की जा रही है कि वे अयोध्या क्यों आए और उनका उद्देश्य क्या था हालांकि समाचार लिखे जाने तक पुलिस को उनके विषय में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। राम जन्मभूमि परिसर की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में उस समय हड़कंप मच गया, जब तीन संदिग्ध व्यक्ति परिसर के भीतर घुस आए और नमाज पढ़ने का प्रयास करने लगे। परिसर की सुरक्षा में लगे सतर्क सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो युवकों और एक युवती को हिरासत में ले लिया। उसके बाद अधिकारियों को सूचना दी गई। इस सन्दर्भ में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्रों के अनुसार, तीनों राम मंदिर के गेट डी-वन से परिसर में सभी दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही दाखिल हुए। इसके बाद सीता रसोई के समीप एक व्यक्ति नमाज पढ़ने के लिए बैठ

संदिग्धों से गहन पूछताछ की जा रही है कि वे अयोध्या क्यों आए और उनका उद्देश्य क्या था हालांकि समाचार लिखे जाने तक पुलिस को उनके विषय में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

गया। जैसे ही ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने यह देखा तो सुरक्षा कर्मी हरकत में आ गए और उन्होंने तुरंत उन्हें रोककर हिरासत में ले लिया। राम मंदिर में दर्शन करने गए प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तीनों की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हो रही थीं। रोके जाने पर समुदाय विशेष के युवकों ने नारेबाजी भी शुरु कर दी, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों की तत्परता से किसी भी अप्रिय स्थिति को टाल दिया गया। पुलिस हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान अबू अहमद शेख, निवासी शोपियां (कश्मीर) के रुप में बताई जा रही है। पकड़ी गई युवती का नाम सोफिया बताया गया है, जबकि तीसरे युवक की पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। तीनों ने खुद को कश्मीर का रहने वाला बताया है, इस संदर्भ में राम मंदिर ट्रस्ट या पुलिस ने अभी तक इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस को मिली पहली जीत, दिल्ली कैपिटल्स को हराया

नवी मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने यहां महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट मुकाबले (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स को 50 रनो से हराकर अच्छी वापसी की है। मुंबई इंडियंस इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने पहले ही मैच में हार गयी थी। इस मैच में जीत से टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है जबकि दिल्ली कैपिटल्स अपना दूसरा मुकाबाल जीतकर सबसे नीचे है। मुंबई इंडियंस की टीम ने कैपिटल्स के खिलाफ 4 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए। अमेलिया केर अपना खाता भी नहीं खोल पायी। जी कमलिनी ने नैट साइवर-ब्रंट के साथ 32 गेंदों में 49 रन की बनाकर टीम को संभाला। कमलिनी 16 रन बनाकर पेवेलियन लौट।, इसके बाद साइवर-ब्रंट ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 66 रन बनाकर टीम को 117 रन तक पहुंचाया। साइवर-ब्रंट ने 70 रन बनाये। हरमनप्रीत ने नाबाद 74 रन जबकि निकोला ने 21 रन बनाये।

कैपिटल्स की ओर से नंदिनी शर्मा ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले, जबकि चिनेल हेनरी और श्री चरणी ने 1-1 विकेट हासिल लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 19 ओवरों में 145 रन ही बना पायी। टीम ने लिजेली ली का विकेट शुरुआत में ही खो दिया। ली ने 10 रन बनाये। इसके बाद शेफाली वर्मा ने भी केवल 8 रन बनाकर ही आउट हो गयीं। चिनेल हेनरी ने निकी प्रसाद के साथ छठे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने का प्रयास किया पर असफल रहीं। चिनेल हेनरी ने सबसे अधिक 56 रन बनाए, जबकि निकी प्रसाद ने 12 रन की बनाये। मुम्बई की ओर से निकोला कैरी और अमेलिया केर ने 3-3 विकेट।

मलेशिया ओपन: वर्ल्ड नंबर 1 शी चोट के कारण बाहर, थाईलैंड के विटिडसर्न बने चैंपियन

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। चीन के वर्ल्ड नंबर 1 शी यूकी रविवार को थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न के खिलाफ मलेशिया ओपन फाइनल के दौरान पीठ की चोट के कारण रिटायर हो गए। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन शी दर्द में खेल रहे थे, लेकिन पहला गेम 21-23 से हारने के बाद उन्होंने मैच छोड़ दिया। मैच के बाद उन्होंने कुनलावुत की तारीफ की।

उन्होंने कहा, 'कुनलावुत हमेशा से बहुत मजबूत खिलाड़ी रहे हैं और अभी दुनिया के टॉप खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके खिलाफ खेलना हमेशा एक सीखने वाला अनुभव होता है, खासकर इस तरह के फाइनल स्टेज पर।' महिला सिंगल्स फाइनल में, दक्षिण कोरिया की ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग ने चीन की वांग झेई को 21-15, 24-22 से हराया।

वांग ने कहा कि दूसरे गेम में उनके पास मैच पलटने के मौके थे, लेकिन अहम पलों में वह चूक गईं। उन्होंने कहा, 'जब मैं पिछड़ रही थी, तो मुझे बेहतर टैक्टिकल जवाब देने चाहिए थे। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मैं बेहतर प्रदर्शन करूंगी।' चीन ने लियू शेंगशु और टैन निंग, और फेंग यानझे और हुआंग डोंगपिंग के जरिए महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स के खिताब जीते। लियू और टैन ने महिला डबल्स फाइनल में दक्षिण कोरिया की बाएक हा-ना और ली सो-ही को 21-18, 21-12 से हराया, जबकि फेंग और हुआंग ने मिक्स्ड डबल्स फाइनल में अपने ही देश के जियांग झेनबांग और वेई याक्सिन को 21-19, 21-19 से हराया। पुरुष डबल्स में, दक्षिण कोरिया के किम वोन हो और सियो सेउंग जे ने मलेशिया के आरोन चिया टेंग फोंग और सोह वूई यिक को 21-15, 12-21, 21-18 से हराया।

52 साल के हुए द्रविड़ को जन्मदिन पर मिली बधाइयां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के भरोसेमंद बल्लेबाज राहुल द्रविड़ रविवार 11 जनवरी को 52 साल पूरे हो गए। द्रविड को इस अवसर पर क्रिकेट जगत के साथ ही प्रशंसकों ने भी शुभकामनाएं दी हैं। खेल हस्तियों और संगठनों ने उनके खेल करियर की उपलब्धियों, भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान और उनके शांत स्वभाव की प्रशंसा की है।

द्रविड़ अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण कठिन हालातों में भी भारतीय टीम की ढ़ाल बनकर सामने आये। वह टीम के कप्तान भी रहे। वह हमेशा ही एक शांत क्रिकेटर रहे। खेल से संन्यास के बाद कोच और कमेंटेटर के तौर पर भी वह खासे सफल रहे। आईपीएल में भी वह कई टीमों से जुड़े रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ अपने शुरुआती दिनों में क्रिकेट नहीं बल्कि हॉकी पसंद करते थे। प्लेयर बनने का था. वह स्कूल में हॉकी खेला करते थे। स्कूल टीम में वह सेंटर-हाफ के तौर पर खेलते थे। द्रविड़ राज्य की जूनियर टीम में भी रहे थे। एक दिन कोच ने अचानक ही उन्हें सेंटर-हाफ से हटाकर राइट-हाफ में खेलने भेज दिया। तब उन्हें लगा कि उनके खेल का स्तर अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, ÷हॉकी टीम में पोजीशन बदलने के बाद मेरे पास क्रिकेट में जाने का विकल्प था।.÷ इसी कारण उनका ध्यान क्रिकेट की ओर आ गया। इसके बाद उन्हें हॉकी से ज्यादा क्रिकेट में आनंद आने लगा और वह क्रिकेट में ही रम गये। जूनियर लेवल पर धीरे-धीरे उनकी पहचान बनने लगी। इसी दौरान नाम कोच केकी तारापोर की उनकी प्रतिभा का पहचाना और यहीं से उनका खेल में आगे बढ़ने का सफर शुरु हो गया। उन्हें 1990 में पहली बार कर्नाटक राज्य टीम में शामिल किया गया। घरेलू क्रिकेट में डेब्यू के बाद द्रविड़ को छह साल बाद भारतीय टीम में जगह मिल गयी। द्रविड़ ने अप्रैल, 1996 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय में

डेब्यू का मौका मिला। जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। द्रविड़ ने भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ियों में जगह बनाने के साथ ही भारत के लिए 164 टेस्ट, 344 एकदिवसीय और 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलते हुए 52.31 की औसत से 13288 रन बनाए। उन्होंने 63 अर्धशतक और 36 शतक लगाये। टेस्ट में द्रविड़ के नाम 5 दोहरे शतक भी है। वहीं एकदिवसीय में द्रविड़ ने 10889 रन बनाए हैं। इस फॉर्मेट में उनके नाम 83 अर्धशतक और 12 शतक है। उनके खेल की सबसे बड़ी खूबी ये रही कि वह एक भरोसेमंद बल्लेबाज रहे हैं जब भी टीम संकटों में घिरी द्रविड़ ने उसे संभाला। कई शीर्ष गेंदबाज भी उनके सामने विफल रहे। इसी कारण उन्हें भारत की दीवार भी कहा जाता रहा है।

एशेज ट्रॉफी की कीमत सिर्फ 7.99 पाउंड: क्यों सबसे खास है क्रिकेट की यह जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी में इंग्लैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर एशेज पर कब्जा बरकरार रखा और क्रिकेट की सबसे पुरानी व प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्विता को नया अध्याय दे दिया। एशेज को सिर्फ एक द्विपक्षीय सीरीज़ कहना इसकी महत्ता को कम करके आंकना होगा। यह मुकाबला डेढ़ सौ साल से भी अधिक पुरानी परंपरा, राष्ट्रीय सम्मान और खिलाड़ियों की शारीरिक व मानसिक सहनशक्ति की अंतिम परीक्षा माना जाता है। हैरानी की बात यह है कि जिस ट्रॉफी के लिए इतनी कड़ी जंग होती है, उसकी वास्तविक कीमत महज़ 7.99 पाउंड, यानी लगभग 968 रुपये आंकी गई है, फिर भी इसकी प्रतिष्ठा किसी विश्व कप या आईसीसी ट्रॉफी से कम नहीं मानी जाती।

एशेज ट्रॉफी दरअसल एक छोटा सा कलश है, जिसे 1882 में इंग्लैंड की ऑस्ट्रेलिया से ऐतिहासिक हार के बाद प्रतीकात्मक रूप से बनाया गया था। मान्यता है कि इसमें जली हुई बेल्स की राख रखी गई है। आज विजेता टीम को जो ट्रॉफी सौंपी जाती है, वह मूल कप प्रतिकृति होती है, जबकि असली कलश लंदन के लॉर्ड्स म्यूज़ियम में सुरक्षित है। क्रिकेट इतिहासकारों और बोर्ड से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इसकी भौतिक कीमत बेहद मामूली है, लेकिन इसका भावनात्मक और ऐतिहासिक मूल्य अनमोल है।

इस बात का दिलचस्प खुलासा इंग्लैंड के महान तेज़ गेंदबाज़ जिमी एंडरसन ने अपनी आत्मकथा ÷फाइंडिंग दा ऐज÷ में किया है। एंडरसन ने 2009 की एशेज जीत के बाद का एक किस्सा साझा करते हुए बताया कि जश्न के दौरान जब वे और ग्रैम स्वान ट्रॉफी थामे हुए थे, तो उन्हें उसके नीचे कुछ चिपका हुआ महसूस हुआ। ट्रॉफी को पलटने पर पता चला कि उस पर अब भी प्राइज़ टैग लगा था, जिस पर 7.99 पाउंड लिखा हुआ था। जल्दबाज़ी में टैग हटाना तक भूल जाना इस बात का प्रतीक था कि एशेज जीतने की खुशी में खिलाड़ी हर छोटी-बड़ी चीज़ से बेखबर हो जाते हैं।

एशेज ट्रॉफी की कम कीमत अक्सर लोगों को चौंकाती है, लेकिन यही इसकी खूबी भी है। इस ट्रॉफी के लिए खिलाड़ी अपना करियर, शरीर और मानसिक संतुलन तक दांव पर लगा देते हैं। महीनों की थकान, चोटों का दर्द और अपार दबाव झेलने के बाद इसे जीतना ही असली पुरस्कार है। यही कारण है कि 7.99 पाउंड की यह ट्रॉफी भावनात्मक और ऐतिहासिक मायनों में क्रिकेट की सबसे महंगी और सबसे कठिन उपलब्धि मानी जाती है।

फीफा विश्व कप ट्रॉफी दिल्ली पहुंची, वर्ल्ड टूर के तहत तीन दिन भारत में रहेगी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 की असली ट्रॉफी शनिवार को अपने वर्ल्ड टूर के तहत भारत पहुंची, जो यहां तीन दिनों तक रहेगी। इस दौरान यह ट्रॉफी दो दिनों तक दिल्ली में रहेगी और उसके बाद इसे असम के गुवाहाटी ले जाया जाएगा। फीफा विश्व कप की शुरुआत 11 जून को होगी। विश्व कप ट्रॉफी लगभग 12 साल के बाद भारत आई है। इस ट्रॉफी टूर का आयोजन वैश्विक पेय कंपनी कोका-कोला कर रही है, जो फीफा विश्व कप की आधिकारिक भागीदार है। यहां आयोजित एक समारोह में ब्राजील के पूर्व विश्व कप विजेता खिलाड़ी और फीफा दिग्गज गिलबर्टो सिल्वा तथा केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की उपस्थिति में इस असली ट्रॉफी का अनावरण किया गया। इस अवसर पर मंडाविया ने कहा कि यह ट्रॉफी देश के युवाओं को फुटबॉल के खेल के प्रति प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में खेल एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनकर उभरा है। हम एक दशक के भीतर, यानी 2036 तक भारत को दुनिया के शीर्ष दस खेल राष्ट्रों में शामिल करने के लिए काम कर रहे हैं। कोका-कोला इंडिया और दक्षिण पश्चिम एशिया के अध्यक्ष संकेत रे ने कहा कि खेल राष्ट्र निर्माण का एक बहुत मजबूत और शक्तिशाली स्तंभ बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, इसकी वजह विकसित भारत 2047 के साथ निकटता से जुड़ी है, जहां युवा भारत विश्व मंच पर नेतृत्व करने, प्रतिस्पर्धा करने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए तैयार है। फीफा विश्व कप के साथ कोका-कोला का जुड़ाव खेलों और युवाओं पर इस राष्ट्रीय ध्यान को साकार करता है। उन्होंने बताया कि कोका-कोला 1978 से फीफा विश्व कप का आधिकारिक भागीदार रहा है और दुनिया भर में नियमित रूप से इसका प्रचार कर रहा है।

टॉप सीड एलिना स्वितोलिना ने ऑकलैंड का खिताब जीता

वेलिंगटन। टॉप-सीड एलिना स्वितोलिना ने रविवार को अपना 19वां WTA खिताब जीता, उन्होंने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में ACB क्लासिक फाइनल में चीन की वांग शिन्यू को 6-3, 7-6(8) से हराया। 31 साल की यूक्रेनी खिलाड़ी ने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए, पहले सर्व के 74 प्रतिशत पॉइंट जीते, और मैच का एकमात्र ब्रेक 4-2 पर वांग की सर्विस तोड़कर हासिल किया, जिसके बाद उन्होंने दूसरे सेट का टाईब्रेक जीता। स्वितोलिना ने 2025 के आखिर में चोट के कारण चार मैचों की हार का सिलसिला खत्म करते हुए WTA 250 इवेंट में लगातार पांच मैच जीते। एक घंटे और 42 मिनट तक चले मैच के बाद कोर्ट पर स्वितोलिना ने कहा, 'एक और खिताब जीतना वाकई बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर मेरे लिए साल के बहुत अच्छे अंत के बाद।' सातवीं वरीयता प्राप्त 24 साल की वांग ने शनिवार को सेमीफाइनल में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला को हराकर अपने करियर का दूसरा फाइनल खेला। वह इससे पहले पिछले जून में बर्लिन में घास के कोर्ट पर WTA फाइनल में पहुंची थीं, जहां उन्हें चेक खिलाड़ी माकेर्टा वोंद्रोसोवा से हार का सामना करना पड़ा था।

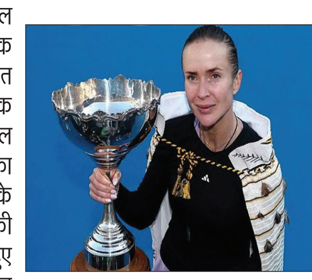

विराट कोहली सबसे तेज 28000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा

वडोदरा। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी फॉर्मेट में 28,000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बन गए और सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। अपने 624वें इनिंग में खेलते हुए कोहली ने न्यूजीलैंड के लेग-स्पिनर आदित्य अशोक की गेंद पर चौका लगाकर यह मुकाम हासिल किया। तेंदुलकर ने यह मुकाम अपने 644वें इनिंग में हासिल किया था, जबकि श्रीलंकाई दिग्गज कुमार संगकारा, जो 28000 रन क्लब में तीसरे खिलाड़ी हैं ने यह उपलब्धि अपने 666वें इनिंग में हासिल की थी। इस 37 साल के बल्लेबाज ने इस मैच से पहले इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी फॉर्मेट में 27975 रन के साथ उतरे थे। तेंदुलकर ने 782 इनिंग में 34357 रन बनाए जबकि संगकारा ने 666 इनिंग में 28016 रन बनाए। फरवरी 2023 में कोहली 25000 रन बनाने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बने थे। उन्होंने यह मुकाम 549 इनिंग में हासिल किया था जो तेंदुलकर से 28 इनिंग पहले था। अक्टूबर 2023 में कोहली 26000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बने। एक साल बाद सितंबर 2024 में उन्होंने अपने 594वें इनिंग में 27000 रन पूरे किए।

टी20 फॉर्मेट में भारत अलग चुनौती पेश करता है, वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचना तय

-क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने टीम इंडिया की घरेलू परिस्थितियों में मजबूती की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने टीम इंडिया की घरेलू परिस्थितियों में मजबूती और गहराई की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत जैसी टीम को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता और आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उसका सेमीफाइनल तक पहुंचना तय माना जा सकता है।

स्मिथ ने कहा कि घरेलू मैदानों पर खेला जाने वाला यह विश्व कप भारत को अतिरिक्त बढ़त देगा और टीम ट्रॉफी जीतने की प्रबल दावेदार है। हाल ही में भले ही दक्षिण अफ्रीका ने भारत को उसके घर में टेस्ट सीरीज हराई हो, लेकिन स्मिथ के मुताबिक टी20 फॉर्मेट में भारत अलग चुनौती पेश करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय टी20 टीम में आक्रामकता, गहराई और मैच जिताने की क्षमता है। स्मिथ ने यह कहा कि टेस्ट और टी20 क्रिकेट की परिस्थितियां और मांगें अलग होती हैं, इसलिए टेस्ट सीरीज के नतीजों को टी20 वर्ल्ड कप से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ग्रीम स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट में चल रहे बदलाव के दौर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में टीम एक नए फेज से गुजर रही है, जहां सीनियर खिलाड़ियों और नई पीढ़ी के बीच संतुलन बनाने की कोशिश हो रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह ट्रांजिशन कितनी तेजी और मजबूती से आगे बढ़ता है। हालांकि, स्मिथ का मानना है कि भारत की टैलेंट पूल इतनी मजबूत है कि किसी भी स्थिति में टीम प्रतिस्पर्धी बनी रहती है। उन्होंने कहा कि अगर भारत टॉप-4 में नहीं पहुंचता है तो यह उनके लिए हैरानी की बात होगी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत में अब एक महीने से भी कम समय बचा है और स्मिथ पहले से ही एक रोमांचक फाइनल की कल्पना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी ख्वाहिश है कि दक्षिण अफ्रीका फाइनल में भारत को हराकर खिताब जीते। स्मिथ के मुताबिक अगर टीम सही कॉम्बिनेशन के साथ उतरती है और मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज भारतीय परिस्थितियों में स्पिन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो दक्षिण अफ्रीका को इतिहास रचने का सुनहरा मौका होगा।

एस 20 मैच में लगी आग के बाद भी चलता रहा मैच

जोहांसबर्ग। यहां खेले जार हे एसए 20 के 19वें मैच के दौरान भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गयी हालांकि राहत की बात ये रही कि किसी की जान नहीं गयी। ये मामला पर्ल रॉयल्स और प्रीटोरिया कैपिटल्स के बीच हुए मैच का है। जा इय मैच के दौरन ही स्टेडियम की पार्किंग में आग लगने से स्टेडियम में बैठे प्रशंसक डर गये। आग पर किसी प्रकार से बचाव दल ने नियंत्रण कर हालात संभाले। आग के बाद भी मैच जारी रहा। इस मैच में प्रीटोरिया कैपिटल्स की टीम ने 21 रनों से जीत हासिल की। प्रीटोरिया कैपिटल्स की टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 138 रन बनाये। सबसे अधिक 42 रन शेरफन रदरफोर्ड ने बनाये। वहीं वहीं शाई होप ने 22 रन बनाये। रॉयल्स की तरफ से हारिस विल्जोन, डेन लॉरेंस और सिकंदर रजा ने दो-दो विकेट लिए जबकि नकोबानी मोकोएना ने एक विकेट लिया। इसके बाद 139 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पर्ल रॉयल्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर केवल 117 रन ही बना पायी। रॉयल्स की ओ से कप्तान डेविड मिलर ने सबसे अधिक 45 रन जबकि रुबिन हार्मेन ने 35 रन बनाए पर ये दोनो टीम को जीत तक नहीं पहुंचा पाये। वहीं गेंदबाजी में कैपिटल्स की ओर से केशव महाराज ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

मोलेइरो के शानदार प्रदर्शन की बदौलत विलारियल ने ला लिगा में एलवेस को हराया

बार्सिलोना। अल्बर्टो मोलेइरो के शानदार खेल से विलरियाल ने ला लिगा (स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) मैच में एलवेस को 3-1 से हराकर लीग तालिका में तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। कैनरी द्वीप समूह के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने मध्यांतर के बाद मैच का पहला और मौजूदा सत्र का अपना आठवां गोल दागा। अनुभवी स्ट्राइकर गेरार्ड मोरेनो ने 55वें मिनट में घरेलू टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। मोलेइरो ने इसके बाद टीम के तीसरे गोल की नींव रखी, जब उन्होंने दो डिफेंडरों के बीच से सटीक पास निकालकर जॉर्जिया के स्ट्राइकर जॉर्जेस मिकाउताद्जे के लिए मौका बनाया। मिकाउताद्जे ने गोल कर टीम को 3-0 से आगे कर दिया। एलवेस की ओर से टोनी मार्टिनेज ने 85वें मिनट में गोल कर हार के अंतर कम किया। इस जीत के बाद विलारियाल में तालिका पर शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना से आठ अंक और दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड से चार अंक कम हैं। वहीं, वह चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से तीन अंक आगे है। अन्य मैचों में गिरोना ने शनिवार को ओसासुना को 1-0 से हराया। तालिका में निचले स्थान पर काबिज रियाल ओविएदो ने रियाल बेटिस को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया।

मेदवेदेव ने मिशेलसेन को हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बनायी

ब्रिस्बेन। रुस के टेनिस स्टार दानिल मेदवेदेव ने अमेरिका के एलेक्स मिशेलसेन को 6-4, 6-2 से हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में पवेश किया है। मेदवेदेव को हालांकि जीत के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। इसी के साथ ही मेदवेदेव ने अपने करियर में 41वें टूर-लेवल फाइनल में जगह बनायी है। मेदवेदेव ने एलेक्स के खिलाफ मुकाबले में हालांकि 27 गलतियां कीं पर उन्होंने दूसरे सेट में सभी चार ब्रेक अंकों को बचा लिया। इसी के साथ ही उन्होंने सबसे ज़्यादा फाइनल खेलने वाले अलेक्जेंडर ज़्वेरेव की बराबरी की। रुसी खिलाड़ी ने इस पर खुशी जतायी कि वह कई अवसरों पर एलेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे। साथ ही कहा कि इसी कारण उन्हें जीत मिली। अब उनका मुकाबल फाइनल में अमेरिका के ही ब्रैंडन नाकाशिमा से होगा। इससे पहले नाकाशिमा ने एक अन्य मुकाबले में अलेक्जेंडर कोवासेविच को 7-6(4), 6-4 से हराकर अपने चौथे एटीपी टूर के फाइनल में स्थान बनया। साल 2022 में सैन डिएगो में अपने घर पर पहला खिताब जीतने के बाद यह उनका पहला फाइनल है। इस सप्ताह ब्रिस्बेन में अपने चार मैचों में वह एक भी सेट नहीं हारे है जिससे उनका मुकाबला फाइनल के लिए बढ़ा हुआ है।

न्यूजीलैंड सीरीज़ से बढ़ी हलचल, क्या 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक खेलेंगे विराट और रोहित

नई दिल्ली(एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा के न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के लिए टीम इंडिया से जुड़ते ही भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर 2027 वनडे वर्ल्ड कप को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। जिस तरह से दोनों सीनियर बल्लेबाज़ हाल के महीनों में फिटनेस, फॉर्म और मैदान पर भूख के साथ नज़र आए हैं, उससे यह साफ संकेत मिलता है कि उनका भविष्य पूरी तरह उनके अपने फैसले पर निर्भर है। अक्टूबर से दिसंबर के बीच रोहित और विराट ने जिस प्रतिबद्धता के साथ क्रिकेट खेला है, उसने यह दिखा दिया है कि खेल अभी भी उनकी प्राथमिकता बना हुआ है। दोनों खिलाड़ियों ने न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को साबित किया है, बल्कि बीसीसीआई की गाइडलाइंस के मुताबिक घरेलू क्रिकेट में भी हिस्सा लिया है। अगर उनके मन में 2027 वर्ल्ड कप का लक्ष्य न होता, तो ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे सीरीज़ खेलने का शायद ही कोई ठोस कारण होता। विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसे मुकाम पर हैं, जहां उन्हें किसी को कुछ साबित करने की ज़रूरत नहीं है। ऐसे में केवल औपचारिक वनडे मुकाबले खेलने का कोई अर्थ नहीं बनता, जब तक कि आगे कोई बड़ा लक्ष्य न हो।

फिलहाल दोनों का फॉर्म और फिटनेस उनकी सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है। रोहित शर्मा पहले से कहीं ज्यादा फिट दिख रहे हैं, जबकि विराट कोहली की फिटनेस हमेशा से ही उनकी पहचान रही है। अहम बात यह है कि दोनों रन बना रहे हैं, बड़े स्कोर खड़े कर रहे हैं और मैच पर अपनी पकड़ दिखा रहे हैं। आत्मविश्वास और अनुभव के इस मेल ने उन्हें एक बार फिर भारतीय वनडे टीम का मजबूत स्तंभ बना दिया है। अब सवाल सिर्फ इतना है कि क्या वे 50 ओवर के फॉर्मेट में आगे भी खेलना चाहते हैं और क्या 2027 वर्ल्ड कप को आखिरी बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं। विराट कोहली 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीत चुके हैं, लेकिन रोहित शर्मा के शानदार करियर में यह ट्रॉफी अब तक नहीं जुड़ पाई है। ऐसे में 2027 का वर्ल्ड कप रोहित के लिए एक परफेक्ट फिनाले साबित हो सकता है। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का भी मानना है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अनुभव और क्लास की जरूरत होगी, जो विराट और रोहित दोनों के पास भरपूर है।

यह भी हकीकत है कि वर्ल्ड कप से ठीक एक साल पहले टीम में बड़े बदलाव करना आसान नहीं होता। इसी वजह से तमाम संकेत यही इशारा कर रहे हैं कि विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 वर्ल्ड कप में भारतीय जर्सी में नजर आ सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह टूर्नामेंट भारतीय क्रिकेट के लिए किसी मेगा ब्लॉकबस्टर से कम नहीं होगा। फिलहाल, क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे बेहतर यही है कि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ इन दोनों दिग्गजों की बल्लेबाज़ी का भरपूर आनंद लें।

सोशल मीडिया को सिर्फ फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। खास बात है कि वह इस प्लेटफॉर्म को केवल अपनी फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं। उनके लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वह लोगों को प्रेरित कर सकती हैं, जागरूकता फैला सकती हैं और दूसरों की जिंदगी में खुशी ला सकती हैं। खास बातचीत में अदा ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की। अदा से जब पूछा गया कि आज के समय में वह सोशल मीडिया को कितना महत्व देती हैं तो उन्होंने बताया, मेरे लिए सोशल मीडिया का मतलब सिर्फ फिल्मों या प्रोजेक्ट्स का प्रमोशन नहीं है। यह एक एक ऐसी जगह है, जहां कई सकारात्मक काम किए जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, मैं हाथियों के कल्याण के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हूं। अदा ने सोशल मीडिया के महत्व पर एक उदाहरण देते हुए बताया, हाथी बाहर से बहुत बड़े और मजबूत लगते हैं, लेकिन जब इंसान उन्हें कैद में रखते हैं, जैसे सर्कस में, तो उनकी हालत बहुत बुरी हो जाती है। सर्कस में हाथियों की पीठ पर भारी वजन रखा जाता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट जाती है। उन्हें पीटा जाता है और वे दर्द में भी चुप रहते हैं क्योंकि बोल नहीं सकते। मैंने कई वीडियो पोस्ट किए, जिसे देखकर कई लोगों ने बताया कि उन्हें पहले नहीं पता था कि हाथी की सवारी करना गलत है। सर्कस में हाथियों की स्थिति देखकर दिल टूट जाता है। इतने बड़े जानवर को इंसान घुटनों के बल ला देते हैं। मैं सोशल मीडिया के जरिए ऐसी चीजों को उजागर करती हूं। उन्होंने बताया, इसके अलावा, मैं स्ट्रीट डॉग्स के एडॉप्शन को बढ़ावा देने और प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने की भी अपील सोशल मीडिया के जरिए करती हूं। इसके परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। मैं शाकाहारी हूं और अपने नाश्ते या खाने की तस्वीरें डालती हूं, सच बताऊं तो इससे कई लोग प्रेरित होकर शाकाहारी बन चुके हैं। शाकाहारी भोजन में भी भरपूर प्रोटीन होता है। इससे मांसपेशियां, ताकत, स्टैमिना, सुंदरता, अच्छी त्वचा और बाल सब कुछ मिल सकता है। लोग गलत समझते हैं कि मजबूत बनने के लिए केवल मांसाहार जरूरी है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 10 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसलिए अदा मानती हैं कि उन्हें भी कुछ वापस देना चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए वह यही करती हैं। अदा ने बताया, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई तनाव में है। अगर एक वीडियो या पोस्ट से किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाए या किसी का दिन अच्छा बन जाए, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

मां बनने के 5 महीने बाद काम पर लौटीं कियारा आडवाणी

कई एक्ट्रेसेस बनीं मिसाल

मां बनना अपने आप में एक खूबसूरत अहसास है। बॉलीवुड एक्ट्रेसेस भी इस प्यारे अहसास से गुजरती हैं। मां बनने के बाद उनकी जिंदगी खुशियों से भर जाती हैं। लेकिन इस खुशी के बीच वह अपना पैशन, प्रोफेशन दरकिनार नहीं करती हैं। कई एक्ट्रेसेस हैं, जिन्हें अपने काम से इतना प्यार रहा कि वह बच्चे के जन्म के कुछ वक्त बाद ही करियर फ्रंट पर सक्रिय हो गईं।

कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी साल 2025 के जुलाई महीने में एक प्यारी सी बेटी की मां बनी हैं। लगभग पांच महीने के आराम के बाद वह काम पर फोकस कर रही हैं। पिछले दिनों उन्हें पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एक शूट पर देखा गया। वहीं साउथ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से कियारा आडवाणी का लुक भी वायरल हुआ। यह फिल्म जल्द रिलीज होगी, इसमें कियारा ने एक अहम किरदार निभाया है।

शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी भी साल 2012 में एक बेटे की मां बनीं। सबसे पहले तो शिल्पा शेट्टी ने अपनी फिटनेस पर काम किया। साथ ही बेटे के जन्म के कुछ महीने बाद ही वह वर्क फ्रंट पर एक्टिव हो गईं। शिल्पा को डांस रियलिटी शो जज करते हुए देखा गया। शिल्पा ने बाकी महिलाओं को इंस्पायर किया कि वह प्रेग्नेंसी के बाद फिट रह सकती हैं और अपना काम भी अच्छे से कर सकती हैं।

करीना कपूर

करीना कपूर को एक्टिंग से बहुत प्यार रहा है, वह ज्यादा देर तक अपने प्रोफेशन से दूर नहीं रह पाईं। करीना साल 2016 में पहली बार मां बनीं, तैमूर के जन्म के कुछ महीनों बाद ही वह एक्टिव हो गईं। यहां तक की दूसरे बेटे जेह के जन्म के 18 दिन बाद वह काम पर लौट आईं, एड फिल्मों की शूटिंग करने लगी थीं। जेह का जन्म साल 2021 में फरवरी महीने में हुआ था।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट भी करीना कपूर के नक्शे-कदम पर चलीं। एक्ट्रेस ने साल 2022 में बेटी राहा को जन्म दिया। लेकिन प्रेग्नेंसी के बाद लंबा ब्रेक नहीं लिया। आलिया ने अपने पुराने कमिटमेंट मां बनने के बाद जल्द ही पूरे किए। उन्होंने फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के लिए एक गाना रणवीर सिंह के साथ शूट किया।

काजल अग्रवाल

साल 2022 के मई महीने में साउथ और हिंदी फिल्मों की चर्चित एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने भी एक बेटे को जन्म दिया। काजल ने भी प्रेग्नेंसी के दो महीने बाद ही अपनी एक फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी थी। वह तो अपने बच्चे को फिल्म सेट पर भी लाती थीं, जिससे उसकी अच्छे से देखभाल कर सकें।

पर्दे पर फिर लौट रही सैयामी खेर और गुलशन देवैया की जोड़ी

बॉलीवुड में कुछ कलाकारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को इतनी पसंद आती है कि वे पर्दे पर उस जोड़ी को फिर से देखने के लिए उत्साहित रहते हैं। सैयामी खेर और गुलशन देवैया की जोड़ी कुछ ऐसी ही है। दोनों ने पहले अनपॉज्ड और 8 ए.एम. मेट्रो जैसी फिल्मों में साथ काम किया, जिसमें उनके बीच की कमेस्ट्री दर्शकों को बहुत पसंद आई। अब यह जोड़ी फिर से एक साथ एक नए प्रोजेक्ट में नजर आने वाली है। एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया कि सैयामी और गुलशन ने हाल ही में इस नए प्रोजेक्ट की शूटिंग पूरी कर ली है। उनकी जोड़ी को दोबारा स्क्रीन पर देखना दर्शकों के लिए हमेशा सुखद अनुभव रहा है। हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि यह नया प्रोजेक्ट फिल्म है या वेब सीरीज, लेकिन इस जोड़ी को देखने के लिए फैंस काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सूत्र ने बताया कि इस नए प्रोजेक्ट की सभी जानकारी सीक्रेट रखी गई है, जिनका जल्द ही खुलासा हो सकता है। सैयामी खेर इन दिनों अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ फिल्म हैवान में नजर आने वाली है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शरीब हाशमी भी अहम किरदार में हैं। फिल्म की शूटिंग कोच्चि, ऊटी और मुंबई जैसे शहरों में हुई। वहीं गुलशन देवैया भी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज परफेक्ट फैमिली की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस सीरीज में उन्होंने विष्णु नाम के एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाया है, जो एक परफेक्ट दिखने वाले परिवार का हिस्सा है। ये परिवार बाहर से खुश है, लेकिन अंदर से टूटा हुआ है। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया। इसमें गुलशन देवैया के अलावा, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और नेहा धूपिया भी हैं। यह सीरीज 27 नवंबर को यूट्यूब चैनल जार सीरीज पर रिलीज हुई।

चित्रांगदा सिंह ने साझा किया द बैटल ऑफ गलवान का खास अनुभव

फिल्मों की दुनिया में कई बार कुछ मौके अचानक ही मिल जाते हैं, जिनकी उम्मीद नहीं होती। ऐसे ही एक खास मौके ने अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को नया अनुभव दिया। इन दिनों चित्रांगदा सलमान खान की द बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। आईएएनएस से बात करते हुए चित्रांगदा ने अपने अनुभव के बारे में कहा, जब निर्देशक अपूर्व लाखिया ने मुझे इस फिल्म के लिए कॉल किया, तो मेरा पहला रिएक्शन यही था, सच में? मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि मुझे सलमान खान के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मैंने न तो कभी सलमान से काम के लिए बात की और न ही कभी इसकी कोशिश की। यह मौका मेरे लिए पूरी तरह से आश्चर्यजनक और रोमांचक रहा। फिल्म द बैटल ऑफ गलवान की कहानी 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है। 15 जून को नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों को जानमाल का नुकसान हुआ। सीमा के पास फायरआर्म्स का इस्तेमाल न करने के समझौते के कारण, सैनिकों ने लाठियों और पत्थरों का इस्तेमाल करते हुए लड़ाई लड़ी थी। चित्रांगदा ने कहा, मैं सेना की दुनिया को अच्छी तरह समझती हूं, और एक आर्मी मैन की बेटी होने के नाते, यह फिल्म मेरे लिए और भी व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण है। यह फिल्म सिर्फ एक मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील कहानी को लोगों तक पहुंचाने का अवसर भी है। उन्होंने कहा, द बैटल ऑफ गलवान एक महत्वपूर्ण फिल्म है। सेना और देशभक्ति के अनुभव से जुड़ी इस कहानी में काम करना गर्व का पल है। मेरा मानना है कि फिल्म दर्शकों को वास्तविक घटनाओं और सैनिकों के संघर्ष के करीब लाएगी और उन्हें देशभक्ति की भावना से जोड़ने में मदद करेगी। फिल्म में सलमान खान और चित्रागंदा सिंह की जोड़ी नजर आएगी। इसमें सलमान कर्नल बी. संतोष बाबू की भूमिका में नजर आएंगे, जिन्होंने असाधारण साहस के साथ 16 बिहार रेजिमेंट का नेतृत्व किया और मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित हुए थे।बैटल ऑफ गलवान 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रभास-तृप्ति के अलावा इन फिल्मों में पहली बार साथ नजर आएंगे बॉलीवुड-साउथ के सितारे

बॉलीवुड और साउथ के बीच की दीवारें टूट रही हैं। इस साल दर्शकों को नई जोड़ियां, बड़े स्केल की कहानियां और धमाकेदार एंटरटेनमेंट मिलेगा। 2026 सिनेमा के लिए बहुत एक्साइटिंग साल होने वाला है!

स्पिरिट

फिल्म स्पिरिट में साउथ के मेगा सुपरस्टार प्रभास मुख्य भूमिका में हैं, जो एक ब्रूटल लेकिन ईमानदार पुलिस वाले का किरदार निभा रहे हैं। उनके साथ बॉलीवुड की एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी लीड हीरोइन हैं। यह तृप्ति की तेलुगु सिनेमा में डेब्यू फिल्म है। फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा (जिन्होंने एनिमल बनाई थी) कर रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर है। हाल ही में फिल्म स्पिरिट का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसमें प्रभास और तृप्ति का इंटीमेट सीन दिखाया गया है।

रामायण

नितेश तिवारी की रामायण हिंदू महाकाव्य पर

आधारित है। इसमें बॉलीवुड के सुपरस्टार रणबीर कपूर भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं। उनके साथ साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस साई पल्लवी सीता की भूमिका में हैं। फिल्म में साउथ के बड़े स्टार यश (केजीएफ फेम) रावण का रोल कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। यह फिल्म दो पार्ट्स में रिलीज होगी। पहला पार्ट दिवाली 2026 में और दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे।

कार्तिक आर्यन और श्रीलीला

एक्टर कार्तिक आर्यन और साउथ अभिनेत्री श्रीलीला एक फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। एक्ट्रेस श्रीलीला (जो कन्नड़ और तेलुगु फिल्मों में बहुत पॉपुलर हैं) पहली बार हिंदी फिल्म में डेब्यू कर रही हैं। यह एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा है, जिसका निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। पहले फिल्म का नाम आशिकी 3 होने की अफवाहें थीं, तो कही फिल्म का नाम तु मेरी जिंदगी है बताया जा रहा है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से कार्तिक और श्रीलीला की इस फिल्म के नाम की घोषणा नहीं हुई है।

पेड्डी

फिल्म पेड्डी में साउथ के ग्लोबल स्टार राम चरण (आरआरआर फेम) लीड रोल में हैं। उनके साथ बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर हीरोइन हैं। जाह्नवी का यह तेलुगु सिनेमा में दूसरा प्रोजेक्ट है। इस फिल्म से पहले जान्हवी देवरा में नजर आ चुकी हैं। पेड्डी में जान्हवी का किरदार अचियम्मा नाम का है। इस फिल्म का निर्देशन बुची बाबू साना कर रहे हैं। यह 27 मार्च 2026 को दुनिया भर में रिलीज होगी।

वेटेरिनरी साइंस में बनाएं उज्जवल भविष्य

यदि आपको पशु-पक्षियों से प्रेम है और उनकी सेवा करना चाहते हैं तो यह पेशा कल्याण, प्रतिष्ठा और पैसे के हिसाब से बहुत ही शानदार हो सकता है। पशुओं में होने वाली बीमारियों का पता लगाकर और उनका इलाज करके जो आपको संतुष्टि मिलेगी उसका कोई मोल नहीं है। इसके अलावा आप पशुधन में इजाफा करने में अहम भूमिका निभाएंगे। वर्तमान में पशुपालन एक इंडस्ट्री के रूप में उभरकर धनोपार्जन का माध्यम बना है। यदि आप वेटेरिनरी से रिलेटेड कोर्स कर लेते हैं तो रोजगार के लिए भटकना नहीं पडेगा।

क्या काम है वेटेरिनरी चिकित्सक

वेटेरिनरी चिकित्सक का कार्य पशुओं के स्वास्थ्य का ख्याल रखना, बीमारियों से छुटकारा दिलाना उनके रहन-सहन एवं खान-पान में सुधार करना तथा उनकी उत्पादन तथा प्रजनन क्षमता बढाना होता है। इसके अलावा पशुओं से मनुष्यों में होने वाले रोगों से बचाव के लिए चिकित्सकीय उपाय ढूंढने का कार्य भी करते हैं।

जरूरी स्किल्स

पशु-पक्षियों से प्रेम
पशु पक्षियों के व्यवहार की जानकारी
पशु-पशुओं के मौसमी रोगों की जानकारी
धर्य और लगातार कार्य करने की क्षमता
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

वेटेरिनरी साइंस में ग्रेजुएशन करने के लिए इंट्रेंस एग्जामिनेशन होता है। इस परीक्षा में बैठने के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी तथा अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंकों के साथ 102 उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यह परीक्षा वेटेरिनरी काउंसिल ऑफ इंडिया के द्व ारा हर वर्ष आयोजित की जाती है। प्रत्येक राज्य के वेटेरिनरी कालेज की 15 प्रतिशत सीटें इस परीक्षा द्व ारा भरी जाती हैं। शेष सीटें राज्य के वेटेरिनरी कॉलेज स्वयं प्रवेश परीक्षा आयोजित करके भरते हैं। इसमें पोस्टग्रेजुएशन करने के लिए वेटेरिनरी साइंस में ग्रेजुएशन और पी-एचडी. के लिए पोस्टग्रेजुएशन होना अनिवार्य है।

जॉब्स की संभावनाएं

भारत सरकार की उदारीकरण नीतियों तथा वेटेरिनरी इंडस्ट्री के व्यावसायीकरण के कारण यह इंडस्ट्री प्रतिवर्ष ग्रोथ कर रही है। सरकारी तथा गैर सरकारी पशुचिकित्सालयों में पशुचिकित्सक, एनीमल हसबैंड्री डिपार्टमेंट, पोल्ट्री फार्म, डेयरी इंडस्ट्री, मिल्क एंड मीट प्रोसेसिंग इंडस्ट्री, फूड मैन्यूफैक्चरिंग, फार्मास्युटिकल वैक्सीन प्रोडक्शन इंडस्ट्री से संबंधित मल्टीनेशनल कम्पनियों के आने से इसमें नौकरी की डिमांड बढी है। इसके अलावा निजी अस्पताल खोलकर आप धन अर्जित कर सकते हैं, रिसर्च एंड डेवलेपमेंट तथा शिक्षण संस्थानों में शिक्षक के रूप में नौकरी कर सकते हैं। इसके जानकार बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी कार्य कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- शेर-ए काश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू
- हिमाचल प्रदेश कृ षि विश्वविद्यालय, पालमपुर
- नरेन्द्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, फैजाबाद
- बिहार वेटरिनरी कॉलेज, पटना
- बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, रांची
- गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर
- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार
- कालेज ऑफ वेटरिनरी साइंस एंड एनीमल हसबैंड्री मथुरा, यूपी
- एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना

वाइल्ड लाइफ में बनाएं सुनहरा भविष्य

तेजी से कम होती जंगली प्रजातियों की संख्या ने दुनियाभर के वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों की चिता बढ़ा दी है। वन्य जीवों के साथ वनों में पाई जाने वाली तमाम तरह की प्राकृतिक संपदा को लेकर भी देश-विदेश में कई शोधकार्य चलते ही रहते हैं। वन्य जीवों के संरक्षण को लेकर पूरी दुनिया में जिस तरह के प्रयास किये जा रहे हैं उससे वाइल्ड लाइफ से जुड़े कई तरह के कैरिअर उभरकर आ रहे हैं।

इसलिए वाइल्ड लाइफ से जुड़े किसी भी क्षेत्र में कैरिअर बनाने का अर्थ है आपको रोजगार के पीछे नहीं भागना होगा बल्कि रोजगार खुद आपके पास चलकर आएगा। दरअसल वाइल्ड लाइफ खतरों व मुसीबतों से भरा क्षेत्र माना जाता है, इसलिए इस क्षेत्र में करिअर बनाने वाले बहुत कम होते हैं।इस क्षेत्र में इतनी तेजी से काम हो रहा है कि अभी भी पूरी दुनिया में लाखों की तादाद में कुशल वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट की कमी है। अगर आपके पास इस क्षेत्र से जुड़ा थोड़ा-बहुत भी अनुभव है तो समझ लीजिए आपकी लॉटरी लग गई।

वातावरण को संतुलित बनाए रखने में जितनी भूमिका पेड़-पौधे निभाते हैं उतना ही महत्व जंगली जीवों का भी होता है। इसके बढ़ते बाजार ने वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ के कैरिअर को चार-चांद लगा दिये हैं। सरकारी सस्थाओं के अलावा देश-विदेश के एनजीओ भी वाइल्ड लाइफ से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए कुशल वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ की तलाश कर रहे हैं। हालांकि इस क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की तरह सुविधाएं नहीं हैं लेकिन यदि आप में काम करने का जुनून है तो पैसे कोई मायने नहीं रखते। वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ के काम को समझते हुए, इसके खतरों से वाकिफ होकर सस्थाएं इस क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों को धन संबंधी समस्याएं नहीं आने देती हैं। इस क्षेत्र में करिअर बनाने के लिए सबसे जरूरी चीज है, डर पर नियंत्रण होना। खतरनाक जंगली जीवों से यदि आपको डर लगेगा तो इस क्षेत्र में काम नहीं कर पाएंगे।

निर्णायक क्षमता जरूरी

इस क्षेत्र में करिअर बनाने के लिए निर्णायक क्षमता होना बहुत जरूरी है। वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ को सेकेंडों के अंदर निर्णय लेना होता है। ऐसे में यदि त्वरित निर्णय लेने की क्षमता नहीं हुई तो कभी-कभी वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ की जान तक चली जाती है। यदि वाइल्ड लाइफ से जुड़े शोध कार्यों में कैरिअर बनाने के इच्छुक हैं तो तमाम तरह के डाटा का संग्रह होने के साथ टेक्रिकल राइटिंग स्किल्स का भी होना जरूरी है। शोधकार्यों में कई घंटों तक लगातार काम करना पड़ता है, इसलिए मेहनत का जज्बा होना भी काफी अहम होता है।

इन तमाम खूबियों के अलावा अच्छी संवाद क्षमता भी होनी चाहिए। वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ को अकसर ही विदेशी पर्यटकों या शोधकर्ताओं से संवाद स्थापित करना पड़ता है। ऐसे में यदि वह बातचीत में कुशल नहीं होगा तो अपने विचार और ज्ञान के बारे में लोगों को कैसे परिचित कराएगा। इसके अलावा आपको वाइल्ड लाइफ से जुड़ी हर तरह की जानकारी होनी चाहिए। रोमांच व साहस से भरे इस क्षेत्र में अकसर ही घर से बाहर जंगलों में रहना पड़ता है। इसलिए होमसिक होना आपकी सफलता में बाधक बन सकता है।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए विज्ञान विषय से 12वीं उत्तीर्ण होना चाहिए और 12वीं के बाद बायोलॉजिकल साइंस से बीएससी की डिग्री जरूरी है। एग्रीकल्चर में बैचलर डिग्री भी इस क्षेत्र में प्रवेश दिला सकती है। फॉरेस्ट्री या इन्वायरमेंटल साइंस से भी स्नातक की डिग्री ली जा सकती है।

शुरुआती पारिश्रमिक

निजी क्षेत्र में वाइल्ड लाइफ साइंटिस्ट को शुरुआती चरण में 30 से 40 हजार रुपये मासिक तनख्वाह मिलती है। इसमें डिविजन अधिकारी भी शामिल होते हैं। मध्य अवस्था तक पहुंचते-पहुंचते यह 80 हजार रुपए तक हो सकती है। पीएचडी डिग्री होल्डर एक वरिष्ठ वैज्ञानिक की एक लाख रुपये प्रतिमाह तक आय हो सकती है। इसके विपरीत एनजीओ या सरकारी विभाग में वाइल्ड लाइफ साइंस से जुड़े कर्मचारियों को काफी ऊंची तनख्वाह पर नौकरियां मिलती हैं।

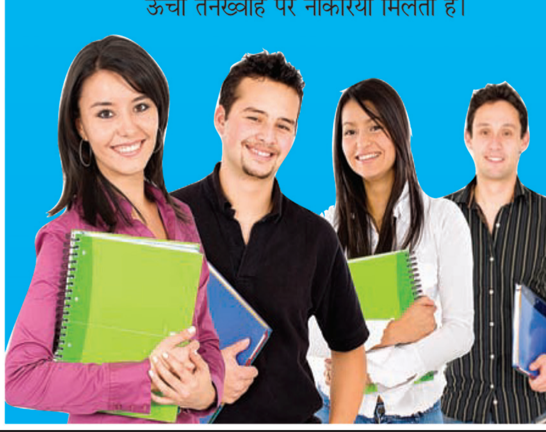

क्रिमिनल जस्टिस के तौर पर बनाएं सुनहरा भविष्य

वर्तमान में दुनिया में काफी अधिक संख्या में आपराधिक मामले बढ़े हैं, पुलिसिया कार्रवाई सख्त हुई है। ऐसे में, सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोगों को सही न्याय मिलना किसी चुनौती से कम नहीं है। बेकसूर लोग भी कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने के लिए मजबूर होने लगे हैं। ऐसे में उन्हें इंसाफ दिलाने के अलावा अपराध और इसकी प्रवृति को लेकर जो अध्ययन किया जाता है वह क्रिमिनल जस्टिस के दायों में आता है। इनसे जुड़े लोगों की मांग इन दिनों काफी बढ़ी है। अभी तक यह विषय क्रिमिनोलॉजी के तहत आता था लेकिन अब अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में इसकी अलग से पढ़ाई होने लगी है। ऐसे में, क्रिमिनल जस्टिस एक सिस्टम है जो सामाजिक व्यवस्था बनाने, अपराध निर्धारित करने और कानून का उल्लंघन करने वालों की सजा निर्धारित करने का कार्य करता है। यह उन लोगों को सहायता भी प्रदान करता है जिन्हें किसी आपराधिक मामले में बेवजह फंसाकर उनकी जिदगी बर्बाद करने का कार्य किया जाता है। यदि आप क्रिमिनल जस्टिस में करियर बनाने के इच्छुक हैं तो इससे संबंधित डिग्री लेने के बाद आपके पास कई विकल्प हैं और प्रत्येक विकल्प में न सिर्फ कई तरह की नौकरियां हैं बल्कि कई नौकरियां का रास्ता विभिन्न क्षेत्रों के जरिए आगे बढ़ता है।

क्रिमिनल जस्टिस से जुड़े लोगों का वेतन उनकी नौकरी, शिक्षा और अनुभव के आधार पर तय की जाती है। हालांकि जब भी क्रिमिनल जस्टिस की बात होती है तो एकेडमिक्स और शोध की बात नहीं होती है बल्कि यह उन लोगों के लिए है जो एडवांस डिग्री हासिल करना चाहते हैं। साइकोलॉजी और फॉरेंसिक साइंस से जुड़े लोग भी इस फील्ड से जुड़ते हैं और अपने भविष्य को नई दिशा देते हैं।

दो तरह के हैं ऑप्शन

सामान्य तौर पर क्रिमिनल जस्टिस करियर दो तरह का होता है, पहला एप्लायड क्रिमिनल जस्टिस और दूसरा थ्योरिटिकल क्रिमिनल जस्टिस। एप्लायड क्रिमिनल जस्टिस के तहत क्रिमिनल जस्टिस की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग आती है जबकि थ्योरिटिकल क्रिमिनल जस्टिस के तहत अपराध के व्यवहार और अपराध के प्रति समाज का व्यवहार यानी फॉरेंसिक साइकोलॉजी और क्रिमिनोलॉजी का अध्ययन किया जाता है।

पाठ्यक्रम

क्रिमिनल जस्टिस क्रिमिनोलॉजी का एक हिस्सा है जो सामाजिक व्यवस्था के तहत अपराध, अपराध के कारण, आपराधिक व्यवहार और दूसरे मामलों का अध्ययन करता है। इससे संबंधित विभाग की शुरुआत 1916 में ब्रेकली स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुई थी। इस विषय का अध्ययन रिसर्च क्रिमिनोलॉजी, सोशियोलॉजी और साइकोलॉजी विषय से जुड़े लोग करते हैं। भारत में अधिकतर विश्वविद्यालयों में इसकी पढ़ाई क्रिमिनोलॉजी से संबंधित कोर्स के तहत होती है लेकिन अब कहीं-कहीं इससे संबंधित डिप्लोमा कोर्स भी संचालित किया जाने लगा है। स्नातकोत्तर और पीजी डिप्लोमा कोर्स में एडमिशन स्नातक की डिग्री के बाद लिया जा सकता है। कई बार लॉ की डिग्री होने के बाद भी आपको इससे संबंधित अतिरिक्त कोर्स करना पड़ सकता है। इसे पाने के बाद ही आप इस फील्ड में आ सकते हैं।

नौकरी

यदि आपने क्रिमिनल जस्टिस में डिग्री हासिल की है तो आपके पास कैरियर के कई विकल्प सामने आते हैं। इससे संबंधित डिग्री लेने के बाद आप एयरपोर्ट सिक्योरिटी ऑफिसर, लॉ लाइब्रेरियन, रॉ एजेंट, अल्कोहल, टोबैके एंड फायर आर्म्स एजेंट, एटॉर्नी, मीडिया क्रिमिनोलॉजी, जुवेनाइल कोर्ट काउंसलर, मिलिट्री ऑफिसर, लॉ क्लर्क, नेवल इनवेस्टिगेटर, सेक्रेट सर्विस एजेंट, बॉर्डर पैट्रोल एजेंट, एनजीओ, टीचर, क्रिमिनोलॉजिस्ट आदि के तौर पर कार्य कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

इस क्षेत्र में आप तभी आगे बढ़ सकते हैं जब आप में कुछ मौलिक गुण हो। सफल होने के लिए कोर्ट-कचहरी की भाषा लिखने और प्रस्तुत करने की क्षमता, अपराध को लेकर समाज की प्रतिक्रिया की समझ, तर्कशक्ति, शोध और साइंटिफिक मेथडोलॉजी क्षमता, आलोचनात्मक सोच, अपराध की प्रकृति की समझ, निर्णय लेने की क्षमता, साक्षात्कार लेने की क्षमता, मानविकी, समाजशास्त्र और नेचुरल साइंस का बैकग्राउंड, क्रिमिनल लॉ की जानकारी, कम्प्यूटर में दक्षता आदि जरूरी है।